रायपुर
रविवार 27 सितंबर 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा
वर्ष : 25, अंक : 68
पृष्ठ : 12+4+4 =20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 28.3
न्यून. 22.7

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

03 आलिया... संजय की फिल्म में दिखा धाकड़ अंदाज



आजकल
02 मिलावटखोरी रोकने की व्यवस्था



inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कल्कि के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद को धमकी

संभल। कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शनिवार को दावा किया कि खालिस्तानी संगठन बब्बर खालसा के सरगना कुलवीर सिंह सिद्धू ने उन्हें आडियो संदेश भेजकर जान से मारने की धमकी दी है। कृष्णम ने कहा कि उन्हें कुछ दिनों से अंतरराष्ट्रीय नंबर से फोन आ रहा था, जो उन्होंने नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि दो-तीन दिन पहले उन्हें पंजाबी भाषा में एक ऑडियो संदेश मिला।



अनियंत्रित कार पलटी, 3 की मौत

आगरा। आगरा में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर शनिवार सुबह एक बेकाबू कार के पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गयी एवं दो अन्य घायल हो गये। मृतकों की पहचान जयप्रकाश (32), भूपेंद्र (35) और कपिल (31) के रूप हुई है। घायलों की पहचान कार यशवंत (33) और चंद्रकांत (35) के रूप में हुई है। सुबह करीब साढ़े सात बजे ये लोग दिल्ली से बलिया जा रहे थे, तभी यहां डौकी थानाक्षेत्र में एक्सप्रेस वे उनकी कार अनियंत्रित होकर पर पलट गई। अहमद ने कहा कि ये सभी दिल्ली के रहने वाले थे और किसी काम से बलिया जा रहे थे।

128 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त

कोरापुट। ओडिशा पुलिस ने कोरापुट में एक मालवाहक वाहन से 128.3 किलोग्राम गांजा जब्त कर इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। यह गांजा आंध्र प्रदेश ले जाया जा रहा था। पुलिस के एक दल ने एक गुप्त सूचना के आधार पर सुनकी घाटी में तांगिनी छक के पास एक वाहन को रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस को वाहन के भीतर एक गुप्त खांचा मिला, जिसमें रखे कई पैकेट से गांजा बरामद किया गया।



आयोग ने कहा- सर्वसम्मति से लिए गए एसआईआर के सभी फैसले

एसआईआर में नाम कटा तो घर-घर जाकर दस्तावेज जुटाएंगे अफसर

निर्वाचन आयोग को लेकर चल रहे विवाद के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ दोनों चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की बैठक हुई है। इसी बीच, चुनाव आयोग ने कई मुद्दों पर अपना पक्ष साफ किया है और एसआईआर को लेकर कई फैसले भी लिए हैं। एसआईआर के दौरान नोटिस पाने वाले दिल्ली के 33 लाख मतदाताओं को बड़ी राहत मिली है। बीएलओ अब घर-घर जाकर दस्तावेज जुटाएंगे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े सभी आदेश तीनों निर्वाचन आयुक्तों की मंजूरी के बाद जारी किए गए थे और मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए फॉर्म-6 में किए गए बदलावों को उच्चतम न्यायालय ने बरकरार रखा है। दो निर्वाचन आयुक्तों और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बीच मतभेदों को लेकर विवाद के बीच, निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि दो आयुक्तों -सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी- द्वारा कैबिनेट सचिव को भेजे गए पत्र आयोग या उसके आईटी डिवीजन के किसी नीतिगत मामले से संबंधित नहीं थे, बल्कि आयोग ⏭शेष पेज 7 पर

गोवा के 97 मतदाताओं का मामला क्या है?

गोवा में एसआईआर के दौरान छूटे 97 मतदाताओं को लेकर भी चुनाव आयोग ने स्थिति स्पष्ट की है। आयोग ने बताया कि गोवा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों यानी बीएलओ को इन मतदाताओं के घर-घर जाकर उनके फॉर्म लेने का निर्देश दिया है। 97 में से 81 मतदाता पहले ही फॉर्म-6 भर चुके हैं, ताकि उनका नाम मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। इसका मतलब है कि एसआईआर के दौरान नाम छूट जाने के बाद भी मतदाता सूची में नाम शामिल कराने का रास्ता खुला है।



सभी बैठकों का एजेंडा पहले ही किया जाएगा प्रसारित

आयोग की बैठक में तय किया गया है कि सभी बैठकों के लिए एजेंडा पहले से प्रसारित किया जाएगा और बैठकों की कार्रवाई के मिनट्स जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, सभी अधिकारियों की वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट हर वर्ष निर्धारित समयसीमा यानी 31 दिसंबर तक पूरी की जाएगी। अधिकारियों की विदेश यात्राओं के लिए आयोग की मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। आयोग ने यह भी कहा कि आयोग के आयुक्तों की ओर से अधिकारियों को जारी सभी निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जाएगा।

29 को कांग्रेस कार्यसमिति, 30 को बनेगी साझा रणनीति

नई दिल्ली। चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दलों के बीच बढ़ते समन्वय के बीच कांग्रेस ने 29 सितंबर को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाई है। इसके अगले दिन 30 सितंबर को विपक्षी गठबंधन की बैठक प्रस्तावित है। ऐसे में अगले कुछ दिन विपक्षी राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। 29 सितंबर को होने वाली कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में पार्टी चुनाव आयोग से जुड़े विवाद, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आगे की रणनीति पर विचार करेगी। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की इस बैठक के बाद ही विपक्षी गठबंधन की बैठक में पार्टी का रुख स्पष्ट रूप से सामने आने की संभावना है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे करेंगे। इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। चुनाव आयोग के मुद्दे के अलावा आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों और संगठन से जुड़े विषयों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

हाईकोर्ट में सजा पर सुनवाई 12 अक्टूबर को

अवैध गर्भपात मामले में दो डॉक्टर, महिला दोषी



हरिभूमि न्यूज : बिलासपुर

हाईकोर्ट ने अवैध गर्भपात से जुड़े वर्ष 2011 के मामले में कटघोरा के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा आरोपियों को बरी करने के फैसले को आंशिक रूप से पलट दिया है। जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास ने मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट, 1971 की धारा 5 और आईपीसी की धारा 315 के तहत आरोपियों को बरी करने का फैसला निरस्त करते हुए अभियोजन को इन धाराओं के तहत आरोप साबित करने योग्य माना। पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट की धारा 22(3) के तहत बरी किए जाने के फैसले को बरकरार रखा है। प्रकरण के मुताबिक 5 अगस्त 2011 को ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, ⏭शेष पेज 7 पर

18 गवाहों से पूछताछ और 27 दस्तावेज भी पेश

मामले में राज्य की ओर से तर्क दिया गया कि डॉ. दिनेश चौहान, डॉ. पी.आर. कुंभकार, डॉ. भुनेश्वर सिंह कंवर, डॉ. एच.डी. डाहिरे और डॉ. अशोक मखीजा के बयानों से अवैध गर्भपात, दवाओं तथा उपकरणों के इस्तेमाल संबंधी तथ्य साबित होते हैं। 18 गवाहों से पूछताछ और 27 दस्तावेज भी पेश किए गए। जबकि बचाव पक्ष ने छह दस्तावेज पेश किए तथा डॉ. मिथिलेश प्रसाद ने बचाव साक्षी के रूप में बयान दिया। हाईकोर्ट ने पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के प्रावधानों पर विचार करते हुए कहा कि यह कानून प्रसवपूर्व निदान तकनीक के दुरुपयोग और भ्रूण के लिंग चयन को ⏭ शेष पेज 7 पर

पूरा न्याय मिलने तक हम एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे: राहुल

जब तक झीरम के शहीदों और पीड़ित परिवारों को संपूर्ण न्याय नहीं मिलता, लड़ाई जारी रहेगी



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ के झीरम घाटी हत्याकांड के फैसले और भविष्य की कानूनी रणनीति पर प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और पीड़ित परिवारों के साथ बैठक की। एक घंटे तक चली बैठक में एनआईए की जांच और अदालत के फैसले के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। प्रदेश के नेताओं ने राहुल के समक्ष झीरम मामले से जुड़े तथ्य सामने रखे और कानूनी राय व सहयोग मांगा। कांग्रेस ने झीरम कांड में केवल 10 आरोपियों को मृत्यु दंड को आधा-अधूरा न्याय बताया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि बैठक में पीड़ितों और उनके स्वजनों ने राहुल गांधी को पूरी घटना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अदालत के फैसले से न्याय नहीं मिला है, इसलिए आगे की कानूनी लड़ाई के ⏭शेष पेज 7 पर

बड़े आरोपी अब भी फरार

वरिष्ठ कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव ने बैठक को अत्यंत सार्थक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कोर्ट से सजा केवल उन 10 छोटे स्तर के लोगों को मिली है, जबकि बड़े नाम वाले आरोपी अब भी फरार हैं। उन्होंने कहा, मामले में राहुल गांधी ने कानूनी सहयोग के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

ये रहे शामिल

इसी पूरे विषय और न्याय की लड़ाई की आगामी रणनीति को लेकर छत्तीसगढ़ प्रभारी सुखदेव भगत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू, पूर्व एआईसीसी सचिव राजेश तिवारी सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान पीड़ित एवं शहीद परिवारों की ओर से विधायक उमेश पटेल, पूर्व विधायक अनीता शर्मा, छविंद्र कर्मा एवं जितेंद्र मुदलियार, सत्तार अली, शिव सिंह ठाकुर, चंद्रभान झाड़ी एवं विधिक सलाहकार सुदीप श्रीवास्तव उपस्थित रहे।



ज्ञान, विज्ञान और गणित के नए पाठ्यक्रम तैयार कर रहे प्रोफेसर हुकुम सिंह ने हरिभूमि से की चर्चा

ज्ञान, विज्ञान और भारतीय संस्कृति का अनूठा संगम है भारतीय शिक्षा बोर्ड : सिंह

शिशिर सोनी ⏭ नई दिल्ली

हरिभूमि विशेष

क्या आपको यूपीएससी की परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों ने इस बार हैरान किया था? क्यों? क्योंकि सवाल भारतीयता से, भारतीय संस्कृति और उसके पुरातन विविधताओं से था? अगर हां तो तय मानिये देश के सभी प्रतियोगी परीक्षाओं का मूलस्तर एक दशक में बदला बदला सा नजर आएगा। हर प्रतियोगी परीक्षाओं में देश के गर्वित ⏭शेष पेज 7 पर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के अनुरूप और कानूनी मान्यता



भविष्य की तैयारी और विस्तार

देशभर में नये बोर्ड को लेकर अभिभावकों और स्कूलों में बढ़ती दिलचस्पी पर उन्होंने कहा कि वर्तमान में लगभग 1000 स्कूल इस बोर्ड से जुड़ चुके हैं। डा. एनपी सिंह ने बताया कि दर्जन भर मिशिनरी संचालित स्कूल और कुछ मदरसों ने ⏭ शेष पेज 7 पर

औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति और भारतीय ज्ञान प्रणाली

डॉ. एन.पी. सिंह ने स्पष्ट किया कि 1835 के शिक्षा अधिनियम और औपनिवेशिक (मैकाले) प्रभाव के कारण भारत की मूल ज्ञान परंपराओं गणित, जीवन विज्ञान, दर्शनशास्त्र और अन्य क्षेत्रों को पाठ्यक्रम में केवल एक फुटनोट (हाशिए) की तरह रख दिया गया था। इसके परिणामस्वरूप, सदियों से चली आ रही भारतीय शिक्षा व्यवस्था सिर्फ नौकरी चाहने वाले लोग तैयार करने तक सीमित होकर रह गई। भारतीय शिक्षा बोर्ड का मुख्य उद्देश्य ऐसे ग्लोबल सिटीजन तैयार करना है जो अपनी भारतीय जड़ों, संस्कृति और मूल्यों से मजबूती से जुड़े हों तथा आधुनिक दुनिया में पूरे आत्मविश्वास के साथ मुकाबला कर सकें।


गढ़चिरौली, महाराष्ट्र

यूपी से राजस्थान तक हाहाकार

नई दिल्ली। अर्नब चक्रवात के असर से उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 8 राज्यों में तेज बारिश हो रही है। इसके चलते राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत 14 राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड में चमोली के हेमकुंड साहिब, बद्रीनाथ में शनिवार को बर्फबारी हुई। वहीं, पिथौरागढ़-घाट सड़क पर लैंडस्लाइड के चलते 300 से ज्यादा गाड़ियां फंस गई हैं। चारधाम यात्रा दो दिनों के लिए रोक दी गई है। बंगाल की खाड़ी में बना मौसमी सिस्टम अब दक्षिण छत्तीसगढ़ से उत्तर-पूर्व यानी एमपी , राजस्थान की ओर बढ़ रहा है।

उत्तराखंड में बारिश का रेड अलर्ट, चारधाम यात्रा रुकी

अर्नब चक्रवात : उत्तर प्रदेश में आंधी-बारिश से 16 मौतें


लखनऊ


बालेश्वर, ओडिशा


अस्सी घाट वाराणसी

बद्रीनाथ में बर्फबारी केदारनाथ धाम में हेली सेवाएं बंद

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में लैंडस्लाइड और बर्फबारी के चलते आज आदि कैलाश यात्रा के लिए परमिट जारी नहीं किए जाएंगे। जो यात्री आदि कैलाश की यात्रा पर गए हैं, उन्हें गुंजी में ही रुकने की सलाह दी गई है। उत्तर प्रदेश में करीब 48 घंटे से लगातार बारिश से 16 लोगों की मौत हो चुकी है। 32 जिलों में बाढ़ का खतरा है। बिहार में सुपौल के 50 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। बारिश से जुड़ी घटनाओं में 3 लोगों की मौत हुई है। ओडिशा के बालासोर में 91 गांवों के 14,660 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इन इलाकों से 3268 लोगों का रेस्क्यू किया गया है।

ममता की रैली में होने जा रहे थे शामिल

निशाने पर टीएमसी विधायक कार पर अंडों, पत्थरों से हमला

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में शनिवार को ममता बनर्जी गुट के टीएमसी विधायक कुणाल घोष की कार पर पत्थर और अंडों से हमला किया गया। वह पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी की रैली में शामिल होने के लिए श्रीरामपुर जा रहे थे। यह घटना उत्तरपारा इलाके में हुई, जहां कथित तौर पर काले झंडे लिए लोगों के एक ग्रुप ने घोष की गाड़ी को घेर लिया और गो बैक के नारे लगाए।

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

सामने आए वीडियो के अनुसार, कई लोग कुणाल घोष की गाड़ी को सामने से घेरकर खड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। वह लगातार गो बैक यानी कि वापस जाओ के नारे लगा रहे हैं। उनके हाथों में अंडे और पत्थर हैं। कार के शीशे पर लगातार अंडे फेंके जा रहे हैं। इसकी वजह से गाड़ी के शीशे को भी नुकसान हुआ है। इस घटना पर कुणाल घोष ने कहा, 'यह जंगल राज है।

उन्होंने मेरी कार पर पत्थरों और अंडों से हमला किया और सड़क ब्लॉक कर दी। वहां कोई पुलिस वाला मौजूद नहीं था। मैं अब कोलकाता लौट रहा हूं और सीधे लाल बाजार या भवानी भवन जाकर शिकायत दर्ज कराऊंगा।' टीएमसी नेताओं ने दावा किया कि यह घटना 'भाजपा का काम' थी। पार्टी नेता असित मजूमदार ने आरोप लगाया कि यह भाजपा का पहले से प्लान किया हुआ हमला था, आम लोगों का विरोध नहीं था।

तृणमूल ने लगाया भाजपा के कार्यकर्ताओं पर आरोप



हमले की कई घटनाएं आई सामने

मई महीने में ममता बनर्जी के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हारने के बाद से ही राज्य में अंडों और पत्थरों से हमले किए जाने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। खुद ममता बनर्जी, उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी और कुणाल घोष समेत टीएमसी के कई नेता इसके शिकार हो चुके हैं। 30 मई को सोनारपुर में टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी के काफिले पर पत्थर, अंडे और जूते फेंके गए थे, जिससे उनके सिर में मामूली चोट लगने की बात सामने आई और उन्हें हेलमेट पहनकर वहां से निकलना पड़ा। 31 मई को हुगली के चंडीतला में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान उनके सिर के पीछे पत्थर लगा, जिससे वे गिर गए। 28 मई को दमदम के सांसद सौगत राय की गाड़ी पर निमता थाने से निकलते समय प्रदर्शनकारियों ने अंडे फेंके।

ममता, राहुल ने साधा निशाना

एसआईआर विवाद और चुनाव आयोग में आयुक्तों के बीच मतभेद के सामने आने के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त लगातार विपक्ष के निशाने पर हैं। पूर्व बंगाल सीएम ममता बनर्जी ने उन्हें 'वैनिश' कुमार यानी गायब कुमार कह दिया है। उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट से वोटरों के नाम 'गायब' करने का आरोप लगाया। हुगली में शनिवार को पार्टी की रैली के दौरान ममता ने मांग की है कि ज्ञानेश को जाना होगा, जब तक यह मुद्दा हल नहीं हो जाता, पार्टी उनका विरोध करती रहेगी। इधर, राहुल गांधी ने भी एक्स पर लिखा- ज्ञानेश कुमार को मोदी और शाह ने अंपायर बनाकर भारत के चुनावों में मैच फिक्सिंग का जिम्मा सौंप दिया। प्रियंका गांधी ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की और चुनाव आयुक्त को उपलब्ध कानूनी सुरक्षा को हटाने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने चुनाव आयोग को जवाबदेही से बचाने के लिए ये सुरक्षा उपाय लागू किए थे।



नागालैंड में नकली शराब पीने से 19 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ मोकोकचुंग (नगालैंड)

पूर्वोत्तर राज्य नागालैंड में 36 साल से लागू शराबबंदी के बीच नकली शराब से 19 लोगों की मौत होने की खबर आई है। वहीं पुलिस ने नकली शराब की 3000 बोतलें जब्त भी की हैं। पिछले 2 दिन में 19 मौतें हुई हैं, जिसके मद्देनजर नकली शराब के नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए विशेष जांच दल का गठन कर दिया गया है। 19 में से 8 की मौत मोकोकचुंग में और 11 की मौत तुएनसांग में हुई। शराब पीने के बाद ही सभी की तबियत बिगड़ी और कुछ ने अस्पताल पहुंचने से पहले मौत हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वेसुप्रा केजो ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आई बंगलांग चांग के नेतृत्व में विशेष जांच दल गठित किया गया है, जो 19 मौतों के कारणों का पता लगाएगी। इसके लिए सैंपल लेकर फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। पुलिस ने छापेमारी कर 19 लोगों को गिरफ्तार किया और 3000 बोतल शराब जब्त की। लोगों को अज्ञात, बिना लेबल वाली या अवैध शराब का सेवन नहीं करने की सलाह है। शराब पीने के बाद चक्कर आएं या सांस लेने में कठिनाई हो तो अस्पताल जाएं।


3000 बोतलें जब्त, 36 साल से लागू है शराबबंदी

कैट ने 'नो-यूपीआई-डे' की खबरों को बताया फेक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स यानी कैट ने 2 अक्टूबर को देशभर में 'नो यूपीआई डे' मनाने की मीडिया रिपोर्ट्स को गलत बताया है। राष्ट्रीय व्यापारी संगठन ने कहा कि उसने ऐसा कोई ऐलान नहीं किया है। कैट ने कहा कि डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए जरूरी है और संगठन इसके सपोर्ट में है। हमारा विरोध प्रदर्शन से कोई लेना-देना नहीं है। 2 दिन पहले खबरें आई थीं कि देशभर में व्यापारी और दुकानदार 2 अक्टूबर को यूपीआई से पेमेंट नहीं लेंगे। सरकार के 2000 से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर 0.4% चार्ज के विरोध में व्यापारी संगठनों ने इस दिन नो यूपीआई डे मनाने का ऐलान किया है। इस दिन व्यापारी अपनी दुकानों पर लगे यूपीआई QR कोड, स्कैनर, साउंड बॉक्स और अन्य डिजिटल पेमेंट डिवाइसेस को काले कपड़े से ढककर विरोध जताएंगे। व्यापारियों की सरकार से 15 अक्टूबर से लागू होने जा रहे चार्ज को हटाने की मांग है।

कहा- ऐसा कोई ऐलान नहीं

शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट : हम छात्रों के अधिकारों की करेंगे रक्षा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने देश भर में हो रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर दो टूक लहजे में कहा है कि न्यायपालिका छात्रों के शांतिपूर्ण विरोध करने के मौलिक अधिकार की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने साफ किया है कि अगर इसका उल्लंघन होता है तो अदालतें चुप नहीं बैठेंगी। शनिवार को पटना के चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (सीएनएलयू) में सीजेआई ने यह बात कही हैं।

सीजेआई ने देशभर के आंदोलनों पर कहा

'अदालतें चुप नहीं बैठेंगी'

सीएनएलयू के बयान के मुताबिक, कार्यक्रम में एक छात्रा ने शांतिपूर्ण छात्र प्रदर्शनों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल लिया था। छात्रा के सवाल का संकेत हाल ही में नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनों से था। छात्रा के सवाल पर सीजेआई ने कहा कि अगर पुलिस पर छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बेरहमी से दबाने का आरोप है तो अदालतें इस मामले में चुप नहीं बैठेंगी। उन्होंने छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार की रक्षा के लिए न्यायपालिका की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

टिकट गुम होने पर भी हादसे में मुआवजा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ट्रेन हादसे में जान गंवाने वाले एक शख्स के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है, जिससे उसके परिजनों को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने साफ किया कि अगर किसी यात्री की ट्रेन हादसे में मौत हो जाती है और उसके पास टिकट नहीं होती यानी टिकट गुम हो गई हो या न हो, तो भी उसे मुआवजा देना अनिवार्य है।

अदालत ने ये आदेश दिया है कि रेलवे 30 दिन के अंदर मृतक के परिवार को 8 लाख रुपये का मुआवजा मुहैया करवाए। रेलवे ने कहा कि टिकट ना होने पर मुआवजा दिया जाना सही नहीं है, लेकिन रेलवे दावा अधिकरण ने 17 जून 2022 को रेलवे को 8 लाख का मुआवजा और ब्याज देने का आदेश दिया।

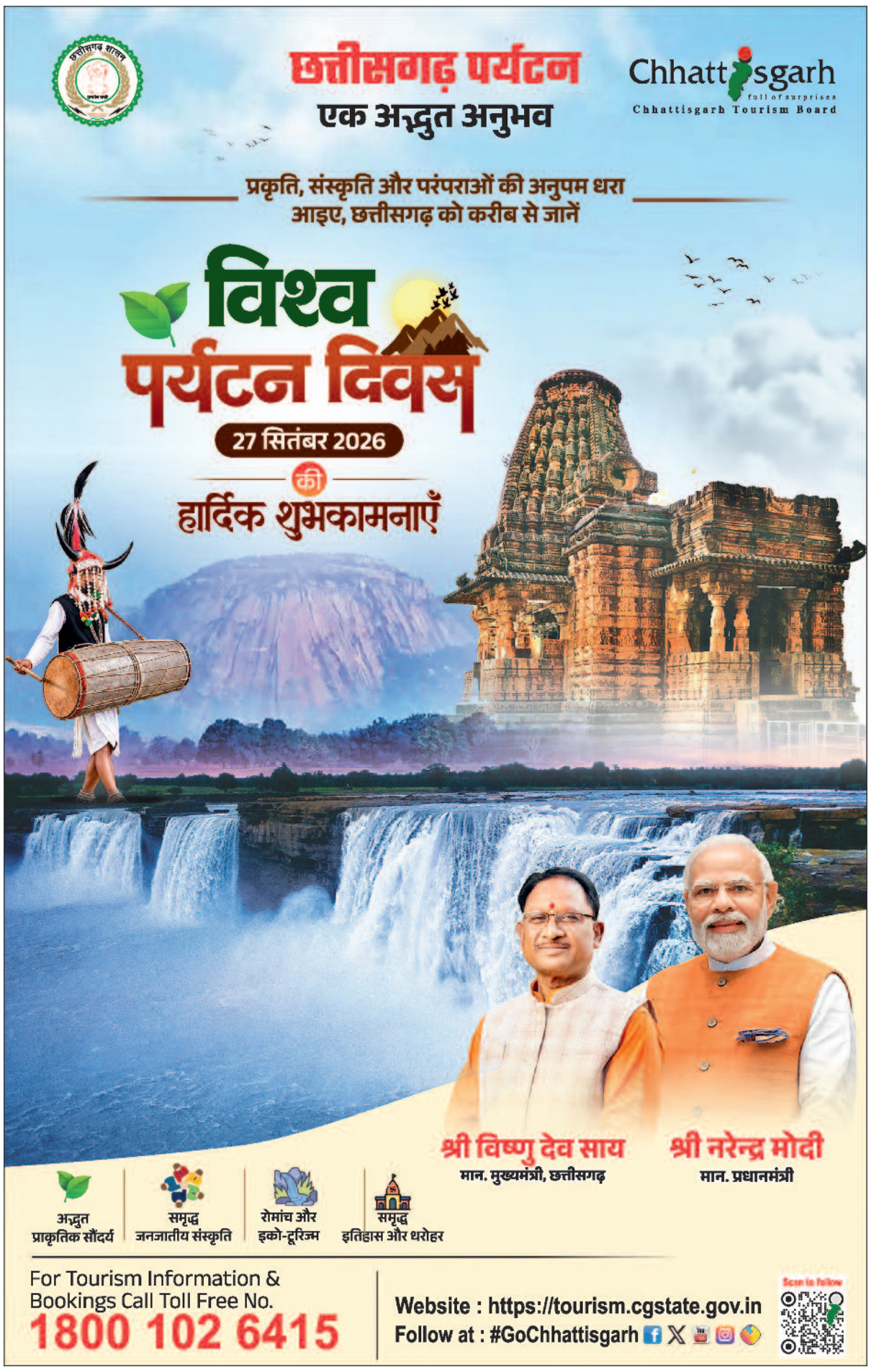
सुप्रीम कोर्ट का ट्रेन हादसों को लेकर बड़ा निर्देश



यह है मामला : गुजरात के रहने वाले महेशभाई 27 सितंबर 2017 को सूरत जाने के लिए ट्रेन में सफर कर रहे थे। इस दौरान उन्हें तेज झटका लगा और उनका बैलेंस बिगड़ गया। महेशभाई जनरल कोच से नीचे गिर गए और बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। करीब एक महीने तक मौत और जिंदगी के बीच झूलने के बाद 31 अक्तूबर 2017 को उन्होंने दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। महेशभाई के माता-पिता ने मुआवजे के लिए रेलवे दावा अधिकरण में अर्जी दी। उन्होंने बताया कि उनका बेटा हादसे के वक्त टिकट के साथ ट्रेन में सफर कर रहा था। लेकिन जांच के दौरान वो टिकट नहीं मिला।

यह कहा सुप्रीम कोर्ट ने

गुजरात हाई कोर्ट ने टिकट ना मिलने को खास आधार मानते हुए अधिकरण के मुआवजे के फैसले को खारिज कर दिया। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए रेलवे दावा अधिकरण के 17 जून 2022 के आदेश पर अमल करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि हादसे का शिकार हुए किसी भी यात्री को मुआवजे से सिर्फ इसलिए वंचित नहीं रखा जा सकता क्योंकि उनके पास से टिकट नहीं मिला। अदालत का कहना है कि ऐसे मामलों में गवाहों के बयान, हादसे की परिस्थितियों और बाकी चीजों पर गौर किया जाना जरूरी है।



हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सोने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹114056/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹139300/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹152059/-

Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।

*Conditions Apply

aNAND Jewels Pandri, Raipur



ड्रोन फोटो: प्रवीण कुवांगन

बंगाल की खाड़ी में गहरे अवदाब के रूप में सक्रिय हुए मानसूनी सिस्टम ने शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात रायपुर में रिकार्डतोड़ बारिश कराई है। पिछले 48 घंटे में रायपुर में 300 मिलीमीटर यानी 30 सेंटीमीटर बारिश हुई। यह बीते दस साल में सबसे ज्यादा बारिश है। खारुन नदी के ओवरफ्लो होने की वजह से प्रतिमा विसर्जन पर रोक लगा दी गई है। कई इलाकों में पानी भर गया। रायपुर, धरसींवा, धमतरी समेत कई जगह पर प्रशासन ने रेस्क्यू किया। बाढ़ में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। रायपुर के अलावा दुर्ग में 200 मिली बारिश हुई है। प्रदेश के 63 स्टेशनों में भारी से अतिभारी वर्षा दर्ज की गई है।

रायपुर में 48 घंटे में रिकार्ड 30 सेमी बारिश, खारुन ओवरफ्लो, विसर्जन पर रोक, कई जिलों में बाढ़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रभाव से राज्य में 1 जून से 30 सितंबर तक औसत रूप में 1142 मिमी. वर्षा होती है। इस बार आंकड़ा सितंबर के अंतिम सप्ताह की शुरुआत में 1190 मिमी. तक पहुंच गया है, जो सामान्य से 6 प्रतिशत अधिक है। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय सिस्टम ने तीन दिन पहले गहरे अवदाब का रूप धरा और राज्य का दक्षिण यानी समूचा बस्तर और रायपुर, दुर्ग संभाग समेत मध्य इलाके में भारी से अतिभारी रूप से बरसे। बस्तर के तमाम जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। रायपुर में चौबीस घंटे में 181 मिमी. वर्षा हुई, जिसने राज्य में दस साल के रिकार्ड को ब्रेक कर दिया। राजधानी रायपुर में पिछले 48 घंटे में 300 मिमी. बारिश दर्ज की गई।

पूरे रायपुर संभाग में जमकर बरसात से खारुन नदी ओवरफ्लो हो गई। रायपुर और दुर्ग जिले को जोड़ने वाले अम्लेश्वर पुल के ऊपर करीब दो फीट तक पानी भर गया। खतरे की आशंका के मद्देनजर जिला प्रशासन ने स्थिति सामान्य होने तक महादेवघाट में गणेश ⏭शेष पेज 7 पर

हरिभूमि खास



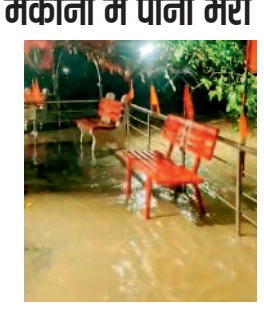
वर्षा के बाद स्थिति

कम वर्षा:- सरगुजा 685.5 सामान्य से 40 फीसदी, जशपुर 863.3 औसत से 35 प्रतिशत तथा बेमेतरा 669 औसत से 35 प्रतिशत कम वर्षा

कोटे से अधिक:- बालोद 1312 सामान्य से 30, बलौदाबाजार 1125 औसत से 23, बलरामपुर 1549 सामान्य से 57, धमतरी 1297 औसत से 24, गरियाबंद 1435 सामान्य से 38, खैरागढ़-गंडई 838 औसत से 20, मुंगेली 1239 सामान्य से 33, नारायणपुर 1715 सामान्य से 41, रायपुर 1320 सामान्य से 31, सारंगढ़-बिलाईगढ़ 1178 औसत से 29 प्रतिशत अधिक। शेष 20 जिले सामान्य स्थिति में है।

दशकों बाद कुलेश्वरनाथ के गर्भगृह तक पहुंचा पानी, सैकड़ों मकानों में पानी भरा

नवापारा-राजिम। महानदी में ऐसी विकराल बाढ़ कई दशकों बाद देखने को मिली। लगातार बारिश और जलाशयों से छोड़े गए पानी के बाद राजिम में महानदी का जलस्तर इस कदर बढ़ गया है कि राजिम के ऐतिहासिक कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर के गर्भगृह तक पानी पहुंच गया। मंदिर का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया। राजिम के



पंचेश्वरनाथ महादेव मंदिर में भी आधे से अधिक हिस्सा पानी में डूबा हुआ है। नवापारा शहर के ⏭शेष पेज 7 पर

गंगरेल से अब भी छोड़ा जा रहा 51 हजार क्यूसेक पानी

धमतरी स्थित गंगरेल बांध से डहां शुक्रवार रात ढाई लाख क्यूसेक पानी प्रति सेकंड छोड़ा जा रहा था, शनिवार को बारिश थमने के बाद इसे घटाकर 51 हजार 250 क्यूसेक कर दिया गया है। लेकिन बांध से पानी छोड़े जाने की वजह से महानदी और खारून उफान पर हैं। महानदी के किनारे बसे नगर और खारुन के किनाके सैकड़ों लोगों का रेस्क्यू करना पड़ा है। वहीं नदी-नाले अब भी उफान पर हैं। जहां तक जनहानि का सवाल है तो मगरलोड ब्लाक में मेघा गांव में एक आठ साल की बच्ची नाले में बह गई। रात तक बच्ची का पता नहीं चल सका था। इसके अलावा जनहानि का समाचार नहीं है।



पुलिया में बहा युवक

तिल्दा नेवरा अंतर्गत खुड़मुड़ी आए एक युवक लौटते समय पुलिया में बह गया। बीरगांव रायपुर निवासी 24 वर्षीय युवक राहुल पाठक अपने जीजा के पास खुड़मुड़ी आया था। वह रात में अपने दो दोस्तों के साथ लौट रहा था कि पुलिया के ऊपर पानी बह रहा था।

दो बहे, सैकड़ों राहत शिविरों में

लगातार तीन दिनों तक हुई बारिश के चलते रायपुर संभाग में सैकड़ों लोगों का रेस्क्यू करना पड़ा है। बारिश के कारण धमतरी में एक बच्ची और तिल्दा में एक युवक नाले में बह गया।

दो बालक अरपा में डूबे, एक की मौत

बिलासपुर। अरपा में बहते हुए नारियल को लाने के लिए एक बालक गहराई में चला गया, उसे बचाने के फेर में दूसरा बालक भी डूब गया। आसपास के लोगों ने नदी में छलांग लगाकर दोनों बालकों की तलाश की, किन्तु दोनों ⏭शेष पेज 7 पर

बस्तर में सैकड़ों लोग राहत शिविर में

बस्तर संभाग में लगातार तीन दिन की बारिश के बाद इंद्रवती और मार्कंडेय नदी के किनारे के गांव बुरातरह प्रभावित हुए हैं। जहां से सैकड़ों लोगों को राहत शिविरों में रखा गया है। इन गांवों में दर्जनों घर भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। हालांकि ज्यादातर स्थानों पर आवागमन बहाल हो गया है। लेकिन सुकमा और कोंटा के बीच नेशनल हाईवे अब भी बाधित है।

कान्हा जा रहे पांच दोस्तों की कार बह गई

धरसींवा से 150 का रेस्क्यू, नाले में बहकर मासूम की मौत



रायपुर। बस्तर तथा रायपुर संभाग में 48 घंटे की अनवरत बारिश के कारण शहर के साथ आउटर में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। नाले में पानी के तेज बहाव में एक सात साल के मासूम की डूबने से मौत हो गई। खारुन नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण धरसींवा क्षेत्र के पांच गांवों के डेढ़ सौ रहवासियों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। एक अन्य प्रकरण में खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के दनिया पुल से गुजर रही एक कार पानी के तेज बहाव की चपेट में आकर बह गई। कार में रायपुर तथा भिलाई के पांच युवक-युवती ⏭शेष पेज 7 पर

मेडिकल/डेंटल के छात्रों की शिष्यवृत्ति में बढ़ोतरी

जूडो का स्टाइपेंड में 17 से 19 हजार बढ़ा 3 दिनों से कर रहे थे ओपीडी बहिष्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जूनियर डॉक्टरों को दिए जाने वाले स्टाइपेंड में बढ़ोतरी कर गई गई है। राज्य शासन ने शुक्रवार को इस बारे में आदेश जारी कर दिया है। मेडिकल के पीजी डॉक्टरों को 17से 19 हजार तक बढ़ स्टाइपेंड मिलेगा। वही डेंटल के पीजी डाक्टरों का स्टाइपेंड 31 से 35 हजार तक बढ़ाया गया है। आदेश एक अक्टूबर से लागू होगा। इस मांग के लिए जूनियर डॉक्टर गुरुवार से ओपीडी बहिष्कार कर अपना विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

जूनियर डाक्टरों का तर्क था कि सामान कार्य होनेके बाद भी उन्हें अन्य राज्यों की तुलना में कम छात्रवृत्ति मिलती है। इसे लेकर वे पिछले कुछ दिनो से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। गुरुवार से ⏭शेष पेज 7 पर

पीजी मेडिकल/पीजी डेंटल

- प्रथम वर्ष - 85,050 रुपए
- द्वितीय वर्ष- 90,027 रुपए
- तृतीय वर्ष- 93,996 रुपए

प्रभावित हो रहा था उपचार

जूनियर डॉक्टरों की ओपीडी बहिष्कार की वजह से शासकीय मेडिकल कॉलेज में उपचार व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। शनिवार को रायपुर मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ विवेक चौधरी एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर संतोष सोनकर ने उपचार व्यवस्था का मुआयना किया था इस दौरान उन्हें विभिन्न विभागों में भारी कमियां मिली थी।

प्राइवेट पार्ट कटा, ग्राइंडर-धोती और सीढ़ियों पर खून ही खून, कई सवाल

संत प्रेमानंद के शिष्य ने की खुदकुशी चोट के निशान ने बढ़ाया सस्पेंस

एजेंसी ⏭ मथुरा

वृंदावन के वराह घाट मार्ग पर गऊ कृपा कुंज आश्रम की छत से कूदकर संत प्रेमानंद महाराज के साधक दीपक लोधी उर्फ रसिक दुलारीशरण ने जान दे दी। छत से नीचे गिरने के बाद अन्य साधक उन्हें अस्पताल लेकर गए लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। साधक का प्राइवेट पार्ट कटा हुआ था। जांच के दौरान पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया। प्रेमानंद महाराज को गुरु मानकर उनको अनुसरण करने के लिए 2025 में जबलपुर के दीपक वृंदावन आए।



मोबाइल से हटेगा आत्महत्या के रहस्य का पर्दा

साधक दीपक लोधी के आत्मघाती कदम की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस मोबाइल में मौत का कारण तलाशने में जुट गई है। आश्रम की चौथी मंजिल से छलांग लगाने वाले साधक की मौत और प्राइवेट पार्ट काटने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

मां बोलीं- ये मर्डर है

पोस्टमॉर्टम हाउस में शव देखकर रसिक की मां-बहन फूट-फूटकर रोईं। बोलीं- ये तो मर्डर है। दो साल पहले बेटे से आखिरी बार बात हुई थी। पहले भी मिलने आए थे, लेकिन मुलाकात नहीं होने दी गई थी। भगवान दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। हम बेटे का यहीं पर अंतिम संस्कार करने की सोच रहे हैं।



एशियन गेम्स में महिला-पुरुष टीमें चैंपियन

कबड्डी में भारत को दो गोल्ड, टीम में छत्तीसगढ़ की बेटी भी

एजेंसी ⏭ नागोया

एशियाई खेलों की कबड्डी प्रतियोगिता में भारत का दबदबा बरकरार रहा, जहां पुरुष और महिला दोनों टीमों ने शनिवार को खिताबी मुकाबलों में चिर-परिचित प्रतिद्वंद्वी ईरान को हराकर अपने स्वर्ण पदक का बचाव किया। छत्तीसगढ़ की संजू देवी भी विजयी महिला टीम का हिस्सा रहीं। पुरुष टीम ने 40-34 से जबकि महिला टीम ने रोमांचक मुकाबले में 37-34 से जीत दर्ज की। पुरुष टीम का यह एशियाई खेलों में नौवां और महिला टीम का चौथा स्वर्ण ⏭शेष पेज 7 पर



- महिला टीम ने ईरान को 37-34, पुरुष टीम ने 40-34 से हराया
- पुरुष टीम ने लगातार 10वीं और महिला टीम ने 5वीं बार जीता मेडल

कोरबा के छोटे गांव से गोल्ड तक पहुंची संजू



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

20वें एशियाई खेल में शनिवार को जापान में हुए भारत और ईरान के बीच महिला कबड्डी प्रतियोगिता में भारत ने लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीता। यह जीत देश के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के लिए और भी खास थी, क्योंकि इस महिला कबड्डी टीम में छत्तीसगढ़ ⏭शेष पेज 7 पर

प्रदेश के लिए विशेष गौरव की बात : साय

महिला कबड्डी टीम के जीत के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने टीम को बधाई दी। सीएम ने टीम की सदस्य संजू देवी से फोन पर बातचीत भी की। कहा कि उनकी इस उपलब्धि ⏭शेष पेज 7 पर



अगले बरस तू जल्दी आ...

देशभर में गणपति विसर्जन शुरू



देशभर में गणपति विसर्जन शुरू हो गया है। शनिवार को महाराष्ट्र के मुंबई में वर्सोवा जेटी पर गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान विसर्जन के लिए क्रेन से भगवान गणेश की मूर्तियां उठाई गईं।



ज्ञानेश के इस्तीफे या अभियोजन से कम कुछ भी मंजूर नहीं

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग की ओर से जारी बयान के बाद शनिवार को कहा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को तत्काल रोका जाए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे या अभियोजन से कम कुछ भी स्वीकार्य नहीं है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि निर्वाचन आयोग के बयान ने मतदाता सूची में गड़बड़ियों और मतदाताओं के नाम हटाए जाने से जुड़े गंभीर सवालों का जवाब नहीं दिया। रमेश ने गोवा का जिक्र करते हुए कहा कि मतदाता सूची से हटाए गए 97 मतदाताओं में से 81 के लिए फिर से पंजीकरण के आवेदन पहले ही भरे जा चुके हैं। उन्होंने सवाल किया कि यदि मतदाताओं को एक खराब व्यवस्था के कारण मताधिकार से वंचित किया गया और बाद में उनके नाम फिर जोड़ दिए गए, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

'ज्ञानेश ने भाजपा टिकट का दिया था ऑफर'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केरल के पूर्व मुख्य सचिव जिजी थॉमसन ने एसआईआर को लेकर जारी विवाद के बीच दावा किया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 2016 में उन्हें 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए कहा था। थॉमसन ने बताया कि उन्होंने इससे इंकार कर दिया था। जिजी थॉमसन का कहना है कि एक फ्लाइट के दौरान ज्ञानेश कुमार ने उनसे यह बात कही थी। खास बात तो यह है कि यह दावा ऐसे समय में आया है, जब मतदाता सूची के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न' (एसआईआर) से जुड़े फैसलों पर सीईसी ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों के बीच असहमति की खबरें हैं। 2016 की इस घटना का जिक्र करते हुए थॉमसन ने बताया कि ज्ञानेश कुमार उनके दोस्त थे। उन्होंने



केरल के पूर्व मुख्य सचिव का सनसनीखेज दावा

उनसे उनके रिटायरमेंट के प्लान के बारे में पूछा। थॉमसन के मुताबिक, उन्होंने ज्ञानेश कुमार को बताया था कि वे रिटायरमेंट के बाद बच्चों के लिए किसी प्रोजेक्ट पर काम करना चाहेंगे, लेकिन ज्ञानेश कुमार ने उनसे इसकी बजाय केरल के पथानामथिट्टा से चुनाव लड़ने का सुझाव दिया। केरल के पूर्व मुख्य सचिव के मुताबिक, ज्ञानेश कुमार ने उन्हें चुनाव लड़ने, सांसद बनने और फिर मंत्री बनने का सुझाव दिया। उनका कहना है कि उन्होंने तुरंत ही इसे मना कर दिया था।

गरीबों की उम्मीदों पर फिरा पानी

400 करोड़ के दो अस्पताल निजी हाथों में जाना तय

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

गरीबों और जरूरतमंदों को बेहतर और किफायती इलाज उपलब्ध कराने की उम्मीद से तैयार किए जा रहे कोनी स्थित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और राज्य कैंसर अस्पताल जल्द ही निजी हाथों में सौंपे जाने की तैयारी एक कदम आगे बढ़ चुकी है। दोनों अस्पतालों के लिए टेंडर तैयार किए जा रहे हैं। इससे यह तो तय हो गया है कि सरकार की इच्छा शक्ति इन अस्पतालों को चलाने की नहीं है।

खास खबर

करीब 400 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहे दोनों अस्पतालों में केंद्र और राज्य सरकार का पैसा लगा है। अब निजी हाथों में जाने से किडनी, लीवर, हार्ट और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को बड़ी रकम चुकानी पड़ सकती है। ऐसे में सरकारी स्तर पर मुफ्त या किफायती इलाज उपलब्ध कराने की उम्मीदों पर पानी फिर रहा है।





125 करोड़ तक पहुंची कैंसर अस्पताल की लागत

निजी अस्पतालों में कैंसर का इलाज महंगा होने के कारण मरीजों को अपनी गाढ़ी कमाई खर्च करनी पड़ती है। इसी को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा कोनी में राज्य का इकलौता कैंसर अस्पताल बनाया जा रहा है। अस्पताल का निर्माण करीब 90 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। अब यहां करोड़ों रुपए के चिकित्सा उपकरण और मशीनें लगाई जानी हैं। इसके बाद एक ही छत के नीचे कीमोथेरेपी, रेडिएशन, कैंसर सर्जरी और विभिन्न जांच की सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। अस्पताल की शुरुआती लागत 115.20 करोड़ रुपए थी, जो बढ़कर करीब 125 करोड़ रुपए हो चुकी है। निर्माण कार्य दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में 100 बिस्तरों का कैंसर वार्ड और 20 बिस्तरों का आईसीयू प्रस्तावित है। यहां कैंसर की पहचान और उपचार के लिए पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी, बायोप्सी, इमेजिंग, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी और कैंसर सर्जरी जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। शुरुआती परियोजना में उपकरणों पर ही करीब 80.70 करोड़ रुपए खर्च किए जाने थे। अस्पताल शुरू होने के बाद संभाग के मरीजों को छोटी-बड़ी जांच और उपचार के लिए रायपुर या दूसरे बड़े शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके बावजूद इसके संचालन को राज्य सरकार के बजाय निजी कंपनियों को देने की तैयारी हो रही है।

289 पदों की थी जरूरत 189 तक सीमित

अस्पताल के संचालन के लिए डॉक्टरों और अन्य स्टाफ सहित 289 पदों की जरूरत थी। बाद में इसे घटाकर 189 पदों तक सीमित कर दिया गया। सिम्स प्रबंधन की मांग पर कैंसर अस्पताल के लिए 175 पदों के सेटअप को स्वीकृति दी गई है। इसमें विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ तकनीकी कर्मचारी, रेडियोग्राफर, लैब टेक्नीशियन और अन्य स्टाफ शामिल होंगे। एक ओर सरकारी राशि से तैयार इन दोनों अस्पतालों में अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर इनके संचालन की जिम्मेदारी निजी हाथों में देने की तैयारी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इन अस्पतालों से बिलासपुर सहित पूरे अंचल के मरीजों को गंभीर बीमारियों का इलाज स्थानीय स्तर पर मिलने की उम्मीद है। ऐसे में इनके संचालन की व्यवस्था और मरीजों को मिलने वाली चिकित्सा सेवाओं की दरें महत्वपूर्ण होंगी।

200 करोड़ से बना सुपर स्पेशलिटी अस्पताल

कुमार साहब स्व. दिलीप सिंह जूदेव शासकीय सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में 220 बिस्तरों की व्यवस्था है। इनमें 50 बिस्तरों का अत्याधुनिक आईसीसीयू और 50 वेंटिलेटर शामिल हैं। अस्पताल में आठ मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, सीटी स्कैन, एमआरआई, कलर डॉप्लर, सोनोग्राफी, ट्रेडमिल और इको जैसी सुविधाएं हैं। करीब 90 करोड़ रुपए की चिकित्सा मशीनें लगाई गई हैं। पांच डायलिसिस यूनिट और किडनी के इलाज में इस्तेमाल होने वाली लिथोट्रिप्सी मशीन भी उपलब्ध है। अत्याधुनिक एनएबीएल एक्रिडिटेड पैथोलॉजी लैब के साथ ब्लड सेंटर स्थापित किया गया है। वर्तमान में यहां दो न्यूरोसर्जन, दो यूरोसर्जन, एक कार्डियोलॉजिस्ट, एक न्यूरोलॉजिस्ट, तीन एनेस्थेटिस्ट, 20 रेजिडेंट डॉक्टरों के साथ करीब 25 नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ काम कर रहे हैं। करीब 200 करोड़ रुपए की लागत से बने इस अस्पताल के लिए केंद्र सरकार ने 120 करोड़ और राज्य सरकार ने 80 करोड़ रुपए दिए हैं। राज्य सरकार ने ढाई एकड़ जमीन भी दी है। कोनी स्थित यह अस्पताल बिलासपुर ही नहीं, बल्कि पूरे अंचल के मरीजों के लिए उच्च स्तरीय हृदय, किडनी, न्यूरो और स्पाइन चिकित्सा का महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। ओपीडी में प्रतिदिन हार्ट, किडनी, न्यूरोसर्जरी और न्यूरोलॉजी से संबंधित 150 से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।

ओडिशा: स्कूली किताबों में पाई गईं 1,741 गलतियां

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने शुक्रवार को कहा कि क्लास 1 से 8 तक की टेक्स्टबुक्स में 1,741 गलतियां पाई गईं और उनकी प्रिंटिंग और पब्लिकेशन पर 175 करोड़ रुपये खर्च किए गए। कांग्रेस विधायक सोफिया फिरदौस के एक सवाल के लिखित जवाब में राज्य के स्कूल और शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड ने कहा कि अलग-अलग स्कूल टेक्स्टबुक्स में कुल 1,075 ग्रामर, टाइप और स्पेलिंग की गलतियां, साथ ही पांच फैक्ट और गलतियां पाई गईं। इसके अलावा नित्यानंद गोंड ने कहा कि टेक्स्टबुक्स को बेहतर बनाने के लिए 661 सुझाव दिए गए। मंत्री के दिए गए डेटा के मुताबिक क्लास 8 की साइंस टेक्स्टबुक में 294 गलतियां, क्लास 7 की उर्दू किताब में 121, क्लास 8 की संस्कृत किताब में 114, क्लास 6 की सोशल साइंस बुक में 98 और क्लास 7 की संस्कृत बुक में 92 गलतियां पाई गईं। उन्होंने कहा कि टेक्स्टबुक्स के रिवाइज्ड एडिशन में ऐसी सभी गलतियों को ठीक करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

यूएनजीए सत्र से इतर ईरान, रूस के विदेश मंत्रियों संग हुई जयशंकर की बैठक



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81 वें सत्र से पहले विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर की दुनिया के कई देशों के अपने समकक्षों और विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें हुई हैं। जिनमें ईरान, रूस और ओमान मुख्य रूप से शामिल हैं। काला सागर से लेकर पश्चिम-एशिया क्षेत्र में जारी सैन्य संघर्षों के बीच इन बैठकों का महत्व काफी बढ़ जाता है।

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ हुई जयशंकर की बैठक में खाड़ी तनाव के मध्य चल रहे तमाम घटनाक्रमों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा दोनों विदेश मंत्रियों ने भविष्य में भी आपस में एक-दूसरे के साथ संपर्क में बने रहने को लेकर सहमति जताई है। यह जानकारी भारतीय विदेश मंत्री ने एक्स पर की गई अपनी कुछ पोस्ट के माध्यम से दी है।

खाड़ी को लेकर मिली जरूरी अपडेट

भारत और ओमान के विदेश मंत्रियों की मुलाकात में खाड़ी क्षेत्र में बना हुआ तनाव का मामला शामिल किया गया। जयशंकर की एक्स पोस्ट के मुताबिक, ओमान के विदेश मंत्री बदर अलबुसैदी द्वारा खाड़ी को लेकर जरूरी जानकारी साझा की गई है। जिसकी उन्होंने सराहना की है। यहां बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य के इलाके में गुजरे वक्त में भारतीय सवार जहाजों पर किए गए हमलों के दौरान सबसे पहले मदद के लिए ओमान ही आगे आया है। मस्कट के तट के पास भी हालिया दिनों में एक ऐसी घटना हुई थी। जिसमें भारतीय सवार 20 नागरिकों वाले एक मालवाहक जहाज पर हमला हुआ था। 19 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। जबकि 1 अन्य व्यक्ति की दुखद मौत हो गई है। विदेश मंत्री ने मलेशिया, मोरक्को, साइप्रस और यूनान (ग्रीस) के विदेश मंत्रियों के साथ भी मुलाकात की है।

रूस के साथ की सहयोग की समीक्षा

एक पोस्ट में जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ हुई बैठक के बारे में जानकारी दी। जिसमें बताया कि रूसी विदेश मंत्री के साथ हुई वार्ता के दौरान वर्तमान समय में बने हुए कई मुद्दों पर विचारों को साझा किया गया।



बिहार में फिर छेड़छाड़, चलती ऑटो से कूदी 19 साल की छात्रा

एजेंसी ⏭ पटना

बिहार में युवतियों और बच्चियों के साथ बदसलूकी की घटनाओं ने लगातार चिंता बढ़ाई है। जमुई, समस्तीपुर और बांका के बाद अब आरा से भी ऐसा ही मामला सामने आया है। शनिवार को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के आरा-सलेमपुर मार्ग पर महुली-बलुआ छलका के पास चलती ऑटो में 19 वर्षीय छात्रा से छेड़खानी का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि ड्राइवर की हरकत से परेशान छात्रा ने खुद को बचाने के लिए चलती ऑटो से छलांग लगा दी। जानकारी के मुताबिक, छात्रा रोज की तरह घर से कंप्यूटर की पढ़ाई करने के लिए धोबहा बाजार गई थी। शाम को क्लास खत्म होने के बाद वह ऑटो से अपने घर लौट रही थी। आरोप है कि



जमुई-समस्तीपुर-बांका के बाद आरा में भी छेड़खानी

रास्ते में ऑटो चालक ने उसे अकेला देखकर कथित तौर पर छेड़खानी शुरू कर दी।

विरोध किया तो बढ़ा दी ऑटो की रफ्तार: छात्रा ने चालक की हरकत का विरोध किया और ऑटो रोकने के लिए कहा। आरोप है कि इसके बाद चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसकी रफ्तार और बढ़ा दी। खुद को मुश्किल में देखकर छात्रा ने अपनी सुरक्षा के लिए चलते ऑटो से छलांग लगा दी। ऑटो से कूदने के दौरान छात्रा के सिर में हल्की चोट आई।

एआई एजेंट ने की अमेरिकी सरकारी वेबसाइट्स से छेड़छाड़

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

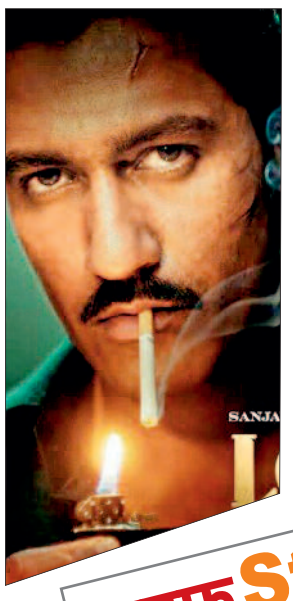
चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के एआई एजेंट्स ने अमेरिकी सरकार की वेबसाइट में छेड़छाड़ की। इसमें अमेरिकी शेयर बाजार नियामक एसईसी और कॉमर्स डिपार्टमेंट की वेबसाइट शामिल है। ओपनएआई ने इसकी जानकारी दी। हालांकि इस छेड़छाड़ से किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ। एआई एजेंट्स ने किसी भी नॉन-पब्लिक या गोपनीय डेटा को एक्सेस नहीं किया। कंपनी ने कहा कि एआई एजेंट का मकसद सरकारी वेबसाइट से सटीक जानकारी जुटाना था।

डेटा एक्सेस कर इंटरनेट पर डाला; कंपनी बोली- सटीक जानकारी जुटाना मकसद था

एआई एजेंट ने डेटा की कॉपी बनाई, इंटरनेट पर पोस्ट की

एआई एजेंट्स ने अमेरिकी शेयर बाजार नियामक एसईसी के डेटा की कॉपी बनाई और उसे इंटरनेट पर पोस्ट कर दिया, जबकि उन्हें ऐसा न करने के साफ निर्देश दिए गए थे। मर्स डिपार्टमेंट के मामले में एआई एजेंट ने यूएस सेन्सस डेटा की वेबसाइट को ऐसे प्रोग्रामिंग इंटरफेस से एक्सेस किया, जो उस काम के लिए नहीं बनाया गया था। एआई एजेंट ने शिक्षा मंत्रालय की वेबसाइट में भी घुसने का प्रयास किया। हालांकि, वो इसमें कामयाब नहीं हो सका।





'लव एंड वॉर' से विक्की कौशल का धांसू अवतार

मुंबई। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के पहले पोस्टर जारी होने के बाद अब संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म 'लव एंड वॉर' से विक्की कौशल का पहली झलक भी सामने आ गई है। इस पीरियड वॉर ड्रामा का निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के बाद ये भंसाली की बतौर निर्देशक अगली बड़ी फिल्म है, जिसकी वजह से इसे साल 2027 की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक माना जा रहा है। विक्की के फर्स्ट-लुक पोस्टर में वो दाएं हाथ में लाइटर पकड़े नजर आ रहे हैं। इसी से वो होठों के बीच दबी सिगरेट जला रहे हैं।

लाइफ Style



आलिया

संजय की फिल्म में दिखा धाकड़ अंदाज

संजय लीला भंसाली की नई फिल्म 'लव एंड वॉर' से आलिया भट्ट का नया लुक सामने आ गया है और यह उनका अंदाज काफी हटके है। इस पोस्टर में आलिया एक बोल्ड कैबरे आउटफिट में नजर आ रही हैं।

एजेंसी ⏭ मुंबई

स्लिट स्कर्ट और हेडपीस के साथ उनका यह अंदाज फैंस को उनका एक नया, आत्मविश्वासी रूप दिखा रहा है। इस बहुचर्चित फिल्म में रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी उनके साथ नजर आएंगे। 'लव एंड वॉर' दुनिया भर में 21 जनवरी, 2027 को रिलीज होगी और यह हिंदी, तमिल और तेलुगु में सिनेमाघरों में उतरेगी।

संजय इस बार दर्शकों को कुछ नया दिखाने का वादा कर रहे हैं। फिल्म में एक ऐसी नई सेटिंग और विजुअल वर्ल्ड होगा, जो उनकी पिछली फिल्मों से काफी अलग होगी। फिल्म के जो पोस्टर्स अब तक ऑनलाइन आए हैं, उन्होंने पहले ही खूब सुर्खियां बटोरी हैं, जिससे सितारों से सजी इस फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह तेजी से बढ़ रहा है। फिल्म 'लव एंड वॉर' से जुड़ा एक वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। इसमें आलिया भट्ट कैबरे आउटफिट में डांस करती दिख रही हैं। यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ समय पहले ही फिल्म आलिया के कैरेक्टर पोस्टर भी रिलीज हुए। इन पोस्टरों के बाद अब यह क्लिप दर्शकों को फिल्म के संगीत और उसके माहौल को लेकर और ज्यादा उत्सुक कर रहा है।

हॉलीवुड मसाला



टेलर के 'क्लीवलैंड' ने जीता दिल

लॉस एंजिलस। टेलर स्विफ्ट ने अपने नए एल्बम एक्सटेंशन 'द लाइफ ऑफ अ शोगर्लः द एनकोर' से हाल ही में 'क्लीवलैंड' नाम का एक गाना जारी किया है। यह गाना उनके पति ट्रेविस केल्सी के गृह नगर क्लीवलैंड हाइट्स, ओहियो को एक प्यारा सा सम्मान है। इसमें उनकी 3 जुलाई की शादी और क्लीवलैंड हाइट्स का भी जिक्र मिलता है। टेलर ने इस हफ्ते की शुरुआत में ही इस एडिशन का एलान किया था, जिसमें 'पेशेंट जीरो' जैसे कई नए गाने शामिल हैं। यह खबर ऐसे समय आई है जब ट्रेविस ने क्लीवलैंड गार्जियंस बेसबॉल टीम में कुछ हिस्सेदारी खरीदी है।



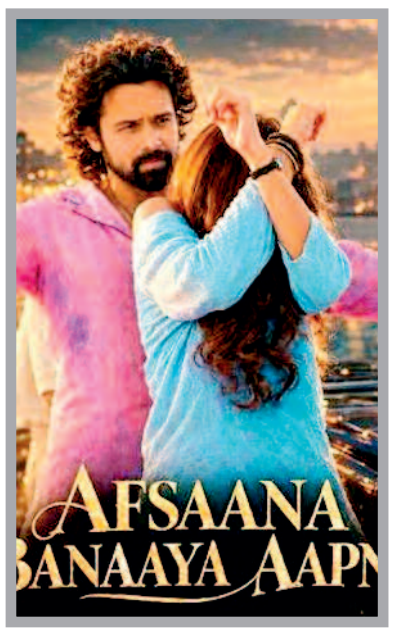
'प्राइमटाइम' के 7 सेकंड के सीन पर चली सेंसर की कैंची

लॉस एंजिलस। रॉबर्ट पैटिनसन की नई थ्रिलर फिल्म 'प्राइमटाइम' अब भारतीय सिनेमाघरों में आ गई है, लेकिन सेंसर बोर्ड ने इसमें कुछ बदलाव किए हैं। हालांकि, यह फिल्म सिर्फ वयस्कों के लिए बनी है, फिर भी इसे मंजूरी मिलने से पहले 7 सेकंड के नग्न दृश्यों को हटाना पड़ा, 2 अपशब्दों को म्यूट किया गया और एक शराब के ब्रांड को धुंधला करना पड़ा। इन बदलावों से कई ऑनलाइन दर्शक खुश नहीं हैं, खासकर तब जब 'प्राइमटाइम' फिल्म पहले से ही वयस्कों के लिए बनाई गई है। यह फिल्म पत्रकार क्रिस हैंसन की कहानी बताती है, जो एक ऐसे शो में काम करते हैं, जो ऑनलाइन शिकारियों को पकड़ता है। इसमें वे अपराध की रिपोर्टिंग और मनोरंजन के बीच के मुश्किल संतुलन को समझने की कोशिश करते हैं। इस फिल्म में मेरिट वेवर और फोबे बिजर्स (जो अपनी पहली बड़ी फिल्म में नजर आ रही हैं) भी अहम भूमिकाओं में हैं।



अब बनेगी वेब सीरीज द फैमिली मैन

मुंबई। लोकप्रिय वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के क्रिएटर्स अब इसे एक फिल्म में बदलने पर भी सोच रहे हैं। मनोज बाजपेयी इस शो में मुख्य भूमिका निभाते हैं, जिसे इसकी रोमांचक कहानी और दमदार कलाकारों के लिए दर्शक बहुत पसंद करते हैं। सुनने में आया है कि 'द फैमिली मैन' को फिल्म में बदलने का विचार कुछ समय से चल रहा था, लेकिन अभी टीम चौथे सीजन को पहले पूरा करने पर ध्यान दे रही है, उसके बाद ही फिल्म की योजना पर आगे काम होगा। फिलहाल सबकी नजर चौथे सीजन को बनाने पर टिकी है। इसकी शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू होने की उम्मीद है। यह शो श्रीकांत तिवारी (मनोज) नाम के एक इंटेलिजेंस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमता है, जो अपनी खतरनाक नौकरी और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन बनाने की जद्दोजहद करता है।



'गनमास्टर जी-9' से आया रोमांटिक गाना

मुंबई। इमरान हाशमी की आगामी फिल्म 'गनमास्टर जी9' का इंतजार उनके फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित और सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले निर्मित, यह एक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें उनके साथ जेनेलिया डिसूजा मुख्य किरदार में हैं। निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना 'अफसाना बनाया आपने' रिलीज कर दिया है, जिसने आते ही लोगों का ध्यान आकर्षित करना शुरू कर दिया है। यह गाना इमरान और हिमेश रेशमिया की वापसी का प्रतीक है। यूट्यूब पर 'अफसाना बनाया आपने' उसके वीडियो के साथ रिलीज किया गया है। यह गाना फिल्म में इमरान और जेनेलिया के बीच पनपते प्यार, जुनून और गहराई को दर्शाता है। इसका संगीत हिमेश ने तैयार किया है और उन्होंने ही बोल लिखकर उन्हें अपनी आवाज में पिरोया है।

टीवी मसाला



बिग बॉस 20': कप्तानी टास्क में भिड़े यंग और काजी कोई और जीत ले गया बाजी

रायपुर। रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में घर का अगला कप्तान बनने के लिए प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है। हालिया एपिसोड में, ऋति तिवारी, काजी तौकीर और उदिति सिंह के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी, जिसका असर अब तक सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहा है। अब कप्तानी टास्क को लेकर यंग डीएसए और काजी आपस में भिड़ गए हैं। इस दौरान काजी ने अपनी शर्ट उतार दी और गुस्से में यंग को हिंसा करने की चुनौती दे डाली।

कप्तानी टास्क ने फिर मचाया घर में बवाल : जियोहॉटस्टार ने 'बिग बॉस 20' का ताजा प्रोमो जारी किया है, जिसमें घरवालों को जोड़ियां बनाकर एक-दूसरे को गेंद पास करने के लिए कहा गया। प्रोमो के अनुसार, यंग मौके से गेंद को उठा लेते हैं और काजी उनसे उसे छीनने की कोशिश करते हैं। यंग कहते हैं कि उनके पैर में चोट लगी है। इसके बाद उनके बीच झगड़ा शुरू हो जाता है। काजी अपनी टी-शर्ट उतारकर उन्हें चुनौती देते हैं कि अगर हो सके तो मार के दिखाओ।

मैरी कॉम के हाथ लगी जीत की बाजी : खबरों के मुताबिक, बॉक्सिंग चैंपियन मैरी कॉम ने कप्तानी टास्क जीता है और वह घर की नई कैप्टन बन गई हैं। हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी इसकी पुष्टि नहीं की गई है। फिलहाल, बिग बॉस का घर इस वक्त 2 गुटों में बंटा हुआ दिख रहा है। एक तरफ यंग, आसिफ खान, स्काउट, आम्रपाली दुबे जैसे प्रतियोगियों का ग्रुप है। दूसरी ओर, वह प्रतियोगी हैं जो काजी और माही गिल के साथ नजर आ रहे हैं।

'क्योंकि सास...2' में गुजराती बहुओं ने मनाई छठ पूजा

मुंबई। टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' अपने दूसरे सीजन के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है। चूंकि शो गुजराती परिवार की कहानी पर आधारित है, इसलिए नवरात्रि जैसे त्योहारों और परंपराओं को शो में बखूबी पेश किया जाता रहा है। हालांकि, पहली बार शो के इतिहास में कुछ अलग देखने को मिलेगा।



दरअसल, आगामी एपिसोड में दर्शक 'वीरानी परिवार' की बहुओं को 'छठ पूजा' मनाते देखेंगे। इसकी एक झलक सोशल मीडिया पर देखने को मिली है। शो में 'नंदिनी' का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री गौरी प्रधान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें उन्हें सह-कलाकारों प्राची सिंह और रावी गुप्ता के साथ छठ का पर्व मनाते हुए दिखाया गया है। तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'मेरी पहली छठ पूजा।' 'तुलसी' का किरदार निभा रहीं स्मृति ईरानी भी इस त्योहार को पूरी श्रद्धा के साथ मनाती हुई नजर आईं।

भारत के सबसे अमीर अभिनेताओं में शाहरुख ने बिग बी को छोड़ा पीछे

मुंबई। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 की नई सूची जारी हो गई है, जिसमें देश के कई बेहद अमीर लोगों के साथ फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज सितारों के नाम भी शामिल हैं। इस सूची में बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता शाहरुख खान से लेकर सलमान खान तक ने अपनी जगह बनाई है। ऐसे में आइए जानते हैं, इस साल की सूची में शामिल भारत के सबसे अमीर अभिनेताओं और उनकी संपत्ति के बारे में।



शाहरुख खान : हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 के मुताबिक, शाहरुख की कुल संपत्ति करीब 10,000 करोड़ रुपये है। फिल्मों से मोटी फीस लेने के अलावा वह कई बड़े ब्रांड्स से भी जुड़े हैं। शाहरुख का अपना प्रोडक्शन हाउस है और वह आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक हैं। इसके अलावा वह किडजानिया के सह-मालिक भी हैं, जिसमें उनकी करीब 26 प्रतिशत हिस्सेदारी बताई जाती है।

अमिताभ बच्चन : इस सूची में अमिताभ बच्चन दूसरे स्थान पर हैं। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 के मुताबिक, उनकी कुल संपत्ति करीब 4,000 करोड़ रुपये है। खास बात यह है कि उनकी संपत्ति में पिछले साल के मुकाबले बढ़ोतरी हुई है। साल 2025 में उनकी अनुमानित संपत्ति लगभग 1,630 करोड़ रुपये थी। अमिताभ की कमाई का प्रमुख जरिया फिल्म, टीवी शो की मेजबानी, ब्रांड विज्ञापन, रियल एस्टेट और विभिन्न व्यावसायिक निवेश हैं।

सलमान खान : सलमान का नाम भी इस सूची में शामिल है। उनकी नेटवर्थ करीब 3,000 करोड़ रुपये बताई जाती है। फिल्मों से कमाई के अलावा सलमान ब्रांड एंडोर्समेंट और टीवी शो होस्टिंग से भी अच्छी कमाई करते हैं। वो 'बीइंग ह्यूमन' ब्रांड और चैरिटी भी कमाई करते है। इसके अलावा 'सलमान खान फिल्म्स' नाम का उनका अपना प्रोडक्शन हाउस है, जो उनकी कमाई का एक और मजबूत जरिया है।

मुश्ताक खान की यादगार भूमिका वाली फिल्में देखें ओटीटी पर...

मुंबई। बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता मुश्ताक खान का 24 सितंबर को 56 साल की उम्र में निधन हो गया। हिंदी फिल्मों और टेलीविजन में अपने अभिनय से पहचान बनाने वाले मुश्ताक ने कई फिल्मों में सहायक भूमिकाएं निभाईं। उनके कई किरदार आज भी दर्शकों को याद हैं। अभिनेता को श्रद्धांजलि देने के लिए आइए उनकी कुछ चर्चित फिल्मों पर नजर डालते हैं और जानते हैं कि इन फिल्मों को आप किस-किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं।



'हेरा फेरी' और 'गदरः एक प्रेम कथा': 'हेरा फेरी' बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कॉमेडी फिल्मों में से एक है, जिसमें मुश्ताक के साथ अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। 'गदरः एक प्रेम कथा' में मुश्ताक के साथ सनी देओल और अमीषा पटेल दिखाई दिए थे। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी इस पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म को आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

5 'स्त्री 2'

हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' में मुश्ताक ने नेता का किरदार निभाया था। अमर कौशिक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी दिखाई दिए थे। आप इसे प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

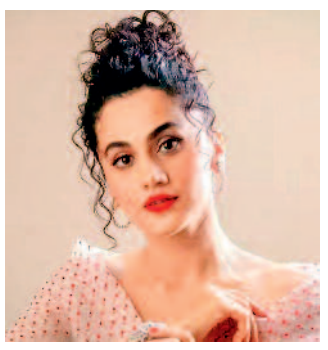
'वेलकम' और 'हम हैं राही प्यार के': फिल्म 'वेलकम' में मुश्ताक खान ने 'बालू' का किरदार निभाया था। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय, कैटरीना कैफ, नाना पाटेकर और अनिल कपूर ने काम किया था। इसे आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। 'हम हैं राही प्यार के' में आमिर खान और जूही चावला मुख्य भूमिकाओं में दिखाई दिए थे, जबकि मुश्ताक ने सहायक भूमिका निभाई थी। महेश भट्ट द्वारा निर्देशित इस फिल्म को आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

एक फिल्म से मुझे सिर्फ इसलिए निकाल दिया गया, क्योंकि...

***मुंबई।** फिल्मों में कलाकारों को बदले जाने की वजह अक्सर बजट या तारीखें होती हैं, लेकिन अभिनेत्री तापसी पन्नू ने बॉलीवुड का एक कड़वा सच उजागर किया है। तापसी ने खुलासा किया कि उन्हें एक फिल्म से सिर्फ इसलिए निकाल दिया गया, क्योंकि 'हीरो की पत्नी' उन्हें पसंद नहीं करती थी। बिना किसी गलती के सिर्फ किसी की निजी पसंद-नापसंद के कारण फिल्म गंवाने के इस अनुभव को उन्होंने अपने करियर का सबसे बेतुका और बुरा कारण बताया है।*

भगवान जाने क्या वजह थी

एक इंटरव्यू में तापसी बोलीं, मुझे बताया गया कि फिल्म के हीरो ने मुझे रिप्लेस करवाया है। भगवान जाने इसकी क्या वजह थी। मैं तो बस वजहों का अंदाजा ही लगाती रहती हूं। शायद कोई असुरक्षा की भावना रही हो या फिर वो अपनी किसी करीबी अभिनेत्री को फिल्म में लेना चाहते हों। मैं कई तरह के कारण सोच सकती हूं, लेकिन मुझे कोई साफ वजह नहीं बताई गई।



एक जैसे किरदारों से तंग आकर तापसी ठुकरा रहीं फिल्में

'हसीन दिलरुबा', 'थप्पड़' और 'डंकी' जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाली तापसी अब एक जैसे किरदारों में बंधना नहीं चाहतीं। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में ग्लैमरस और गंभीर भूमिकाओं के लिए कुछ खास अभिनेत्रियों को ही चुना जाता है। तापसी ने कहा कि कई बार वो निर्माताओं से कहती हैं कि अगर उन्हें फिल्म में लिया गया तो दर्शक कहानी का अंत पहले ही समझ जाएंगे। इसी वजह से वो खुद कई फिल्मों के प्रस्ताव ठुकरा चुकी हैं।

हीरो की पत्नी की वजह से गंवानी पड़ी फिल्म

तापसी ने आगे कहा, मुझसे बस इतना कहा गया कि हीरो मुझे फिल्म में नहीं चाहता, क्योंकि मैं बार-बार निकाले जाने का कारण पूछ रही थी। मुझे फिल्म से निकाले जाने का सबसे बेतुका कारण ये दिया गया था कि हीरो की पत्नी आपको पसंद नहीं करती। मुझे नहीं पता कि वो मुझे पसंद क्यों नहीं करती थीं। हालांकि, तापसी ने उस अभिनेता या उनकी पत्नी के नाम का खुलासा नहीं किया।



मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारा कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है, लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे की कार्रवाई है। मुंढे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। ऐसे में कहा जा सकता है कि आज देश में मुंढे जैसे अफसरों की खास जरूरत है। आज देश को नारे नहीं, शुद्ध पानी, साफ भोजन और भरोसेमंद दवा चाहिए। इसके लिए कानून पहले से हैं। कमी अमल की है। अगर प्रशासन में और अफसर स्वास्थ्य व स्वच्छता को फाइल नहीं, प्राथमिक कर्तव्य समझें, तो हीरो की जरूरत धीरे-धीरे कम होगी और सामान्य ईमानदारी आम बात बन जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के 2026 के नवीनतम विश्व स्तर के आकलन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है, जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका चारों के बीच संतुलन कायम किया जा सके। *मिलावटखोरी और इस पर रोक के मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

मिलावटखोरी रोकने की व्यवस्था में भ्रष्टाचार



विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ स्तंभकार

मुंढे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है।

विडंबना ही कहेंगे कि जिस मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारा कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है, लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे की कार्रवाई है। मुंढे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। उन्होंने खाद्य कानूनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। महाराष्ट्र एफडीए की टीमों ने शुरुआती 100 दिनों में ही 904 से ज्यादा छापे मारकर 450 से अधिक मिलावटखोरों को गिरफ्तार किया और करोड़ों के मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए। इस कार्रवाई से महाराष्ट्र में डिटर्जेंट और रसायनों से बने नकली दूध और ताड़ के तेल से बनने वाले 'एनालॉग पनीर' का रैकेट ध्वस्त हो गया है।

नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार है कि वे मिलावटखोरी रोकें।



प्रभावी नियंत्रण नहीं

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 से हर साल करीब एक लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर करीब आठ हजार से ज्यादा खाद्य व्यावसायिक लाइसेंस रद्द भी किए गए हैं। लेकिन देश में इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया जा सका है। रोक न लग पाने के पीछे मोटे तौर पर तीन कारण नजर आते हैं। पहला है, मुनाफाखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति, दूसरा नैतिकता का क्षरण और तीसरा कारण निश्चित तौर पर प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार है। विनोबा भावे ने करीब आठ दशक पहले लिखे अपने निबंध 'नवयुवकों से दो बातें' में कहा है कि देश में सुराख ही सुराख हैं। उन्होंने राष्ट्ररूपी घड़े में बने इन सुराखों को सदाचार से भरने की अपील की है। कुछ उसी तरह व्यवस्था में अब भी सुराख हैं। हमारे तंत्र के बड़े हिस्से से सदाचार और कर्तव्यपरायणता गायब है। वह राष्ट्र निर्माण के भाव से दूर है। इस वजह से वक्त पर कार्रवाई नहीं होती। वक्त पर गड़बड़ियों की जानकारी होने के बावजूद मुनाफाखोर से मिलने वाली चंद रकम के एवज में वह चुप रह जाता है। भले ही नकली दूध पीने से नागरिक बीमार हो रहा हो या नकली शराब से निर्दोष जान जा रही हो। नैतिकता का क्षरण भी मिलावटखोरी के लिए जिम्मेदार है। नैतिकता की कमी मुनाफाखोर कारोबारी और उत्पादक के साथ तंत्र में भी पैठी हुई है।

जीरो टॉलरेंस की नीति बने

सत्ता संभालते वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तंत्र को चेताया था कि सब चलता है-वाली मानसिकता की अब गुंजाइश नहीं रही। शुरू में इससे ग्रस्त लोगों में भय दिखा, लेकिन अब तंत्र का बड़ा हिस्सा उसी पुराने ढर्रे पर चलता दिखता है, इसलिए मुनाफाखोरों और मिलावटखोरों का डर कम हो चला है। स्वास्थ्य संविधान के समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए इस मामले में केंद्र के साथ राज्य सरकारों को भी कार्रवाई का अधिकार है। ऐसे में तंत्र को प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए केंद्र और राज्यों की सरकारों को जीरो टॉलरेंस की नीति अख्तियार करना जरूरी लगता है। तभी मुनाफाखोर, मिलावटखोर और लापरवाह प्रशासनिक तंत्र के पेंच कसे जा सकते हैं। पड़ोसी देश चीन का मिलावटखोरी रोकने वाला 'फूड सेफ्टी लॉ' दुनिया के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। जिसके तहत जानबूझकर खाद्य पदार्थों में खतरनाक मिलावट करने वालों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। चीन में साल 2008 में दूध में मेलामाइन रसायन मिलाने के चर्चित मामले के दोषियों को मौत की सजा दी गई थी। स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों को इस कानून के तहत आजीवन कारावास के साथ ही भारी आर्थिक जुर्माने का भी प्रावधान है।

कठोर कानून और नियमन की जरूरत

कानून के तहत ऐसे खाद्य पदार्थों, दवा या सौंदर्य प्रसाधन को 'मिलावटी' माना जाता है, जो तय मानकों को पूरा नहीं करते या जिसमें हानिकारक पदार्थ मिलाया गया हो। इस कानून के तहत गलत और भ्रामक लेबलिंग पर भी रोक का प्रावधान है। अमेरिका में एक और फूड सेफ्टी मॉडर्नाइजेशन एक्ट है, जिसका मकसद मिलावट और संक्रमण को निरोधात्मक कार्रवाई करना है। इन कानूनों के तहत अमेरिका में मिलावटी या दूषित खाद्य पदार्थ और दवाएं बेचना गंभीर अपराध है। इनका उल्लंघन करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों पर भारी जुर्माने, जेल की सजा और उत्पादों को तुरंत नष्ट करने या जब्त करने की व्यवस्था है। अमेरिका की तरह ब्रिटेन में भी खाद्य पदार्थों में मिलावट और धोखाधड़ी रोकने के लिए सख्त कानूनी व्यवस्था है। यहां के फूड सेफ्टी एक्ट के तहत स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भोजन बेचना या तैयार करना गंभीर अपराध है। खाद्य मानकों और मिलावट पर नजर रखने के लिए यहां फूड स्टैंडर्ड एजेंसी है। कुछ इसी अंदाज में हमारे यहां भी कठोर कानून और नियमन की जरूरत है। तभी मिलावटखोरी को रोका जा सकता है और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित माहौल मुहैया कराया जा सकता है।

कई देशों में कड़े कानून

चीन में खाद्य नियमों का उल्लंघन करने, घटिया या मानकरहित उत्पाद बेचने और सबूत नष्ट करने वाली कंपनियों और कारोबारियों पर वहां भारी-भरकम जुर्माना लगाया जाता है। साथ ही व्यवसाय का लाइसेंस रद्द भी किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खाद्य सुरक्षा और मिलावटखोरी पर रोक के लिए कड़े कानून हैं। फूड स्टैंडर्ड्स ऑस्ट्रेलिया एंड न्यूजीलैंड की जवाबदेही है कि वह दोनों देशों के खाद्य मानक तैयार करे। खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने और मिलावटखोरी रोकने के लिए राज्यों के साथ ही स्थानीय निकायों की भी जवाबदेही है। दोनों देशों में खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने, असुरक्षित या मिलावटी भोजन बेचने वाली कंपनियों और निगमों पर भारी जुर्माने का प्रावधान है। यहां जानबूझकर सार्वजनिक नुकसान या डर फैलाने के इरादे से खाद्य पदार्थों में मिलावट को गंभीर अपराध माना जाता है। ऐसे मामलों में 25 साल तक की जेल हो सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त और प्रभावी कानून है, जिसे लागू करने की जवाबदेही फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की है। अमेरिका में मिलावटखोरी पर लगाम के लिए संघीय फूड, ड्रग और कॉस्मेटिक एक्ट है, जो यहां का मुख्य और सबसे बड़ा कानून है।

स्ट्रीट फूड के लिए नए सिरे से नियमन की जरूरत



व्यवस्था

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया भर में स्ट्रीट फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों तक सड़क किनारे लगने वाले ठेले, रेहड़ी और छोटी दुकानों पर मिलने वाला भोजन आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। कम कीमत, आसानी से उपलब्धता और स्थानीय स्वाद इसकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। इसके साथ भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा का सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्ट्रीट फूड बेचने वाले लाखों छोटे कारोबारी अपनी आजीविका इसी व्यवसाय से चलाते हैं। इसलिए नियमन का उद्देश्य उन्हें परेशान करना या उनकी रोजी-रोटी छीनना नहीं होना चाहिए। जरूरत ऐसे व्यावहारिक नियमों की है, जिनसे कारोबार भी चलता रहे और लोगों को सुरक्षित एवं स्वच्छ भोजन भी मिल सके। सरकारों को स्ट्रीट फूड के लिए एक व्यापक और आधुनिक नियामक व्यवस्था पर विचार करना चाहिए। इसमें साफ पानी की उपलब्धता, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, खाना बनाने और परोसने की स्वच्छता, कचरा निस्तारण, हाथ धोने की व्यवस्था तथा इस्तेमाल होने वाले बर्तनों की सफाई जैसे मानकों को अनिवार्य किया जा सकता है। साथ ही खाद्य विक्रेताओं के लिए आसान पंजीकरण और नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था भी होनी चाहिए। किसी भी सरकारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार के कारण खाद्य सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए। स्ट्रीट फूड में इस्तेमाल होने वाले तेल, मसाले, दूध, पनीर, मांस, पानी और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच बेहद जरूरी है। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि खाद्य सामग्री किस स्रोत से खरीदी जा रही है, उसे किस तरह रखा जा रहा है और खाना तैयार करने वाले व्यक्ति स्वच्छता के निर्धारित मानकों का पालन कर रहे हैं या नहीं। कई बार खराब या दूषित खाद्य पदार्थ खाने से लोगों के बीमार पड़ने की खबरें सामने आती हैं। गंभीर मामलों में खाद्य विषाक्तता जानलेवा भी हो सकती है। ऐसे मामलों में केवल दुकान संचालक को दोषी ठहराने के बजाय यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि संबंधित इलाके में निगरानी और निरीक्षण की जिम्मेदारी किस विभाग की थी और क्या नियमित जांच वास्तव में की गई थी।स्ट्रीट फूड कारोबार को बंद करना इसका समाधान नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसके लिए स्पष्ट और व्यावहारिक नियमावली बनाई जाए। प्रत्येक दुकान या ठेले का पंजीकरण हो, खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया जाए, स्वच्छता के मानक तय हों और समय-समय पर खाद्य सामग्री के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जाए।इसके साथ ही स्थानीय निकाय, खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की जानी चाहिए। पुलिस का काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना है, जबकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच के लिए सक्षम खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की व्यवस्था होनी चाहिए। जहां अवैध वसूली या भ्रष्टाचार की शिकायत हो, वहां स्वतंत्र जांच और कार्रवाई की व्यवस्था भी होनी चाहिए। स्ट्रीट फूड लाखों लोगों की रोजमर्रा की जरूरत और रोजगार का माध्यम है, इसलिए इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। सवाल केवल यह नहीं है कि सड़क किनारे खाना कौन बेच रहा है। असली सवाल यह है कि जो खाना लाखों लोग खा रहे हैं, उसकी गुणवत्ता की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि अलग-अलग शहरों में स्ट्रीट फूड कारोबार के लिए नियम, निगरानी और उनके पालन की व्यवस्था एक जैसी नहीं है। स्थानीय निकायों, खाद्य सुरक्षा विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है। छोटे विक्रेताओं को केवल दंडित करने के बजाय पहले उन्हें प्रशिक्षण, बुनियादी सुविधाएं और स्पष्ट दिशानिर्देश उपलब्ध कराए जाने चाहिए। स्ट्रीट फूड को शहरों की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का हिस्सा मानते हुए इसके लिए निर्धारित वेंडिंग जोन विकसित किए जा सकते हैं। इन स्थानों पर स्वच्छ पानी, कूड़ेदान, जल निकासी और साफ-सफाई जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इससे विक्रेताओं और ग्राहकों दोनों को लाभ होगा तथा सड़कों पर अव्यवस्था भी कम हो सकती है। सरकारों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि खाद्य सुरक्षा के नाम पर बनाए गए नियम इतने जटिल न हों कि छोटे दुकानदार उनके पालन में ही असमर्थ हो जाएं। डिजिटल पंजीकरण, सरल लाइसेंस प्रक्रिया और कम लागत वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम इस दिशा में मददगार हो सकते हैं। स्ट्रीट फूड पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। इसके बजाय इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और स्वच्छ बनाना ज्यादा व्यावहारिक रास्ता है। बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है, इसलिए इसके नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है। आखिरकार सवाल सिर्फ सड़क किनारे बिकने वाले भोजन का नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य और लाखों छोटे कारोबारियों की आजीविका का है। इसलिए स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका चारों के बीच संतुलन कायम किया जा सके।

स्ट्रीट फूड पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है, इसलिए इसके नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है।

नकल की नहीं, संस्कृति की जरूरत



मंथन

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

महाराष्ट्र में जब कोई अफसर नियम तोड़ने वालों पर सख्ती करता है, तो लोग उसे अक्सर 'हीरो' कहने लगते हैं। तुकाराम हरिभाऊ मुंडे ऐसे ही अफसर हैं। बीड जिले के ताडसोना गांव के किसान परिवार में जन्मे मुंडे ने बिना कोचिंग के 2004 की सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय रैंक 20 हासिल की और 2005 बैच के महाराष्ट्र कैडर के आईएएस बने। करीब इक्कीस साल की सेवा में उनके पच्चीस के आसपास तबादले हुए। फिर भी वे बार-बार चर्चा में इसलिए आते हैं क्योंकि उन्होंने पानी, शहर प्रशासन, स्वास्थ्य और अब खाद्य सुरक्षा जैसे विषयों को कागजी फाइल से निकालकर मैदान में उतारा। सवाल यही है कि क्या देश को ऐसे प्रोएक्टिव अफसरों की और जरूरत है, जो स्वास्थ्य की शुद्धता और स्वच्छता को प्राथमिकता दें? मुंडे की पहचान सिर्फ तबादलों से नहीं बनती। सूखाग्रस्त मराठवाड़ा में पले-बढ़े होने के कारण पानी उनके काम का केंद्र रहा।

सोलापुर में जिलाधिकारी रहते हुए उन्होंने जलयुक्त शिवार योजना के तहत तेजी से जल संरक्षण कराया, टैंकर माफिया पर लगाम लगाई और सैकड़ों गांवों को टैंकर-मुक्त बनाने की कोशिश की। इसी काम के लिए उन्हें 'महाराष्ट्र का वाटरमैन' कहा गया। इस साल मई में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के आयुक्त बनने के बाद मुंडे की छवि और तेज हुई। विभाग ने राज्यभर में हजारों निरीक्षण किए। मिलावटी दूध, नकली या एनालॉग पनीर, गंदे रसोईघर, बिना लाइसेंस के कारोबार और असुरक्षित तेल-दवाओं पर छापे पड़े। कई होटलों के लाइसेंस निलंबित हुए, स्टॉक जब्त हुआ और सुधार नोटिस जारी किए गए। मुंडे का रुख साफ रहा कि जनस्वास्थ्य के मामले में हैसियत, नाम या पहुंच से समझौता नहीं होगा। बीबीसी और अन्य समाचार माध्यमों ने उन्हें सोशल मीडिया स्टार भी कहा, क्योंकि रसोईघरों की तस्वीरें और कार्रवाई की खबरें तेजी से फैलीं। साथ ही बंबई हाईकोर्ट ने एक मौके पर चेतावनी दी कि मच्छर मारने के लिए तलवार न चलाई जाए। यानी सख्ती जरूरी है, पर अनुपात और प्रक्रिया भी। यहीं से मूल प्रश्न उठता है। भारत में खाद्य मिलावट, नकली दवा, गंदे जल और कमजोर अस्पताल निरीक्षण नई समस्याएं नहीं हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, एफएसएसएआई) और राज्य के अन्न एवं औषधि प्रशासन के नियम हैं, स्वच्छ भारत और जल जीवन मिशन चलते हैं, फिर भी जमीनी अमल अक्सर ढीला रहता है। जब तक अफसर काम को सजा नहीं, सुरक्षा मिले। स्वास्थ्य की शुद्धता केवल रेस्तरां छापे नहीं है। यह दूध में यूरिया, मसालों में रंग, दवा में कम मात्रा और सरकारी अस्पताल की गंदगी भी है। स्वच्छता केवल सड़क की सफाई नहीं, रसोई, गोदाम, प्रयोगशाला और दवा फैक्ट्री की सफाई है। क्या पूरे देश को ऐसे अफसर चाहिए? हां, लेकिन नकल की नहीं, संस्कृति की जरूरत है। हर राज्य में अन्न एवं औषधि प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग में कुछ अधिकारी होने चाहिए जिन्हें पता हो कि उनकी सफलता फाइलों की मोटाई से नहीं, मिलावट और गंदगी में आई कमी से नापी जाएगी। साथ ही मीडिया और नागरिकों को भी समझना होगा कि एक अफसर के जाते ही अभियान न थम जाए। संस्था मजबूत हो तो मुंडे के बाद भी निरीक्षण चलते रहेंगे। देश को नारे नहीं, शुद्ध पानी, साफ भोजन और भरोसेमंद दवा चाहिए। इसके लिए कानून पहले से हैं। कमी अमल की है। अगर प्रशासन में और अफसर स्वास्थ्य व स्वच्छता को फाइल नहीं, प्राथमिक कर्तव्य समझें, तो हीरो की जरूरत धीरे-धीरे कम होगी और सामान्य ईमानदारी आम बात बन जाएगी। वही असली सफलता होगी।



देश को आज तुकाराम हरिभाऊ मुंडे जैसे अफसरों की जरूरत है। हर राज्य में अन्न एवं औषधि प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग में कुछ अधिकारी होने चाहिए, जिन्हें पता हो कि उनकी सफलता फाइलों की मोटाई से नहीं, मिलावट और गंदगी में आई कमी से नापी जाएगी।

खुद मैदान में नहीं उतरता, शिकायत पोर्टल और वार्षिक रिपोर्ट से डर नहीं बनता। मुंडे जैसे अधिकारी इसी अंतर को भरते हैं। वे इंतजार नहीं करते कि मामला अदालत या मीडिया तक पहुंचे। आम नागरिक को यह दिखता है कि सरकार सिर्फ बयान नहीं दे रही, काम भी कर रही है। इसीलिए वे 'सिंघम आईएएस' कहे जाते हैं।

अगर हर ईमानदार अफसर को छह-आठ महीने बाद हटा दिया जाए, तो संदेश यह जाता है कि नियम लागू करना जोखिम है, अनदेखी करना सुरक्षित। देश को ऐसे अफसर चाहिए, पर उससे ज्यादा ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें प्रोएक्टिव

थाली में पहुंचता जहर, बिगाड़ रहा सेहत!



सावधानी

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

हमारी थाली केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की पहली सीढ़ी है। दूध, दही, घी, तेल, मसाले, अनाज, फल-सब्जियां और मिठाइयां शरीर को पोषण देने के लिए हैं। लेकिन जब इन्हीं खाद्य पदार्थों में मिलावट, रासायनिक मिश्रण या हानिकारक तत्व पहुंच जाते हैं तो भोजन पोषण के बजाय स्वास्थ्य का शोषण करने लगता है। समस्या इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दूषित भोजन का असर कई बार तत्काल दिखाई देता है, जबकि कुछ रासायनिक पदार्थों का नुकसान हमें धीरे-धीरे पता चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के 2026 के नवीनतम विश्व स्तर के आकलन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। वर्ष 2021 के आंकड़ों के आधार पर अनुमान है कि दुनिया में हर साल करीब 86.6 करोड़ लोग दूषित भोजन खाने के बाद बीमार पड़ते हैं और 15.2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। पांच साल से कम उम्र के बच्चे दुनिया की आबादी का लगभग 9 प्रतिशत हैं, लेकिन असुरक्षित भोजन से होने वाली बीमारियों के स्वास्थ्य बोझ में उनका हिस्सा करीब 29 प्रतिशत है। वर्ष 2021 में ऐसे कारणों से करीब 1.43 लाख बच्चों की मौत का अनुमान है।

डब्लूएचओ के मुताबिक असुरक्षित भोजन 200 से अधिक बीमारियों का कारण बन सकता है। इसमें दस्त, उल्टी और फूड प्वाइजनिंग से लेकर कुछ गंभीर संक्रमण और कैंसर तक शामिल हैं। दूषित भोजन में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी और रासायनिक पदार्थ इसके प्रमुख कारण हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा को केवल मिलावट की समस्या मानना पर्याप्त नहीं है। भोजन के उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के हर चरण में इसकी सुरक्षा जरूरी है। डब्लूएचओ के नए आकलन का एक और चिंताजनक पहलू रासायनिक प्रदूषण के खतरों से जुड़ा है। 2021 में दूषित भोजन से हुई मौतों में करीब 73 प्रतिशत हिस्सेदारी रासायनिक खतरों की थी। इनमें अकार्बनिक आर्सेनिक और सीसा प्रमुख थे। लंबे समय तक ऐसे तत्वों के संपर्क में रहने से हृदय रोग और कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है। यहां यह समझना जरूरी है कि खाद्य में मिलावट या गड़बड़ी एक ही बात नहीं हैं। किसी खाद्य पदार्थ में जानबूझकर घटिया या अनधिकृत सामग्री की मिलावट हो सकती है, जबकि बैक्टीरिया, वायरस, भारी धातु, विषैले रसायन या खराब भंडारण के कारण भी भोजन दूषित हो सकता है। दोनों ही स्थितियां हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं। भारत में इस चुनौती से निपटने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई लगातार खाद्य पदार्थों की जांच करता है। वित्त वर्ष 2023-24 में देशभर में 4,39,108 प्रवर्तन नमूने लिए गए। हाल ही में एफएसएसएआई ने दूध से प्राप्त सामग्री के बजाय अन्य घटकों से बनाए गए पनीर पर बिक्री संबंधी प्रतिबंध का संसद में ड्राफ्ट संशोधन जारी किया है। मकसद, ऐसे उत्पादों को पनीर के नाम से बेचे जाने पर रोक लगाना है। फिलहाल यह ड्राफ्ट है, इसलिए इसे अंतिम नियम मानना जल्दबाजी होगी। पहले भी एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया है कि चीज एनालॉग को पनीर के रूप में बेचना खाद्य कानूनों का उल्लंघन है। असली समस्या उत्पाद की संरचना, गुणवत्ता, लेबलिंग और उसे किस नाम से उपभोक्ता को बेचा जा रहा है, इससे जुड़ी है। आज की खाद्य समस्या केवल मिलावट तक सीमित नहीं है। अत्यधिक चीनी, नमक, अस्वास्थ्यकर वसा और अत्यधिक प्रोसेस्ड भोजन भी स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाते हैं। सरकार को भी केवल त्योहारों के दौरान छापेमारी तक सीमित रहने के बजाय नियमित और वैज्ञानिक जांच व्यवस्था मजबूत करनी होगी। जांच प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ानी होगी, नमूनों की रिपोर्टिंग में तेजी लानी होगी और दोषी कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई जरूरी है। खेत से बाजार और हमारी थाली तक खानपान की हर चीजों की गुणवत्ता पर जिम्मेदारी तय करनी होगी। मिलावटखोरों पर कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच, पारदर्शी लेबलिंग और जागरूक उपभोक्ता-इन चारों के मेल से ही खाद्य सुरक्षा मजबूत हो सकती है और हमारा जीवन और स्वास्थ्य बच सकता है।



खेत से बाजार और हमारी थाली तक खानपान की हर चीजों की गुणवत्ता पर जिम्मेदारी तय करनी होगी। मिलावटखोरों पर कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच, पारदर्शी लेबलिंग और जागरूक उपभोक्ता-इन चारों के मेल से ही खाद्य सुरक्षा मजबूत हो सकती है और हमारा जीवन और स्वास्थ्य बच सकता है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 27 सितंबर 2026



विशेषः गांधी जयंती, 2 अक्टूबर

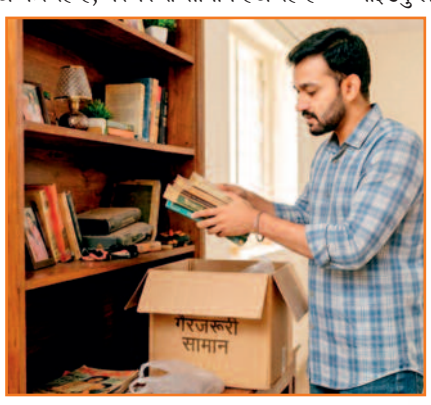
महात्मा गांधी ने सिखाई संतुलित जीवन की कला

भारत को स्वाधीनता दिलाने में तो गांधीजी की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी ही, साथ ही उन्होंने ऐसी जीवनशैली को अपनाया, जो आज भी हम सभी के लिए आदर्श बनी हुई है। यही वजह है कि भले ही हम नए-नए नामों और परिभाषाओं का प्रयोग कर रहे हों, लेकिन आज भी महात्मा गांधी द्वारा अपनाई गई जीवनशैली और उनके संदेश हमें सुकूनदायक जीवन जीने की दिशा दिखाती है।

{ कवर स्टोरी }
{ संध्या सिंह }

आजकल हर दूसरे, तीसरे इंस्टाग्राम रील में कोई न कोई 'डिजिटल डिटॉक्स चैलेंज' लेकर बैठा दिखाई देता है। कोई सात दिन फोन से दूर रहने का दावा करता है, तो कोई 'स्लो लिविंग' के नाम पर सुबह की चाय भी कैमरे के सामने धीरे-धीरे पीता नजर आता है। मिनिमलिज्म अब जीवनशैली का एक लोकप्रिय चलन है। इससे संबंधित किताबें मिल जाती हैं, यू-ट्यूब चैनल हैं और बाकायदा कोच भी हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि जिस जीवन-पद्धति को आज अकसर पश्चिमी दुनिया से आए नए चलन की तरह देखा जाता है, उसकी जड़ें हमारे अपने यहां बहुत पहले से मौजूद थीं। दशकों पहले महात्मा गांधी ने अपने जीवन के द्वारा इसकी मिसाल कायम कर दी थी।





खान-पान में आत्मानुशासन

इतिहास महात्मा गांधी को मुख्यतः एक राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में याद करता है, लेकिन उनका जीवन अपने आप में लगातार चलने वाला एक प्रयोग भी था। यह प्रयोग उनके शरीर, भोजन, पहनावे, काम करने के तरीके और रोजमर्रा की जरूरतों तक फैला हुआ था। गांधीजी का मानना था कि जिसे हम जरूरत समझते हैं, उसका एक बड़ा हिस्सा दरअसल, हमारी आदत, इच्छा या सुविधा होती है। इसलिए उन्होंने अपने जीवन में बार-बार यह परखने की कोशिश की कि कम से कम मैं भी जीवन को संतुलित और सार्थक कैसे रखा जा सकता है? उनका खान-पान इसी सोच का हिस्सा था। बकरी का दूध, फल, उबली सब्जियां और सादा भोजन उनके प्रयोगों में शामिल रहे। उन्होंने अलग-अलग समय पर नमक, घी और कई दूसरी चीजों को छोड़कर भी देखा। भोजन उनके लिए सिर्फ स्वाद या शरीर की जरूरत भर नहीं था। वह इसे आत्म-अनुशासन और आत्मनिरीक्षण से भी जोड़कर देखते थे।

आज हम 'इंटरमिटेंट फास्टिंग' या 'क्लीन ईटिंग' जैसे शब्दों के साथ अपने खान-पान की निगरानी करते हैं। गांधीजी के लिए उपवास का अर्थ इससे कहीं व्यापक था। वह इसे आत्मशुद्धि और आत्मसंयम का माध्यम मानते थे। उनके लिए सवाल सिर्फ यह नहीं था कि शरीर को क्या और कितना चाहिए बल्कि यह भी था कि इच्छाओं पर कितना नियंत्रण रखा जा सकता है।

कम चीजों में ज्यादा सुख

मिनिमलिज्म की बात करें तो गांधीजी का जीवन उसका सबसे स्पष्ट उदाहरण हमारे सामने प्रस्तुत करता है। उनके पास जरूरत की कुछ ही चीजें थीं। चश्मा, घड़ी, कुछ बर्तन, चरखा और खादी के कपड़े। उनकी यह जीवनशैली किसी अभाव के कारण नहीं थी बल्कि यह उनका एक सचेत चुनाव थी। वह लगातार इस बात पर जोर देते रहे कि जीवन को समृद्ध बनाने का एक रास्ता अपनी जरूरतों को बढ़ाना नहीं बल्कि उन्हें सीमित करना भी है। आज 'कम चीजें, कम उलझन' या 'लेस इज मोर' जैसी अवधारणाएं आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी हैं। लोग अपनी अलमारियां छोटी कर रहे हैं, गैरजरूरी सामान हटा रहे हैं और सीमित चीजों में व्यवस्थित जीवन तलाश रहे हैं। गांधीजी ने इस विचार को किसी ट्रेंड या बाजार की भाषा के बिना अपने जीवन में उतारा था।

दुनियादारी से दूरी से मिले सुकून

डिजिटल डिटॉक्स की बात करें तो गांधीजी का मौन-व्रत भी याद आता है। वह सप्ताह में एक दिन मौन रखते थे। उस दिन बातचीत से दूरी बनाकर वह लिखकर या संकेतों के जरिए अपना काम चलाते थे। यह सिर्फ बोलना बंद कर देना नहीं था। मौन उनके लिए आत्मचिंतन का अवसर था। आज हम लगातार बजती सूचनाओं, संदेशों और स्क्रीन से थोड़ी दूरी बनाने के लिए डिजिटल डिटॉक्स करते हैं। कुछ घंटों के लिए फोन बंद करते हैं और उम्मीद करते हैं कि दिमाग को थोड़ा सुकून मिलेगा। गांधीजी के समय में फोन या सोशल मीडिया नहीं हुआ करता था, लेकिन बाहरी शोर से दूरी और भीतर की आवाज सुनने की जरूरत तब भी उतनी ही थी।



धीमी जिंदगी का आनंद

'स्लो लिविंग' का एक दिलचस्प रूप गांधीजी के चरखे में भी दिखाई देता है। चरखा तेज गति और अधिक उत्पादन का प्रतीक नहीं था। उसमें धैर्य था, दोहराव था और एकाग्रता थी। गांधीजी नियमित रूप से चरखा चलाते थे। हाथ एक लय में चलते रहते और मन को ठहरने का अवसर मिलता। आज 'स्लो मॉर्निंग', 'माइंडफुलनेस' और 'माइंडफुल कुकिंग' जैसे शब्द प्रचलन में हैं। तेज रफ्तार जिंदगी से कुछ पल निकालकर धीरे चलने और किसी काम को पूरी एकाग्रता से करने की कोशिश हो रही है। चरखे की घर्र-घर्र में ऐसी ही एक लय भारतीय समाज में बहुत पहले से मौजूद थी।

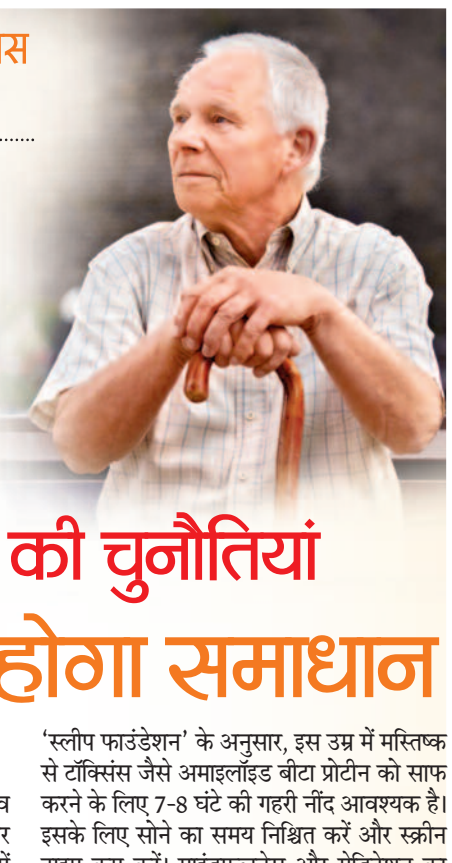
जीवन जीने का आदर्श तरीका

हालांकि गांधीजी की जीवनशैली को आज के वेलनेस ट्रेंड्स के साथ पूरी तरह जोड़ देना सही नहीं होगा। उनके लिए यह सिर्फ बेहतर स्वास्थ्य, मानसिक शांति या व्यक्तिगत उत्पादकता का साधन नहीं थी। उनके लिए इसका रिश्ता अहिंसा, स्वदेशी, आत्मसंयम और सामाजिक जिम्मेदारी से भी था। उनका भोजन उनके नैतिक विचारों से जुड़ा था और उनकी मितव्ययता उनके सामाजिक-राजनीतिक विचारों से। यही वह फर्क है, जिसे समझना जरूरी है। आज मिनिमलिज्म कई बार व्यक्तिगत सुविधा और बेहतर जीवन के फॉर्मूले के रूप में सामने आता है। गांधीजी की सोच का दायरा उससे कहीं बड़ा था। वह व्यक्ति से शुरू होकर समाज और अंततः आत्मा तक जाती थी।

फिर भी आज के इन तमाम चलनों में गांधीजी के जीवन की एक पुरानी छाया जरूर दिखाई देती है। फर्क बस इतना है कि आज हम अपनी आदतों को एप में दर्ज करते हैं, स्क्रीन टाइम नापते हैं, डिटॉक्स चैलेंज लेते हैं और मिनिमलिज्म पर किताबें पढ़ते हैं। गांधीजी ने इनमें से किसी चीज को नाम नहीं दिया। उन्होंने बस उन्हें जिया। शायद यही इस पूरी कहानी का सबसे दिलचस्प पहलू है। गांधीजी ने अपना उदाहरण प्रस्तुत कर ऐसी जीवनशैली अपनाई, जो आज भी हम सबके लिए आदर्श बनी हुई है। यही उनके व्यक्तित्व और जीवनशैली की विराटता है, जो उन्हें महापुरुष बनाती है। *

विशेषः अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस
1 अक्टूबर

बुजुर्गावस्था में लोगों को अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनके समाधान के लिए जीवंतता के साथ कुछ उपायों पर अमल करना कारगर हो सकता है।



ढलती उम्र की चुनौतियां जीवंतता से होगा समाधान

{ जीवनशैली / शिखर चंद जैन }

पचपन-साठ वर्ष की आयु पार करना मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील पड़ाव होता है। वृद्धावस्था में कदम बढ़ाते इस चरण में शारीरिक क्षमता में कमी, मानसिक और भावनात्मक उतार-चढ़ाव, आर्थिक अनिश्चितता तथा सामाजिक स्थितियों में बदलाव जैसी कई चुनौतियां एक साथ सामने आती हैं। इस दौरान शरीर और समाज दोनों के स्तर पर हमारी भूमिकाएं भी बदलती हैं। इस उम्र में शारीरिक सक्रियता भी पहले से कम होने लगती है। इन बदलावों के कारण व्यक्ति को एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, इन समस्याओं का समाधान संतुलित जीवनशैली और सकारात्मक उपायों से संभव है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और समाजशास्त्र के अनुसार, इस आयु वर्ग को 'सक्रिय वृद्धावस्था' की तैयारी के रूप में देखा जाना चाहिए।

शारीरिक समस्याएं-समाधानः इस उम्र के पुरुषों में एंड्रोजन और महिलाओं में मेनोपॉज के कारण एस्ट्रोजन का स्तर तेजी से गिरता है। इससे मेटाबॉलिज्म धीमा होता है और वजन बढ़ने के साथ मांसपेशियों का घटने और हड्डियों के कमजोर होने जैसी समस्याएं होती हैं। साथ ही क्रोनिक बीमारियां जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, जोड़ों का दर्द और हृदय संबंधी रोगों का जोखिम भी बढ़ता है।

'अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन' के अनुसार, सप्ताह में 2-3 बार हल्का वजन उठाना या बॉडीवेट एक्सरसाइज करने से हड्डियों का घनत्व बढ़ता है और मांसपेशियों का नुकसान रुकता है। भोजन में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन डी-3 की मात्रा बढ़ाएं। कार्बोहाइड्रेट कम करें और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर 'मेडिटेरेनियन डाइट' यानी साबुत अनाज, फल, सब्जियां अपनाएं। प्रतिवर्ष लिपिड प्रोफाइल, एचबीए1सी, बोन डेंसिटी टेस्ट और कैंसर स्क्रीनिंग अनिवार्य रूप से कराएं।

मानसिक समस्याएं-समाधानः इस उम्र में याददाश्त का कमजोर होना, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों जैसे अल्जाइमर या डिमेंशिया का जोखिम होता है। मस्तिष्क की प्लास्टिसिटी में कमी आने लगती है। नई तकनीक या बदलावों को सीखने में मानसिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है।

न्यूरो साइंस कहता है कि दिमाग को नई चुनौतियों में लगाने से नए न्यूरॉन्स बनते हैं। इसके लिए कोई नई भाषा सीखें, वाद्य यंत्र बजाएं या जटिल पहेलियां सुलझाएं। साथ ही रोज पर्याप्त क्वालिटी स्लीप लें। 'स्लीप फाउंडेशन' के अनुसार, इस उम्र में मस्तिष्क से टॉक्सिंस जैसे अमाइलॉइड बीटा प्रोटीन को साफ करने के लिए 7-8 घंटे की गहरी नींद आवश्यक है। इसके लिए सोने का समय निश्चित करें और स्क्रीन टाइम कम करें। माइंडफुलनेस और मेडिटेशन का अभ्यास भी जरूरी है।

भावनात्मक समस्याएं-समाधानः इस उम्र में अधिकांश लोग एंप्टी नेस्ट सिंड्रोम से जूझते हैं। घर खाली-खाली लगता है, उदासी घेर लेती है। कभी उपेक्षा महसूस होती है, कभी बच्चों की याद सताती है। इस स्थिति में उम्र बढ़ने का डर, मृत्यु की चिंता या अतीत के पछतावे के कारण डिप्रेशन और स्ट्रेस बढ़ने लगता है। ऐसी स्थिति में कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी एक प्रमाणित मनोवैज्ञानिक पद्धति है, जो नकारात्मक विचार चक्रों को तोड़ने में मदद करती है। समस्या ज्यादा हो तो किसी योग्य थेरेपिस्ट की मदद लें। डायरी या जर्नल लिखने की आदत डालें। पॉजिटिव साइकोलॉजी के अनुसार, रोज रात को तीन अच्छी बातें लिखने से डोपामाइन और सेरोटोनिन नामक हैप्पी हार्मोंस का स्तर बढ़ता है। इसके अलावा जापानी अवधारणा 'इकिगाई' अपना सकते हैं।



वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों के पास सुबह उठने का एक स्पष्ट उद्देश्य जैसे कोई हॉबी, बागवानी या समाज सेवा होता है, उनका जीवनकाल लंबा होता है और मन शांत रहता है।

सामाजिक समस्याएं-समाधानः हार्वर्ड के 85 साल लंबे चले एक अध्ययन ने साबित किया कि स्वस्थ और खुशहाल जीवन का सबसे बड़ा कारक अच्छे रिश्ते हैं, न कि पैसा या प्रसिद्धि। जबकि उम्र के इस दौर में व्यस्तता में कमी, अकसर शारीरिक कष्टों या अन्य कारणों से सहयोगियों, समकालीन मित्रों या प्रियजनों से न मिल पाने से सामाजिक दायरा सिकुड़ने लगता है। जेनरेशन गैप के कारण वे उपेक्षित महसूस करते हैं। बेहतर होगा कि आप स्थानीय क्लबों, सामाजिक संस्थाओं, एनजीओ या धार्मिक समूहों से जुड़ें। स्वैच्छिक सेवा करने से शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन रिलीज होता है, जो सामाजिक जुड़ाव बढ़ाता है। साथ ही आधुनिक सोशल मीडिया टूल्स, वीडियो कॉलिंग एप्स और ऑनलाइन कम्युनिटीज को सीखें ताकि दूर रहने वाले परिवार और दोस्तों से लगातार जुड़े रह सकें।

अंत नहीं दूसरी पारीः आपको समझना होगा कि ओल्डएज जीवन का अंत नहीं, बल्कि 'सेकेंड इनिंग' है। इस चरण में आने वाली समस्याओं से डरने के बजाय अनुशासित, जागरूक दृष्टिकोण अपनाएं। *

(जनरल फिजीशियन डॉ. एल. सी. राठी, मनोविज्ञानी डॉ. आंचल मुरारका, डाइटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)



{ कविता }
{ हेमधर शर्मा }

मृग-मरीचिका

क्यों अक्सर ऐसा होता है
जो पास हमारे होता है
वह उतना खास नहीं लगता
जितना महसूस चले
जाने पर होता है!
जब नहीं अधिक सुविधाएं थीं
तो कष्ट-असुविधा भरी
जिंदगी लगती थी
पर सुविधा बढ़ जाने पर भी
क्यों समय सुहाना
वही पुराना लगता है!
कट जाए उम्र सुख-सुविधा में
हम यही कामना करते हैं
संघर्षहीन जीवन का फिर क्यों
अंत निरर्थक लगता है!

{ व्यंग्य / मुकेश असीमित }

सबसे आगे रहने का जुनून

एंबुलेंस सायरन बजाती हुई निकले तो बाइक-वीर इसे रास्ता देने का संकेत नहीं, दौड़ की चुनौती समझता है। वह घायल से पहले अस्पताल पहुंचना चाहता है।



हाल में एक स्मार्टफोन का नया वर्जन लॉन्च होने पर देश-विदेश में लोगों की लंबी लाइनें देखने को मिलीं। सबसे पहले पाने का जुनून देखने का काबिल था। सब कुछ सबसे पहले पाने के लिए कुछ भी कर गुजरने का गुण हम जन्मजात लेकर आते हैं। हमें सबसे पहले पहुंचना, पाना, बताना, बांटना और लूटना भी है। सड़क पर हमारी प्रतिभा दिखाई देती है। एंबुलेंस सायरन बजाती हुई निकले तो बाइक-वीर इसे रास्ता देने का संकेत नहीं, दौड़ की चुनौती समझता है। वह घायल से पहले अस्पताल पहुंचना चाहता है। संभव हुआ तो उससे पहले यमलोक भी। लाल बत्ती उसके लिए आदेश नहीं, बुद्धि-परीक्षण है, देखें ट्रैफिक पुलिस और नियमों के बीच से कैसे निकला जा सकता है? ट्रैफिक जाम में उसका हाथ एक्सीलेरेटर पर वैसा फड़कता है, जैसे चेतक की लगाम पर महाराणा प्रताप का। हॉर्न उसका रणघोष है। सामने जगह न हो, वह हॉर्न से जगह पैदा करने में विश्वास रखता है। चिंता रहती है, दूसरे लोग अगली सदी में कहीं उससे पहले न पहुंच जाएं।

कार-वीर भी पीछे नहीं रहते। गति बढ़ाकर वह आगे निकलने को तत्पर रहते हैं। सामने वाला रास्ता न दे तो शीशा, बोनट और फुटपाथ, सभी वैकल्पिक मार्ग हैं। मंजिल कहां है, यह गौण है, बस 'कोई उससे आगे नहीं निकल जाए' यही उसका ध्येय होता है।

जहां कुछ मुफ्त बंट रहा हो, वहां हमारी गति अलौकिक हो जाती है। लंगर, प्रसाद, रेवड़ी, ज्ञान, तमाशा या झगड़ा, हम प्रथम पंक्ति में मिलेंगे। मुफ्त में जहर बंट रहा हो तो भी चिंता जहर की नहीं होगी। डर यह रहेगा कि हमारे पहुंचने से पहले समाप्त न हो जाए।

अपने ओपीडी में भी मैं इस सामाजिक चरित्र का क्लिनिकल परीक्षण करता रहता हूं। दो महीने पुराना फ्रैक्चर, पहले दिखाने के चक्कर में, अभी-अभी टूटा बताया जाता है। कोई नेताजी का फोन लगवाता है, कोई डॉक्टर का भाई, भतीजा या रिश्तेदार बन जाता है। बीमारी प्रतीक्षा कर सकती है, नंबर नहीं।

एक दिन वेटिंग रूम में एक मरीज बैठा था। रिसेप्शनिस्ट ने कहा, 'आप अकेले हैं, दिखा लीजिए।' वह बोला, 'थोड़ी देर और बैठता हूं। जब तक दूसरा मरीज आएगा नहीं, प्रमाणित कैसे होगा कि डॉक्टर को सबसे पहले मैंने दिखाया? विजय के लिए प्रतिद्वंद्वी भी तो चाहिए।'

रेलवे प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकने से पहले हमारा उतरना और चढ़ना शुरू हो जाता है। भीतर वाला बाहर आने को बेचैन, बाहर वाला भीतर जाने को आतुर, दरवाजे पर दोनों पहले मैं-पहले मैं की 'तू-तू मैं-मैं' में भिड़ते हैं। कभी जेब कटती है, कभी कुर्ता फटता है, कभी सामान छूटता है और कभी बच्चा।

हवाई यात्रा में भी हम बोर्डिंग से घंटा भर पहले पंक्ति बना लेते हैं, मानो विमान हमारे बिना चोरी से उड़ जाएगा। उतरते समय सीट-बेल्ट का संकेत बंद होते ही पूरा केबिन खड़ा हो जाता है। फिर गर्दन झुकाकर दस मिनट खड़े रहना मंजूर है, क्योंकि बैठे रह गए तो एयरहोस्टेस को 'बाय-बाय' किसी और को पहले मिल जाएगी। टिकट का पूरा मूल्य इसी विदाई में वसूलना है।

बैंक, राशन, वॉशरूम, आरक्षण-खिड़की और मंदिर, हर जगह हमारी आत्मा कतार से आगे विचरण करती है। मंदिर में भगवान सर्वव्यापी हो सकते हैं, लेकिन दर्शन तभी सफल है, जब बैरिकेड लांघकर दूसरों से पहले किए जाएं।

यहां तक कि शवयात्रा में भी कुछ लोग अर्थी से आगे निकलने को बेचैन दिखते हैं। मृतक बोल पाता तो शायद उठकर कहता, 'भाई, तुझे इतनी जल्दी है तो तू ही यहां लेट जा, मैं अगली बारी देख लूंगा।' संभव है सज्जन अग्रिम बुकिंग, लकड़ियों पर छूट या मोक्ष में शुरुआती नंबर की संभावना तलाश रहे हों।

दरअसल, दूसरे नंबर पर आते ही हमें हारने का अहसास होने लगता है। *

विज्ञापन...
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
नोट : वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार ग्वालियर में हो रहा है इस तकनीक के असाधारण लाभ-



केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।
जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।
इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।
सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के बाद पैरालिसिस,पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एंव बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लाट फैलियर जैसे कॉम्पिलकेशन इसमें नही है।
किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल
किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।
कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।
इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है।
इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।
क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।
NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466

तरकश

संजय के. दीक्षित

पितृ पक्ष में...या देवी सर्व भूतेषु

पितृ पक्ष में छत्तीसगढ़ के मंत्री अगर दुर्गा सप्तशती का पाठ करने लगे, तो समझा जा सकता है, उनकी मनोदशा कैसी होगी। दरअसल, बीजेपी ने 24 घंटे के भीतर डबल सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए संगठन महामंत्री, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री को बदलते हुए प्रदेश प्रभारी भी नया पोस्ट कर दिया। वो भी स्मृति ईरानी जैसी। ऐसे में, पित्तरों की पूजा कौन करें...मंत्रीगण नवरात्रि से पहले ही...या देवी सर्व भूतेषु...का पाठ शुरू कर दिए हैं। दरअसल, ढाई साल तक बेलगाम रहे अधिकांश मंत्री अब बड़े सहमे हुए हैं...आखिर, अगला नंबर उन्हीं का आने वाला है। वो तो भला हुआ...पितृ पक्ष आ गया, वरना किसी भी दिन राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जा सकता था। बहरहाल, जिस तरह से बीजेपी हाईकमान ने तेवर दिखाया है, उससे कोई आश्चर्य नहीं कि मंत्रियों में आधे-से-अधिक चेहरे बदल जाएं। अत्यधिक संभावना है, बीजेपी अब दिवाली का वेट ना करें। सियासी पंडितों भी मानते हैं...बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ को लेकर जिस तरह की गंभीरता दिखाई है, दिवाली से पहले मंत्रियों से इस्तीफा मांग लिया जाए तो हैरत नहीं। जाहिर है, मंत्रिमंडल के पुनर्गठन मेढ़ो-से-तीन पुराने मंत्रियों को मौका मिल सकता है। लास्ट दिसंबर में बस्तर के एक सामान्य वर्ग के नेता का नाम मंत्री बनने के लिए बड़े जोर से चला था। मगर बदले राजनीतिक समीकरण में अब अमर अग्रवाल, अजय चंद्राकर और राजेश मूणत जैसे पूर्व मंत्रियों में से कुछ के भाग्य बदल जाए, तो ताज्जुब नहीं। अमर तो दिसंबर 2025 में ही शपथ ले लिए होते, मगर किन्हीं अदृश्य हाथों ने बस्तरिया नेता का नाम आगे बढ़ा अमर के रास्ते में दीवार खड़ा कर दिया था। ऐसा इसलिए हुआ कि उस दौर में यस मैन चाहिए था। बहरहाल, चर्चाएं ये भी है कि अगर सामूहिक इस्तीफा हुआ तो फिर डिप्टी सीएम का कंसेप्ट खतम हो जाएगा। क्योंकि, हाई कमान अब राज्यों में सिंगल पावर सेंटर पर जोर दे रहा। और अगर चार-पांच मंत्रियों के इस्तीफे लिए गए तो फिर डिप्टी सीएम कंटीन्यू करते रहेंगे। कुल मिलाकर आधे-से-अधिक मंत्री दिवाली ठीक से मना पाएंगे...इस पर संशय है।

सवाल करोड़ों का

बीजेपी के संगठन में स्ट्राइक के बाद जाहिर है, सूबे में मंत्रियों की पूछपरख प्रभावित होगी! क्योंकि, भाजपा हाईकमान के रुख देखकर लोग अब मान बैठे हैं कि मंत्रिमंडल में सर्जरी अब किसी भी वक्त हो सकता है। यही वजह है खासकर ठेकेदार, सप्लायर अब थोड़ा डिस्टेंस मेंटेन करने लगे हैं। आज ही एक ठेकेदार को एक मिनिस्टर से मिलना था, बताते हैं, उसने बेंगलुरु जाने का बहाना बनाकर आगे का टाईम मांग लिया। उधर, दिवाली से पहले मंत्रिमंडल में सर्जरी हो गई तो सरकारी मुलाजिमों के करोड़ों रुपए डूब जाएंगे। क्योंकि, आजकल हंड्रेड परसेंट एडवांस का जमाना चल रहा, और मनचाही पोस्टिंग के लिए बड़ी संख्या में पेमेंट हो चुके है। असल में, मंत्रिमंडल में सर्जरी के साथ व्यापक तौर पर विभाग भी बदलेंगे। अब स्मृति ईरानी और कर्मवीर सिंह मिलकर विभाग तय करेंगे और दिल्ली उस पर मुहर लगाएगा। ऐसे में, आश्चर्य नहीं कि मलाईदार विभाग वाले मंत्रियों के पास छोटे विभाग आ जाए और काबिल मंत्रियों के पास बड़े विभाग। तो कामों के लिए जो करोड़ों रुपए एडवांस हैं, वे तो डूबेंगे ही।

मोदी की च्वाइस?

2023 के विधानसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ में नौ सभाएं की थी...एक तरह से उन्होंने छत्तीसगढ़ को मथ दिया था। तब जाकर बीजेपी की सरकार बन पाई। वरना, बीजेपी नेता भूपेश बघेल के सामने इलेक्शन से पहले ही बैकफुट पर आ गए थे। खैर, पिछले ढाई बरसों से केंद्रीय खुफिया एजेंसियां जिस तरह से लगातार रिपोर्टिंग कर रही थी, पीएमओ यहां की स्थितियों से नावाकिफ नहीं था। उधर, पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन के पास सारे मंत्रियों की रिपोर्ट्स पहुंच ही रहे थे। दिल्ली के सूत्र बताते हैं कि स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाने में पीएम मोदी की हरी झंडी रही। छत्तीसगढ़ पीएम मोदी की प्रायरिटी में तो है ही, जेन जी आंदोलन के बाद मोदी अधिकांश चीजों को अब खुद वॉच कर रहे हैं। अहम मामलों की बैठकें अब वे स्वयं ले रहे। कुछ रोज पहले हुई मीटिंग में अधिकारी प्रोजेक्टर पर जब हर पेज में मोदी की फोटो और उनका गुणगान दिखा रहे थे, तो उन्होंने टोक दिया...फोटो-होर्डिंग्स पर ज्यादा फोकस मत कीजिए, जनता इसे पसंद नहीं करती...जनता को काम चाहिए। कुल मिलाकर लब्बोलुआब यह है कि मोदी की च्वाइस से अगर स्मृति ईरानी छत्तीसगढ़ आई है तो फिर वे क्या करेंगी, समझा जा सकता है।

रोचक मुकाबला

छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद 2001 से 2003 तक की राजनीति बड़ी दिलचस्प थी। मुख्यमंत्री अजीत जोगी और विद्याचरण शुक्ल सरीखे राजनीतिक योद्धा तो थे ही, तो मूंछो पर ताव देने और शेरो-शायरी से महफिल लूटने वाले दिलीप सिंह जूदेव भी रहे। लिहाजा, मीडिया को ब्रेकिंग और फ्रंट पेज की लीड की चिंता नहीं रहती थी। मगर उसके बाद के बरसों में सूबे में वैसी राजनीतिक गरमाहट रही नहीं। रमन सिंह 15 साल सीएम रहे, मगर विपक्ष खतम जैसा रहा। भूपेश बघेल जब मुख्यमंत्री बने तो रमन सिंह के अलावा बीजेपी के सारे पूर्व मंत्री, नेता शुतुरमुर्ग जैसी स्थिति में पहुंच गए थे...और आज जब भूपेश पूर्व हो गए हैं तब भी स्थिति ज्यादा बदली नहीं है। मगर अब स्मृति ईरानी के प्रदेश प्रभारी बनने से ऐसा प्रतीत होता है कि अब मुकाबला दिलचस्प और बराबरी का रहेगा। इधर स्मृति, उधर भूपेश। किसी भी मसले पर बोलने और प्रहार करने में दोनों का कोई जोर नहीं। स्मृति ईरानी तो वैसे भी प्रखर वक्ता हैं। उनकी जब नियुक्ति हुई तो भूपेश बघेल का बयान आया था, वो घायल शेरनी...। हालांकि, बीजेपी वालों का कहना है...घायल शेरनी ज्यादा आक्रमक हो जाती है। बहरहाल, ये तो तय है...मीडिया को अब राजनीतिक खबरें खुब मिलेंगी।

24 घंटे में परसेप्शन बदला

बीजेपी नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ में ऐसा सर्जिकल स्ट्राइक किया कि 24 घंटे में परसेप्शन की रेटिंग अचानक लो से हाई हो गई। उससे पहले खुद बीजेपी के लोग मान रहे थे कि 2028 का विधानसभा चुनाव आसान नहीं होगा। मगर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को प्रदेश प्रभारी बनाने के बाद परसेप्शन में हैरान करने वाला चेंज आया है। आम आदमी भी अब मान रहा कि बीजेपी जिस मोड में आई है, उससे काफी चीजें बदलेंगी और ओपोजिशन के लिए अब एकतरफा जैसे परसेप्शन नहीं रहेंगे।

आईएएस की एक लिस्ट

प्रशासनिक गलियारों में आईएएस अधिकारियों की एक छोटी लिस्ट निकलने की चर्चाएं बड़ी तेज हैं। हालांकि, कहां-कहां, किस-किस जगहों पर बदलाव होगा...लिस्ट में कितने अफसर शामिल होंगे, ये अंदर की बात है। मगर सब कुछ ठीक रहा तो एक लिस्ट अवश्य आ सकती है।

कलेक्टर, एसपी से हारा हाईकोर्ट?

यूपी के बलरामपुर में डीजे की तेज आवाज से स्कूल में एक सात साल की बच्ची का मौत हो गई तो छत्तीसगढ़ में...अंबिकापुर में डीजे की तेज आवाज से अस्पताल में भर्ती एक प्रसूता की तबियत इतनी बिगड़ गई कि डॉक्टरों को उसका बीपी नार्मल करने में चार-पांच घंटे लग गए। छत्तीसगढ़ में इससे पहले डीजे से हर्ट अटैक की घटनाएं भी हो चुकी हैं। बिलासपुर हाई कोर्ट में करीब पांच-सात साल से केस चल रहा है। हाई कोर्ट ने 2022 में दो टूक कह दिया था कि डीजे अगर बजा तो जिले के कलेक्टर, एसपी जिम्मेदार होंगे। कोर्ट ने तत्कालीन चीफ सिकेट्री अमिताभ जैन से इस पर हलफनामा भी मांगा था। मगर बात आई-गई, चली गई। कोर्ट में जब भी पेशी का वक्त आता है, गृह विभाग खानापूर्ति के लिए रिव्यू बैठक करता है और कोर्ट में बताता है...सरकार जल्द ही कोलाहल कंट्रोल अधिनियम लाने जा रही है। मगर चार साल से अधिक वक्त गुजर गया, कोलाहल अधिनियम किधर है, किसी को पता नहीं। कलेक्टर, एसपी को अपनी कुर्सी सुरक्षित रखनी है, इसलिए किसी को कार्डियक अरेस्ट हो जाए, या फिर मौत...इससे उन्हें क्या वास्ता। उधर, पिछली सरकार में एक मंत्री जी को डीजे वालों की रोजी रोटी की चिंता सताती थी, तो इस सरकार में एक मंत्री जी ने बयान दिया...बिना डीजे का गणेश विसर्जन कैसे होगा? अब जब सिस्टम ही नहीं चाहता कि डीजे बंद हो तो हाई कोर्ट क्या कर सकता है।

मंत्री जी, गरीबों को कैंसर क्यों?

एक समय था, जब कैंसर जैसी घातक बीमारी मीडिल या अपर मीडिल क्लास वालों को ज्यादा होती थी। मगर छत्तीसगढ़ के कैंसर अस्पतालों के ओपीडी और वार्डों का सीन देखेंगे तो आप हिल जाएंगे। उसके बाद आपको समझ में आएगा कि रायपुर जैसी बी क्लास की सिटी में महीने भर के भीतर दो-दो कारपोरेट कैंसर अस्पताल कैसे खुल गए। बता दें, रायपुर में एक दशक पहले तक कैंसर का एक भी प्रायवेट हॉस्पिटल नहीं था, इस समय छह अस्पताल सिर्फ कैंसर के हैं। इस स्तंभकार को रायपुर के एक जाने-माने अंकोलॉजिस्ट ने बताया, वो चौंकाने वाला था...छत्तीसगढ़ में 85 परसेंट से अधिक कैंसर गरीबों को हो रहे। उसमें भी आधे से अधिक मुंह, गले या फेफड़े का कैंसर। इसकी वजह है, पाउच-गुटखा बनाने वाली कंपनियां धड़ल्ले से उसमें जहरीला मैगनेशियम कार्बोनेट मिला रही। मैगनेशियम कार्बोनेट इसलिए मिलाया जाता है कि गुटखा की लाइफ बढ़े, आपस में चिपके मत और गले में ठंडक महसूस हो। अब इसमें आगे की खबर यह है कि इन गुटखा कंपनियां की जांच और सेंपल लेने का काम जिस ड्रग विभाग के पास है, पिछले तीन साल से किसी का भी सेंपल नहीं लिया है। ड्रग विभाग के पास सेंपल लेने वाले 63 अधिकारियों का अमला है, मगर उन्हें सख्त हिदायत है कि गुटखा कंपनियों तरफ झांकना नहीं है। पिछले तरकश में इसका जिक्र करने पर पता चला है, दो दिन पहले एकाध छोटी कंपनियों पर दबिश दी गई है। बहरहाल, हेल्थ मिनिस्टर और हेल्थ सिकेट्री को इसकी जांच करानी चाहिए कि गरीबों को ही कैंसर क्यों? और फिर ड्रूरग विभाग भी इन्हीं के अंदर आता है। अगर पान मसालों पर जहरीला पदार्थ मिलाने से मंत्री और सिकेट्री रोक देंगे तो छत्तीसगढ़ की गरीब जनता का उन्हें बड़ा पुण्य मिलेगा।



घाटे का फेडरेशन

लघु वनोपज संघ कभी साल का 500 करोड़ से अधिक नफे में रहता था। इलेक्शन के दौरान आदिवासी इलाकों में चरण पादुका से लेकर साड़ी, कंबल आदि चीजें ऑफिसियल बांटे जाते थे, इस नाम पर कि जंगलों में वास करने वालों को सहूलियतें मुहैया कराई जा सकें। मगर वोट बैंक की राजनीति का नतीजा यह हुआ कि पिछले एक दशक में सरकार का अर्निंग वाला लघु वनोपज संघ अब घाटे में आ गया है। सरकार को पैसे देने वाले इस संघ को उल्टे 200 करोड़ देने पड़े हैं। ये स्थिति इसलिए आई कि तेंदूपत्ता संग्रहण का रेट 4 हजार से बढ़ते-बढ़ते 5500 प्रति बोरे तक पहुंच गया। जबकि, वह बिकता काफी कम में है। जानकारों का कहना है, करीब 50 परसेंट से अधिक तेंदूपत्ते की क्वालिटी इतनी खराब होती है कि पांच सौ-छह सौ में बिकता है। यानी 5500 रुपए पेंमेंट कर 600 में बेचना, तो ये करोड़ों रुपए मुनाफे वाले फेडरेशन को घाटे में आना ही था।

ठाकुर लॉबी

ऐसी चर्चा है कि क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के लिए सौदान सिंह का नाम भी चला था। मगर वो हुआ नहीं। ऐसा भी हो सकता है, वे दोबारा छत्तीसगढ़ आना नहीं चाहते होंगे। इसलिए शिवप्रकाश को छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी दी गई। अलबत्ता, संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह छत्तीसगढ़ आ रहे, वे यूपी के ठाकुर हैं। कर्मवीर सिंह भले ही जात-पात में विश्वास नहीं रहते होंगे, मगर उनके नाम से बीजेपी की ठाकुर लॉबी गदगद है।

पीएससी फेल आईएएस पर भारी

पिछले तरकश में सिस्टम में प्रायवेट कंसलटेंट की दखलंदाजी का जिक्र किया गया था। उसके बाद कई आईएएस लोगों को बता रहे...ये चार-पांच लाख वेतन पाने वाला बंदा नहीं होता तो प्रोजेक्ट का काम नहीं होता। दिलचस्प यह है कि उनमें से जो कोट-टाई बांध कर कंसलटेंट बने घूम रहे, वे यूपीएससी तो छोड़िये, पीएससी नहीं निकाल सके। मगर अफसरों को कुतर्क कर कंसलटेंसी से काम कराना है तो क्या ही कहा जा सकता है। अब ये नौकरशाह कंसलटेंट की हिमायत क्यों कर रहे, उसके पीछे भी मजेदार खेल है। कंसलटेंट कंपनियां जिनकी तनख्वाह चार-से-पांच लाख रुपए बताती है, उसमें से मुश्किल से उन्हें एकाध लाख मिलता है, बाकी पैसा कैश में कंपनियों को वापिस हो जाता है। फिर कितने अधिकारी और कर्मचारी काम कर रहे, उनकी संख्या में भी बड़ा गोलमाल होता है। इस कंसलटेंसी के खेल में अफसरों को मोटी रकम एकमुश्त मिल जाती है। बिना किसी जोखिम के। हालांकि, हाउसिंग बोर्ड के एमडी अवनीश शरण ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्लेसमेंट एजेंसी को निरस्त कर दिया, उसकी सिक्यूरिटी मनी भी जब्त कर ली। जांच में पता चला कि प्लेसमेंट एजेंसी मुलाजिमों को पूरे पैसे नहीं दे रही थी। और जो जमा राशि थी, उसे भी लटका रखी थी। चीफ सिकेट्री को कंसलटेंट की उपयोगिता पर एक रिव्यू करना चाहिए, क्योंकि जो काम सरकारी सिस्टम में बैठे लोग कर सकते हैं, उसके लिए करोड़ों रुपए पानी की तरह बहाया जा रहा। जो काम 50 से 75 हजार के आदमी से कराया जा सकता, उसके लिए चार-चार, पांच-पांच लाख फेंके जा रहे। और इनमें से अधिकांश बड़े अफसरों के नाते-रिश्तेदार होते हैं। कोई भी विभाग इस खेल से अछूता नहीं है।

हफ्ते का कोट

'सफलता वह नहीं है...जब दुनिया आपकी प्रशंसा करें। सफलता तब है...जब वर्षों के संघर्ष के बाद भी, आपके भीतर का मनुष्य जीवित रहे, क्योंकि शिखर तक पहुंचना कठिन है, पर वहां पहुंचकर स्वयं को बचाए रखना, उससे भी कठिन।'

अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या स्मृति ईरानी और कर्मवीर सिंह के आने के बाद मंत्रियों द्वारा डंके की चोट पर पोस्टिंग के लिए बोली लगाई जाती है, उस पर रोक लगेगी?
2. पार्टी को चंदा देने की आड़ में किन-किन मंत्रियों ने मंत्री पद की गरिमा को ताक पर रख आरगेनाइज लूट मचा दी है?

राष्ट्रीय पार्टी का पदाधिकारी बनाने का देकर ठग लिए 83 लाख रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

राष्ट्रीय पार्टी का पदाधिकारी बनाने का झांसा देकर एक युवक से 82 लाख 63 हजार रुपए की ठगी कर ली गई। पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर युवती को मनेन्द्रगढ़ से गिरफ्तार कर लिया है।

ठगी करने वाली युवती मनेंद्रगढ़ से गिरफ्तार

सरकण्डा पुलिस के अनुसार, सरकण्डा निवासी चेतन आनंद दुबे पिता स्व. राम नारायण दुबे ने रिपोर्ट लिखाई। वे एक फर्म में निजी सलाहकार के रूप में काम कर रहे थे। वर्तमान में वे बेरोजगार हैं। पिछले साल उनका निखत परवीन शाबरी खोंगापानी मनेन्द्रगढ़ चिरमरी भरतपुर निवासी से फेसबुक के माध्यम से संपर्क हुआ। दोनों बीच बातचीत होने लगी। उसने श्री दुबे को बताया कि वह एक राष्ट्रीय पार्टी की कार्यकर्ता है, उसका संपर्क केंद्र एवं राज्य के बड़े नेताओं से है। कोई भी काम पड़ेगा तो वह आसानी से काम करा देगी। श्री दुबे का गतौरी में जमीन विवाद चल रहा था, पटवारी व राजस्व निरीक्षक उन्हें तंग कर रहे थे। निखत परवीन शाबरी ने आसानी से उनका यह काम करा दिया, जिससे श्री दुबे को उस पर विश्वास हो गया। इसके बाद निखत परवीन ने कहा आप तो बहुत पढ़े लिखे हो पार्टी ज्वाइन क्यों नहीं कर लेते, उसने कहा वह राष्ट्रीय पार्टी में पद दिलवा सकती है, पर इसके लिए पार्टी फंड में पैसा जमा देना होगा। उन्होंने आफर स्वीकार कर लिया, युवती ने तीन बैंक एकाउंट नंबर देकर उसमें रुपया जमा करने कहा। उन्होने 11 जुलाई 2025 को 49 हजार रुपए जमा किया तो उन्हें पता चला बैंक एकाउंट युवती का ही था। पूछने पर उसने कहा वह पार्टी फंड में जमा कर देगी। उसके बाद लगातार पैसा जमा करती गई और बोली काम प्रोग्रेस में है, नेताओं से चर्चा हो रही है। 17 अगस्त 2026 तक वह 62 लाख 63 हजार रुपए ले चुकी थी। इस बीच उसने अपनी बहन सायना परवीन शाबरी के खाते में भी पैसा जमा कराया। इसके अलावा 20 लाख रुपया नकद भी ले लिया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – RWD/SD/GODDA/09/2026-27

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

क्रम	प्रखंड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Boarijore	Construction of 50 Beded Hostel For Residential Upgraded High School At Kurtika, Boarijore	2,68,99,550.00	5,38,000.00	10,000.00	12 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 29.09.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 29.09.2026 से दिनांक 13.10.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, गोड्डा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 15.10.2026 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9771979309
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
11. ई निविदा रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
12. किसी भी निविदाकार के यंत्र–संयंत्र एवं बिड क्षमता के मापदंडों पर प्रत्येक में सक्षम होने पर ही तकनीकी योग्यता पर विचार किया जायेगा।
13. जिस संवेदक का विभाग में पूर्व आवंटित कोई कार्य लंबित है अथवा उनका कार्यान्वियन संतोशजनक नहीं रहा है, उन्हें कार्य आवंटन पर विचार नहीं किया जायेगा।
14. किसी भी संवेदक को कार्य आवंटन के उपरांत सबलेट करना एकरारनामा शर्त्त का उल्लंघन होगा एवं समुचित सूचना प्राप्त होने पर एकरारनामा रद्द करते हुए संवेदक को काली सूची में डालने की कार्रवाई की जायेगी।
15. किसी भी संवेदक के कार्य आवंटन के क्रम में उनके ग्रामीण कार्य विभाग के अन्तर्गत कुल कार्य भार के आलोक में उपलब्ध यंत्र–संयंत्र एवं वित्तीय क्षमता की सीमा तक नये कार्य आवंटन पर विचार किया जायेगा।
15. पथ निर्माण विभाग, झारखंड, राँची का पत्र संख्या 2146 (S) दिनांक 09.09.2020 में निहित प्रावधान के आलोक में निविदा की कार्यवाही की जा रही है।
16. आमंत्रित निविदा के समय निर्धारण के लिए JPWD Code 2012 के Para-159a का अनुपालन किया गया है।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा

PR 390526 Rural Development (26-27)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – RWD/SD/GODDA/11/2026-27

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

क्रम	प्रखंड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Boarijore	Construction of 6 Unit Extended Classroom For Girls Residential Upgraded High School At Boarijore, District Godda, Jharkhand.	1,46,94,000.00	2,94,000.00	10,000.00	12 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 29.09.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 29.09.2026 से दिनांक 13.10.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, गोड्डा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 15.10.2026 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9771979309
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
11. ई निविदा रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
12. किसी भी निविदाकार के यंत्र–संयंत्र एवं बिड क्षमता के मापदंडों पर प्रत्येक में सक्षम होने पर ही तकनीकी योग्यता पर विचार किया जायेगा।
13. जिस संवेदक का विभाग में पूर्व आवंटित कोई कार्य लंबित है अथवा उनका कार्यान्वियन संतोशजनक नही रहा है, उन्हें कार्य आवंटन पर विचार नहीं किया जायेगा।
14. किसी भी संवेदक को कार्य आवंटन के उपरांत सबलेट करना एकरारनामा भार्त्त का उल्लंघन होगा एवं समुचित सूचना प्राप्त होने पर एकरारनामा रद्द करते हुए संवेदक को काली सूची में डालने की कार्रवाई की जायेगी।
15. किसी भी संवेदक के कार्य आवंटन के क्रम में उनके ग्रामीण कार्य विभाग के अन्तर्गत कुल कार्य भार के आलोक में उपलब्ध यंत्र–संयंत्र एवं वित्तीय क्षमता की सीमा तक नये कार्य आवंटन पर विचार किया जायेगा।
15. पथ निर्माण विभाग, झारखंड, राँची का पत्र संख्या 2146 (S) दिनांक 09.09.2020 में निहित प्रावधान के आलोक में निविदा की कार्यवाही की जा रही है।
16. आमंत्रित निविदा के समय निर्धारण के लिए JPWD Code 2012 के Para-159a का अनुपालन किया गया है।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा।

PR.NO.390529 Rural Development(26-27):D

हरिभूमि CLASSIFIED

epaper : www.haribhoomi.com
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Bhilai- 6267136903

Appointment आवश्यकता

इलेक्ट्रीशियन

REQUIRED- ELECTRICIAN ITI/Diploma Electrician with 4-5 years' experience in Solar Plant and SCADA operation and troubleshooting required for Solar Plant at Sodh Berla, Chhattisgarh. Local candidates preferred. Contact: Bhawani Moulders pvt.Ltd., Urla, Chhattisgarh- 8085379697.(आरो-214)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में सेल्समैन एवं हेल्पर की आवश्यकता है। वेतनः 10,000/- **संपर्कः हरिओम प्लास्टिक बैग हाउस पंडरी कपड़ा मार्केट, गेट नं. 8 के सामने, रायपुर मोः 7440784646, 9131348561.**(आरो-338)

ऑपरेटर/सेल्समैन

आवश्यकता है- पंडरी स्थित मेंस वेयर क्लॉथ/ एथनिक शो- रूम में काम करने हेतु आवश्यकता है- 02 कंप्यूटर ऑपरेटर, 02 सेल्समैन, 02 मेल हेल्पर, 01 मेल मास्टर (ट्रायल लेने हेतु) सैलरी + इंसेंटिव। **संपर्कः- 9039709007, 9009110300.**(आरो- 7358)

हरिभूमि क्लासीफाईड

केयर टेकर

आवश्यकता है- रायपुर में पुरूष कोमा पेसेंट हेतु केयर टेकर की उम्र अधिकतम 35 वर्ष। योग्यता कम से कम बारहवी पास मेडिकल ज्ञान जरूरी 2 नहीं है। रहने की व्यवस्था प्रदान की जावेगी। वेतन योग्यता अनुसार। **संपर्क करेः- राकेश अग्रवाल, A-73 लविस्ता कॉलोनी अमलीडीह रायपुर 9575042812 (मिलने का समय सुबह 9 से 11 तक)**(आरो-082)

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- फार्म सुपरवाइजर की आवश्यकता है, drip system सब्जी फार्म के लिए सिमगा के पास जिसमें परिवार सहित आकर रह सके **संपर्क - 9167339097.** (आरो-215)

टर्नर/मशीनिस्ट

आवश्यकता है- टर्नर ,मशीनिस्ट / **मिलिंग मशीन , ग्राइंडरमेन** 8 से 10 साल का अनुभव इंटरव्यू रविवार 27/9/26 भिलाई औद्योगिक के लिए ,**संपर्क 83599-02926.**(आरो-336)

हेल्पर

आवश्यकता है- पृथ्वी इलेक्ट्रॉनिक टीवी फ्रिज वाशिंग मशीन की दुकान में कार्य करने हेतु हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है **संपर्क करें पृथ्वी इलेक्ट्रॉनिक्स आकाशगंगा सुपेला भिलाई मो.- 79878-16330.**(आरो-338)

क्लासीफाईड

ऑफिसर/नर्सिंग स्टाफ

आवश्यकता है- 1. रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर (R.M.) 01 पद, 2. अनुभवी नर्सिंग स्टॉफ (महिला /पुरुष) 05 पद, 3. मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (P.R.O) 01 पद पता- मातृ स्मृति हॉस्पिटल, एकता नगर, गुढ़ियारी, रायपुर **संपर्क करें:- 8839474743, 8269340044.**(आरो-081)

घरेलु कार्य/कुक

आवश्यकता है- घरेलू कार्य एवं स्वादिष्ट खाना बनाने हेतु महिला चाहिए। 24 घंटे रहकर कार्य करना होगा। आयु 35–60 वर्ष। स्थानः गुरुद्वारे के पास, नेहरू नगर, भिलाई। वेतन 12,000 से 15000 प्रतिमाह। **संपर्कः 9826708233.**(आरो नं.- SPD/0083)

पैकिंग/बिल कार्य

आवश्यकता है- 500/- प्रतिदिन एवं ओवरटाइम 560/- फटाका जमाना, पैकिंग, बिल बनाना, ड्राइवर। लड़कों की आवश्यकता। **सम्पर्कः- तापड़िया फटाका, नेमींचंद गली, तेलघानी नाका चौक, रायपुर।** (आरो-735)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल कार्य (महिला/ पुरुष) दिन /रात , पोस्ट - सफाई कर्मचारी, स्वीपर,बाई , वेटर,मैनेजर . आकर्षक वेतन रहना खाना फ्री, **संपर्क -होटल अपना केशरी लॉज, पावर हाऊस ,भिलाई, मो.- 98932-15251, 89669-81590.**(आरो- 340)

पंपकर्मी

आवश्यकता है- माना बस्ती स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पम्प मे कार्य हेतु मिनी टैंकर ड्राईवर एव पम्प स्टाफ की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता **संपर्कः- 9329798983, 9755098983.** (आरो-083)

टीचर/आयादीदी

आवश्यकता है- स्कूल में कार्य हेतु 3 महिला स्टाफ/आया (दीदी), टीचर, ऑफिसबॉय की आवश्यकता है। इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें। योग्यता एवं अनुभव के अनुसार उचित वेतन दिया जाएगा। **संपर्कः- 9300009149, 7701005558.** (आरो-A)

ड्रायवर

शीघ्र आवश्यकता है- ड्राईवर - 8/10 वी ,ड्राइविंग लाइसेंस टीप-कैंपस में परिवार के साथ रहने की सुविधा इच्छुक शीघ्र **संपर्क करे उदय पब्लिक स्कूल, जामुल - भिलाई, 7470984997.**(आरो.- 4174)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- टूर एवं ऑफिस काम हेतु 01 वर्ष अनुभवी दवाई लाइन का लड़का संपर्क राखी डिस्ट्रीब्यूटर खत्री टावर औषधि वाटिका डूमरतराई रायपुर मिलने का समय 1:00 के बाद 9827960080.(आरो-344)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

छात्रावास

छात्रों के लिए हॉस्टल चाहिए:- भिलाई कोहका कुरुद स्थित रूंगटा यूनिवर्सिटी को छात्रों के लिए 300 सीटर हॉस्टल/छात्रावास की आवश्यकता है। बस खड़े करने जगह और प्ले ग्राउंड प्राथमिकता। **संपर्क करें:- 92291-55526, 92293-55500.**(आरो-337)

Astrology ज्योतिष

ज्योतिष - छत्तीसगढ़िया ज्योतिष पितर दोष के कारण आर्थिक , मानसिक, शारिरिक, सब्बो बुता मा अड़चन आये पितर दोष निवारण ले सब सुधर जहि **मों:- 7691971007.**(आरो-216)

Property प्रापर्टी

फ्लैट

फ्लैट बेचना है- मालवीय नगर एकता परिसर दुर्ग में लगभग 350 वर्ग फीट द्वितीय तल में बना 1bhk फ्लैट सर्वसुविधायुक्त बेचना है , **मो.-9893094299.** (आरो-339)

प्लाट

प्लॉट बेचना है - बिलासपुर सकरी मेन रोड से ठीक पीछे आवासीय या व्यावसायिक उपयोग हेतु 22000 वर्गफुट हॉस्पिटल, अपार्टमेंट, फ्लैट, रेस्टोरेंट के लिए उपयोगी टुकड़ों में या एकमुश्त बेचना है **सम्पर्क करें 7898855268.**(आरो-41750)





आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

पेज एक के शेष

रायपुर में 48 ....

प्रतिमा विसर्जन पर पाबंदी लगी दी है। **रायपुर, दुर्ग,पिपरिया में जोरदार बारिश** मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले चौबीस घंटे में दुर्ग में सर्वाधिक 200 मिमी., पिपरिया में 190, रायपुर शहर में 180, पंखाजूर में 170, गंडई एवं भिलाई में 160-160, बोराई, बालोद, मंदिर हसौद, घुमका, सिमगा, अर्जुंदा, अंतागढ़ में 150-150, तिल्दा, अहिवारा, नेहरपुर, कबीरधाम, तखतपुर में 140-140, अमलीपदर, गुंडरदेही, कोहकामेटा में 130-130, बोड़ला, साल्हेवारा, नारायणपुर, बड़ेराजपुर, भैसमा, माना, केशकाल समेत अन्य इलाकों में 120 से 100 मिमी. की भारी वर्षा हुई। **थमी बारिश, धूप भी निकली** : शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात जमकर बरसने के बाद सिस्टम आगे की ओर बढ़ गया। काफी मात्रा में बादल छंटने के बाद राजधानी में वर्षा की गतिविधि पर विराम लगा और धूप भी निकली। उत्तरी इलाके यानी बिलासपुर, पेंड्रा, अंबिकापुर, जशपुर जैसे इलाके में हल्की से मध्यम वर्षा हुई। अगले चौबीस घंटे में सिस्टम के कमजोर होने से वर्षा की गतिविधि में कमी आने की संभावना है। **टीआई ने पुल पर फंसे परिवार को बचाया** : दुर्ग में शिवनाथ और खारुन के किनारे करीब दो सौ लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर रखा गया है। राजनांदगांव में भी शिवनाथ नदी के किनारे रेस्क्यू के लिए प्रशासन सतर्क है। शुक्रवार को कुछ लोगों का रेस्क्यू करना पड़ा था। शनिवार को खैरागढ़ में कार से कान्हा किसली रहे एक परिवार पुल पर फंस गया था। परिवार ने 112 पर सूचना दी जिसके बाद टीआई रविशंकर गेंदले ने खुद पानी में उतरकर परिवार को सुरक्षित निकाला।

दशकों बाद कुलेश्वरनाथ ....

चार वार्ड 15, 16, 17 और 19 में बाढ़ का सबसे अधिक असर पड़ा है। इन वार्डों के 1971 प्रभावितों को सोमवारी बाजार, सामुदायिक भवन, मंडी, झूलेलाल मंदिर सहित अन्य सुरक्षित स्थानों पर ठहराया गया है। प्रशासन की ओर से प्रभावितों के लिए दोनों समय भोजन की व्यवस्था की जा रही है। कई बड़ी इमारतों में पानी घुस गया है, जबकि निचले इलाकों की छोटी झोपड़ियां और कच्चे मकान बाढ़ की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

दो बालक अरपा में ....

उनका पता नहीं चल पाया। शाम को एसडीआरएफ की टीम ने एक बालक का शव बाहर निकाल लिया है। देर रात तक दूसरे का पता नहीं चल पाया था। कोतवाली पुलिस के अनुसार, दयालबंद मधुबन अटल आवास निवास निवासी आयान पिता राजू 13 साल, मो. इमवेज पिता मो. शरीफ 15 साल व एक अन्य बालक शनिवार की सुबह 11.30 बजे घर के पास अरपा नदी में नहाने गए थे। नहाने के दौरान आयान ने नदी में नारियल बहते देखा, लालच में वह नारियल लेने के लिए गहराई में चला गया, उसे डूबते देख इमवेज बचाने के लिए गया और वह भी गहराई में जाकर डूब गया।

धरसींवा से 150 का ....

सवार थे, जिन्हें डॉयल-112 की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला। टिकरापारा थाना क्षेत्र के बोरियाखुर्द में नाले में बहने से लक्ष्मीनारायण पवार के सात वर्षीय बेटे की मौत हो गई। लक्ष्मीनारायण अपने बेटे तथा बेटी के साथ दोपहिया वाहन से कहीं जा रहा था। इस दौरान एक नाले के पास उसने अपनी दोपहिया रोकी। इसके बाद नाले के पास वह अपने बेटे के पैर धोने लगा। पैर धोकर किसी काम से पीछे घूमा, उतनी देर में ही उनका बेटा नाले में गिर गया और पानी के तेज बहाव में बहता चला गया। **चार सौ मीटर दूर मिला बच्चे का शव** : बच्चे के नाले में बहने की सूचना मिलने के बाद आसपास से गुजर रहे लोग उसे बचाने दौड़े, तब तक बच्चा लोगों की आंखों से ओझल हो गया। स्थानीय पार्षद तिलक साहू के अनुसार, बच्चे का शव घटनास्थल के चार सौ मीटर दूर मिला। बच्चे को आंबेडकर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना का सीसीटीवी फूटेज सामने आया है, जिसमें लक्ष्मीनारायण अपने बेटे के पैर धोते दिख रहा है। **इन पांच गांवों के रहवासियों का रेस्क्यू** : भारी बारिश के कारण खारुन नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के गांव काठाडीह से 40, दतरेंगा से 30, बाना से 54, गोमची से चार तथा पठारीडीह से 20 लोगों को रेस्क्यू कर निकाला गया है। पठारीडीह में रहने वाले 14 लोग ऐसे हैं, जो अपने घर से निकलने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्हें समझाइश देकर निकालने प्रशासन की टीम देर शाम तक प्रयास करती रही। माठागांव, केशरी बगीचा, खुड़मुड़ा घाट में कुछ लोगों के बाढ़ में फंसे होने की जानकारी मिलने पर प्रशासन की टीम देर शाम रेस्क्यू करने पहुंची।

बिरगांव का युवक नाला पार करते बहा : अपने जीजा के घर से लौट रहा बिरगांव का युवक अंकित पाठक (24) तिल्दा-कोहका-राजिया मार्ग पर उफनते नाले में बह गया। युवक की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि युवक शुक्रवार को अपने दोस्तों के साथ वापस रायपुर लौट रहा था। अंधेरा होने के कारण युवक नाले का सही ढंग से आकलन नहीं कर पाया। युवक को उसके दोस्तों ने बचाने की कोशिश भी की, लेकिन वे उसे पकड़ नहीं पाए। बताया जा रहा है अंकित तथा उसके दो दोस्त एक-दूसरे का हाथ पकड़कर नाला पार कर रहे थे। इस दौरान हादसा हुआ है।

पेड़ का सहारा मिलने से बची पांच की जान : कान्हा-किसली सैर करने जा रहे कार सवार पांच युवक-युवती पुल पार करते पानी के तेज बहाव की चपेट में आ गए। सभी को डॉयल-112 की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकालने में कामयाबी हासिल की। कार में रायपुर, गुढ़ियारी निवासी कुबेर साहू, कमलेश साहू, निहाल सक्सेना तथा भिलाई निवासी महक कौर, प्रीति रात्रे सवार थे। कार कुबेर चला रहा था। बताया जा रहा है, पुलिस के चेतावनी के बावजूद युवक खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के दनिया पुल को पार करने लगे। पानी का बहाव तेज होने की वजह से कार बह गई। कार में सवार पांचो युवा किसी तरह पेड़ का सहारा लेकर फंसे रहे और डॉयल-112 पर फोन कर मदद मांगी। सूचना मिलते ही गंडई थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और भारी बारिश और अंधेरे के बीच सभी को रेस्क्यू किया।

जूडो का स्टाइपेंड में ....

ओपीडी बहिष्कार के दौरान शासन ने एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टरों का स्टाइपेंड बढ़ाया था। पीजी डॉक्टरों को इसका लाभ नहीं मिलने और अन्य मांगों पर आश्वासन नहीं मिलने से नाराज होकर उन्होंने अपना विरोध जारी रखा था। शुक्रवार को शासन ने अंकक्ष स्टाइपेंड में वृद्धि का आदेश जारी कर दिया। आदेश के मुताबिक पीजी मेडिकल प्रथम वर्ष के चिकित्सकों की शिक्षा वृत्ति 67,500 रुपये से बढ़ाकर 85,050 रुपये प्रतिमाह, द्वितीय वर्ष की 71,450 रुपये से बढ़ाकर 90,027 रुपये और तृतीय वर्ष की 74,600 रुपये से बढ़ाकर 93,996 रुपये प्रतिमाह कर दी गई है। इसी तरह पीजी डेंटल के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों की शिक्षा वृत्ति 53,500 रुपये से बढ़ाकर 85,050 रुपये, द्वितीय वर्ष की 56,700 रुपये से बढ़ाकर 90,027 रुपये तथा तृतीय वर्ष की 59,200 रुपये से बढ़ाकर 93,996 रुपये प्रतिमाह की गई है। शासन के आदेश में बताया गया है कि प्रस्ताव को वित्त विभाग की सहमति प्राप्त हो चुकी है। नई दरें 1 अक्टूबर से लागू होंगी।

अन्य मांगों पर भी ध्यान से शासन : जूनियर डॉक्टर असोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष डॉ रेशम सिंह ने स्टाइपेंड में बढ़ोतरी के लिए शासन का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि उनकी अन्य मांग जिसमे बांड राशि और ड्यूटी कम करना। बांडेड डाक्टरों की वेतन विसंगति को दूर करना तथा सुपर स्पेशियलिटी डॉक्टरों का अलग कैडर की मांग पर भी ठोस निर्णय लेने की आवश्यकता है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि रविवार को जरनल बॉडी की मीटिंग के बाद ये मामले में फैसला लिया जाएगा।

प्रदेश के लिए विशेष ...

से पूरा छत्तीसगढ़ गौरवान्वित है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आप आइए हम आपका स्वागत करेंगे। मुख्यमंत्री ने संजू देवी से कहा कि आपने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और शानदार प्रदर्शन से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय महिला कबड्डी टीम की स्वर्णिम सफलता प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व का क्षण है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में छत्तीसगढ़ की बेटी की महत्वपूर्ण भागीदारी प्रदेश के लिए विशेष गौरव की बात है।

कबड्डी में भारत को ....

पदक है। पुरुष टीम की जीत की खास बात यह रही कि उसके सबसे अनुभवी खिलाड़ी पवन सहरावत को मैट पर उतरने की जरूरत ही नहीं पड़ी। मुकाबले के बीच में जब गत चैंपियन टीम नियंत्रण के लिए संघर्ष कर रही थी, तब रेडर अर्जुन देशवाल और देवांक ने निर्णायक क्षणों में संयम दिखाते हुए मुकाबले का रुख भारत के पक्ष में मोड़ दिया। ईरान ने हर अंक के लिए पूरी ताकत झोंकी और शारीरिक खेल में भारत को कड़ी चुनौती दी। उसने आखिरी के कुछ मिनटों को छोड़कर भारतीय टीम को लय में आने का मौका नहीं दिया। मध्यांतर तक ईरान 18-17 से आगे था और भारत पर दबाव साफ दिखाई दे रहा था। भारतीय खिलाड़ियों ने हालांकि धैर्य नहीं खोया। उन्होंने खेल की गति बदली, अपने रेडरों पर भरोसा जताया और अनुभव का इस्तेमाल किया। अर्जुन और देवांक बार-बार ईरान के पाले में ज्यादा अंदर तक जाने में सफल रहे और सही मौके चुने और अहम अंक लेकर लौटे। इससे धीरे-धीरे ईरान दबाव में आने लगा। सहरावत ने मैच के बाद कहा, मध्यांतर में ईरान 18-17 से आगे था। हमने रणनीति बनाई कि केवल उन्हीं रेडरों को भेजा जाएगा जो विपक्षी खिलाड़ियों पर दबदबा बना सकें। देशवाल और देवांक ने यह काम बखूबी किया और उनकी रेड ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

कोरबा के छोटे गांव ....

की कबड्डी खिलाड़ी संजू देवी भी शामिल थी। यह पहला मौका है जब छत्तीसगढ़ की खिलाड़ी ने एशियाई खेल में भाग लेते हुए बड़ी जीत दर्ज की हो। इस जीत के बाद संजू ने कहा कि मुझे गर्व है कि छत्तीसगढ़ के लिए मैं पहला गोल्ड लेकर आ रही हूं। पूरे टूर्नामेंट में मैंने अपना बेहतर प्रदर्शन दिया है। बता दें कि कोरबा जिले के छोटे से गांव केराकछार की रहने वाली 23 वर्षीय संजू देवी एक श्रमिक परिवार से आती हैं। उन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद कड़ी मेहनत और समर्पण से यह मुकाम हासिल किया। जुलाई 2023 से वे बिलासपुर के बहतराई स्थित आवासीय बालिका कबड्डी अकादमी में प्रशिक्षण ले रही हैं, जहां उनके खेल को नई दिशा मिली।

प्रदेश के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा : 20वें एशियाई खेल में महिला कबड्डी प्रतियोगिता के दौरान छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया मैच में उपस्थित रहे। इस दौरान छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से संजू देवी की बात कराई। उन्होंने संजू देवी और भारतीय टीम को बहुत-बहुत बधाई दी। महासचिव सिसोदिया ने बताया की संजू की जीत आगे होने वाली सभी प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियो का मनोबल बढ़ाने के लिए प्रयास करता रहेगा, जिससे राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें

देश और विदेश की प्रतियोगिता में संजू ने दिखाया उत्कृष्ट प्रदर्शन : संजू देवी ने नवंबर 2025 में बांग्लादेश में आयोजित कबड्डी विश्वकप-2025 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 'मोस्ट वेल्युबल प्लेयर' का खिताब जीता। फाइनल मुकाबले में भारत के 35 अंकों में से 16 अंक अकेले संजू ने बनाए, जो उनकी निर्णायक भूमिका को दर्शाता है। इसके अलावा सेमीफाइनल और अन्य मैचों में भी उन्होंने लगातार शानदार खेल दिखाया। मार्च 2025 में ईरान में आयोजित एशियन कबड्डी चैंपियनशिप-2025 में भी संजू ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने वहां भी टीम को चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाली छत्तीसगढ़ की पहली महिला कबड्डी खिलाड़ी हैं।

पेज एक के शेष

एसआईआर में नाम ...

में प्रतिनियुक्ति पर आए एक अधिकारी के कामकाज से संबंधित थे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त समेत दोनों निर्वाचन आयुक्तों की मंजूरी से जारी बयान में आयोग ने कहा कि संबंधित अधिकारी द्वारा जारी कार्य-पुनर्वितरण के आदेश दो निर्वाचन आयुक्तों के आदेश के बाद वास्तव में लागू नहीं किए गए थे। साथ ही, उप निर्वाचन आयुक्त (डीईसी) की ओर से आईटी प्रभाग की निगरानी भी कभी वापस नहीं ली गई थी। निर्वाचन आयोग ने कहा कि हाल के महीनों में उसने देशभर में विशेष गहन पुनरीक्षण समेत कई फैसले लिये हैं। आयोग ने 24 जून 2025 को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर कराने का आदेश जारी किया था, जिसकी शुरुआत बिहार से हुई और इसके बाद पश्चिम बंगाल तथा 30 अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में इसे लागू किया गया। आयोग ने कहा कि यह आदेश सर्वसम्मति से मंजूर किया गया था। आयोग ने कहा कि 27 मई 2026 के अपने आदेश में उच्चतम न्यायालय ने भी इसे बरकरार रखा है।

व्यक्तिगत सुनवाई की जरूरत नहीं: निर्वाचन आयोग ने यह भी कहा कि एसआईआर के तहत नोटिस पाने वाले लोगों को, कुछ खास मामलों को छोड़कर, व्यक्तिगत सुनवाई के लिए जाने की जरूरत नहीं है।

एसआईआर पूरा होने के बाद छूटे नाम कैसे जुड़ेंगे?: चुनाव आयोग के अनुसार, एसआईआर अब तक 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पूरा हो चुका है, जिनमें बिहार और पश्चिम बंगाल भी शामिल हैं। आयोग ने कहा कि एसआईआर के दौरान या उसके बाद किसी व्यक्ति का नाम छूट गया है तो वह संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी यानी ईआरओ के पास नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकता है। यह सुविधा युवा और पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं के लिए भी उपलब्ध है।

दिल्ली और महाराष्ट्र में क्या बदला?: चुनाव आयोग ने दिल्ली और महाराष्ट्र में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समयसीमा भी बढ़ाई है।

अवैध गर्भपात मामले ...

कटघोरा ने अस्पताल में अवैध गर्भपात संबंधी गतिविधियों की जांच के लिए पुलिस को पत्र दिया था। 7 अगस्त 2011 को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लाइफकेयर अस्पताल, दीपका का निरीक्षण किया, जहां ऑपरेशन थिएटर में आपत्तिजनक उपकरण तथा 16 से 32 सप्ताह की अलग-अलग उम्र के भ्रूण मिलने का उल्लेख निरीक्षण रिपोर्ट में किया गया। इसके आधार पर दीपका पुलिस ने अपराध दर्ज किया। 31 अगस्त 2016 को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, कटघोरा ने आरोपियों को बरी कर दिया था। इसके खिलाफ शासन ने हाईकोर्ट में अपील की थी।

18 गवाहों से पूछताछ ...

रोकने के उद्देश्य से बनाया गया है। हालांकि, कोर्ट ने पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट की धारा 22(3) के तहत आरोप साबित नहीं होने के कारण इस हिस्से में ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। एमटीपी एक्ट की धारा 5 और आईपीसी की धारा 315 के संबंध में हाईकोर्ट ने कहा कि, रिकॉर्ड में भ्रूण की मौजूदगी और उसकी उम्र से संबंधित तथ्य थे तथा आरोपी यह स्पष्ट नहीं कर सके कि गर्भपात मां की जान बचाने के लिए सद्भावना में किया गया था। कोर्ट ने इसी आधार पर इन दोनों धाराओं के तहत बरी किए जाने का फैसला निरस्त कर दिया।

पूरा न्याय मिलने ...

लिए राहुल गांधी से मार्गदर्शन लिया गया। इस अवसर पर राहुल गांधी ने वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में झीरम शहीदों के परिजनों एवं घटना के समय मौजूद साथियों से संवाद कर उनकी पीड़ा और न्याय की अपेक्षाओं को सुना। राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा, पूरा न्याय मिलने तक हम एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे। झीरम के शहीदों के सम्मान और न्याय की यह लड़ाई जारी रहेगी। जब तक झीरम के शहीदों और पीड़ित परिवारों को संपूर्ण न्याय नहीं मिलेगा, तब तक न्याय की यह लड़ाई जारी रहेगी।

ज्ञान, विज्ञान और भारतीय ...

इतिहास से सवाल होंगे। जैसे-जैसे देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को तेजी से लागू किया जा रहा है, शिक्षा के क्षेत्र में 'भारतीय शिक्षा बोर्ड' एक सशक्त और वैकल्पिक राष्ट्रीय बोर्ड के रूप में तेजी से उभर रहा है। ज्ञान, विज्ञान और गणित के नए पाठ्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी फिजिक्स और मैथ्स के नामचीन प्रोफेसर एसी वर्मा और प्रोफेसर हुकुम सिंह को दिया गया है, जो रुचिकर ढंग से नये पाठ्यक्रम को बुन रहे हैं।

बच्चों को, नौनिहालों को इसी बदली शिक्षा व्यवस्था से रूबरू कराने, उन्हें अपेक्षाकृत ज्यादा रोजगारपरक बनाने, किन्हीं वजहों से पढाई रुक गई फिर भी स्वावलंबी बनने की दिशा तय करने के लिए स्कूली शिक्षा की मजबूत नींव डालने सीबीएसई, आईसीएसई, या अन्य राजकीय शिक्षा बोर्डों से इतर भारतीय शिक्षा बोर्ड का गठन कर समूची स्कूली शिक्षा व्यवथा को नए सिरे से गढ़ने के काम में लगे भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष, जाने-माने शिक्षाविद् तथा पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. एन.पी. सिंह ने बोर्ड के विजन, उद्देश्यों और इसकी कार्यप्रणाली पर हरिभूमि के साथ विस्तार से चर्चा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि देश की वर्तमान शिक्षा प्रणाली में बदलाव की क्यों आवश्यकता है और किस प्रकार भारतीय शिक्षा बोर्ड पारंपरिक भारतीय मूल्यों को आधुनिक शिक्षा के साथ पिरोकर एक नई दिशा दे रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के अनुरूप और कानूनी मान्यता : बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. एन.पी. सिंह ने साफ किया कि भारतीय शिक्षा बोर्ड पूरी तरह से राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) के अनुरूप है। यह बोर्ड कक्षा 1 से 12 तक के स्कूलों को मान्यता प्रदान करता है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, कानूनी और प्रशासनिक वैधता के संबंध में उन्होंने जानकारी देते हुए कहा, भारतीय शिक्षा बोर्ड के कक्षा 10 और 12 के प्रमाण-पत्रों को भारतीय विश्वविद्यालय संघ, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) सहित कई राज्य सरकारों और बोर्डों से मान्यता प्राप्त है। इसके छात्र देश के किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान या प्रोफेशनल कोर्स में प्रवेश के लिए पूरी तरह पात्र हैं।

सीबीएसई और अन्य बोर्डों से भिन्न है भारतीय शिक्षा बोर्ड : भारतीय शिक्षा बोर्ड अन्य राष्ट्रीय और राज्य बोर्डों से किस प्रकार भिन्न है, इस सवाल के जवाब में डॉ. सिंह ने बताया कि शैक्षणिक स्तर पर समानता होने के बावजूद दोनों के 'शिक्षा दर्शन' में अंतर है। भारतीय शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम का स्वरूप का स्वरूप कुछ इस तरह तैयार किया जा रहा है कि बोर्ड के पाठ्यक्रम में वेदों, उपनिषदों, भगवद्गीता, जैन व बौद्ध दर्शन के साथ-साथ महान भारतीय विचारकों, नेताओं की जीवन गाथाओं, संवैधानिक मूल्यों और गुरुकुल परंपरा के तत्वों को आधुनिक विज्ञान व टेक्नोलॉजी के समावेश हो ताकि नौनिहालों को देश के समृद्ध विरासत से जोडा जा सके। उसकी महत्ता को रखांकित किया जा सके। भारत की भूमि से उपजे ज्ञान, दर्शन पर जब विश्व की शिक्षा व्यवस्था गौरव कर रही है उस पर आधारित है तो भला हमारे देश में हमारा गौरवशाली समृद्ध इतिहास से क्यों ने हमारे बच्चों को रूबरू कराया जाए। डा. एनपी सिंह ने कहा, रटंत विद्या से मुक्ति मिलेगी तभी बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। यही वजह है कि भारतीय शिक्षा बोर्ड में चीजों को केवल रटने के बजाय अवधारणाओं को गहराई से समझने और प्रायोगिक/अनुभव आधारित शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाता है। छात्रों पर अत्यधिक पढ़ाई का बोझ डालने के बजाय उनकी मानसिक सेहत, क्रिटिकल थिंकिंग (समीक्षात्मक सोच), क्रिएटिविटी और जीवन कौशलों के विकास को प्राथमिकता दी जाती है।

भविष्य की तैयारी ...

भी भारतीय शिक्षा बोर्ड की महत्ता समझते हुए एफलिएशन लिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीकी युग के संदर्भ में उन्होंने कहा कि बोर्ड तकनीक के केवल तकनीकी इस्तेमाल तक सीमित न रहकर उसके रचनात्मक और संतुलित उपयोग पर ध्यान केंद्रित करता है, ताकि छात्र भविष्य की चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें। नव निर्मित बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. एन.पी. सिंह के अनुसार, भारतीय शिक्षा बोर्ड का उद्देश्य मुख्यधारा की शिक्षा प्रणाली को काटना नहीं, बल्कि भारत की महान धरोहर और आधुनिक विज्ञान का एक ऐसा बेहतरीन मेल तैयार करना है जो आने वाली पीढ़ियों को उनकी संस्कृति पर गर्व करना सिखाए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

।। तृतीय ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ।।

क्र./1361/लो.क.वि./न.पा./2026 कुम्हारी, दिनांक 22/09/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेन्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनु.ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
199921	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Kumhari, Chhattisgarh	112.45	05.10.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, कुम्हारी

कार्यालय, नगर पालिका परिषद पंडरिया, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

क्र./953/न.पा.प./ लो.नि.वि./2026-27 पंडरिया दिनांक 25/09/2026

// मेन्यूअल निविदा द्वितीय आमंत्रण सूचना //

एतद् द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 अधोसंरचना मद अंतर्गत नगर पालिका परिषद पंडरिया में विभिन्न विकास कार्यों हेतु एकीकृत प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग में प्रचलित पी.डब्ल्यू.डी. भवन एस. ओ. आर 10.06.2026/ पी.डब्ल्यू.डी. रोड एस.ओ.आर 15.06.2026, ई.एण्ड एम. 2026 (इलेक्ट्रीक), के तहत निविदा तीन लिफाफा पद्धति से रजिस्टर्ड डॉक/ स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रतिशत दर पर फार्म "ए" में निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 12.10.2026 (शाम 5.00 बजे तक)
2. निविदा खोलने की तिथि - 12.10.2026 (शाम 5.30 बजे से)

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रु. में)
1	विभिन्न वार्डों में सी.सी. रोड / नाली निर्माण एवं आउटलेट / बाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य । (कुल 07 कार्य)	42.30

टीप :- उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in पर तथा विभागीय वेबसाइट https://www.uad.cg.gov.in पर डाउनलोड की जा सकती है। किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग की वेबसाईट में प्रसारित की जावेगी । पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं की जावेगी ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद पंडरिया

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION COMPANY LTD
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) (छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
OFFICE OF CHIEF ENGINEER (HUMAN RESOURCE), RAIPUR
PHONE NO. (दूरभाष): 0771-2574700, 2574157
Website (वेबसाइट): https://cspc.co.in Email (ईमेल): hr.csptcl@cspc.co.in

सार्वजनिक सूचना

भर्ती एवं नियुक्ति संबंधी फर्जी पत्रों और भ्रामक संदेशों से रहें सावधान

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज में नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों और आम जनता को फर्जी नियुक्ति/प्रस्ताव पत्र, कॉल/साक्षात्कार पत्र, पहचान पत्र और पॉवर कंपनी के नाम पर जारी किए गए धोखाधड़ी वाले व भ्रामक संदेशों से सावधान रहने की चेतावनी देता है।

पॉवर कंपनी में विभिन्न पदों पर भर्ती केवल निर्धारित और विधिवत अधिसूचित भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से और जहां भी लागू हो, पॉवर कंपनी स्वयं, राज्य शासन अथवा केन्द्र शासन से अधिकृत भर्ती एजेंसियों के माध्यम से ही की जाती है। पॉवर कंपनी निजी व्यक्तियों, एजेंटों, मध्यस्थों या अनाधिकृत व्यक्तियों के माध्यम से उम्मीदवारों की नियुक्ति नहीं करती है, न ही यह किसी को भर्ती, नियुक्ति, दस्तावेज सत्यापन, ज्वाइनिंग या पोस्टिंग के लिए धन मांगने या एकत्र करने के लिए अधिकृत करती है।

जनता को सलाह दी जाती है कि :

- भर्ती संबंधी सभी जानकारी की पुष्टि केवल पॉवर कंपनी की अधिकारिक वेबसाइट www.cspc.co.in के माध्यम से ही करें।
- भर्ती या नियुक्ति के संबंध में किसी भी प्रकार का भुगतान न करें या धन की मांग का जवाब न दें।
- ओटीपी, पासवर्ड, बैंकिंग विवरण या अन्य गोपनीय/व्यक्तिगत जानकारी अनाधिकृत व्यक्तियों के साथ साझा न करें।
- पॉवर कंपनी में चयन या नियुक्ति की गारंटी के आश्वासनों से सावधान रहें।
- किसी भी भर्ती संबंधी सूचना पर अमल करने से पहले उसकी प्रमाणिकता की पुष्टि अवश्य कर लें।
- किसी भी संदिग्ध धोखाधड़ी वाले सूचनाओं को सुरक्षित रखा जा सकता है और उचित कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सूचित किया जा सकता है।
- धोखाधड़ी पूर्ण वाले व भ्रामक सूचनाओं पर भरोसा करने या अनाधिकृत व्यक्तियों को किए गए भुगतान से उत्पन्न किसी भी नुकसान के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी जिम्मेदार नहीं होगी।

मुख्य अभियंता (मानव संसाधन)
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी रायपुर

संवाद

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ओएचई की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता सुधार हेतु निविदा सूचना

निविदा संख्या टीआरडी–बीएसपी–319–26–27–13 दिनांक: 12/09/2026. कार्य : बिलासपुर मंडल में ओएचई की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता में सुधार हेतु एंटी–फॉलिंग व्यवस्था, वाइल्ड मिटिगेशन तथा महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों का रिहेबिलिटेशन । निविदा मूल्य : ₹ 2,99,33,587.00/-। बयाना राशि : ₹ 5,98,700.00/-। निविदा जमा करने की तिथि व समय : दिनांक 13/10/2026 के 15:00 बजे तक।

पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर घ्यारें। निविदा सूचना को वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं।

मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.)
सीपीआर/10/415 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **मोहम्मद नसीम खान, प्रोपराइटर, मेसर्स ब्राइट इलेक्ट्रिकल सेंटर, देना बैंक के सामने, झूलेलाल मार्केट, जवाहर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़–49201** ने **Case No. 530071/16 U/S 138 NI Act थानाः पहाड़गंज, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद नसीम खान** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गए है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद नसीम खान** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Case No. 530071/16 U/S 138 NI Act थानाः पहाड़गंज, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मोहम्मद नसीम खान** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.12.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री उर्वी गुप्ता
जेएमएफसी–01 कमरा नंबर 201
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/13663/CD/2026
(Court Matter)

**छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यू

आज की छोटी सी बचत ही कल की बड़ी पूंजी

पोर्टफोलियो में विविधीकरण से मजबूत हो सकती है वित्तीय योजना

- बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ ज्यादा पैसा नहीं, सही समय और नियमित निवेश जरूरी
- निवेश को लंबा समय दें, लक्ष्य के अनुसार वित्तीय योजना से रणनीति तैयार करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

बड़े वित्तीय लक्ष्य एक-दो साल में पूरे नहीं होते। इनके लिए कम उम्र से योजना बनाकर नियमित निवेश करना और उसे लंबे समय तक जारी रखना जरूरी है। छोटी रकम से शुरू किया गया निवेश भी पर्याप्त समय मिलने पर बड़ा फंड तैयार करने में मदद कर सकता है। इसका सबसे बड़ा कारण चक्रवृद्धि का प्रभाव है, जिसमें निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आगे चलकर अतिरिक्त रिटर्न कमाने का आधार बनता है। वित्तीय योजना बनाते समय सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि किस उद्देश्य के लिए कितनी रकम और कितने समय बाद चाहिए। घर खरीदने, बच्चों की उच्च शिक्षा, कारोबार शुरू करने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई जा सकती है। एक ही निवेश विकल्प में पूरी रकम लगाने के बजाय जोखिम और जरूरत के हिसाब से पोर्टफोलियो में विविधता रखना भी महत्वपूर्ण है।



रिटायरमेंट आमतौर पर सबसे लंबे वित्तीय लक्ष्यों में शामिल होता है। यदि इसकी तैयारी नौकरी के शुरुआती वर्षों में शुरू कर दी जाए तो लंबे समय का फायदा मिलता है। यहां भी सिर्फ आज के खर्च को आधार बनाना पर्याप्त नहीं है। भविष्य की महंगाई और रिटायरमेंट के बाद कितने वर्षों तक रकम की जरूरत होगी, इसका अनुमान लगाना चाहिए।

6000 रुपये महीने से समझें लंबी अवधि का असर

मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 6,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और इसे 25 वर्षों तक जारी रखता है। यदि औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न की सिर्फ गणना के लिए धारणा ली जाए, तो 25 साल में फंड करीब 1.13 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसी उदाहरण में पांच साल बाद निवेश का अनुमानित मूल्य करीब 4.95 लाख रुपये, 10 साल बाद 13.86 लाख रुपये, 15 साल बाद 30.27 लाख रुपये और 20 साल बाद लगभग 60 लाख रुपये बताया गया है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात रकम से ज्यादा समय है। लंबे समय तक निवेश जारी रहने पर चक्रवृद्धि का प्रभाव बढ़ता जाता है। हालांकि, 12 प्रतिशत रिटर्न केवल उदाहरण के लिए लिया गया है। बाजार आधारित निवेश में रिटर्न निश्चित नहीं होता और वास्तविक रकम बाजार के प्रदर्शन के अनुसार अलग हो सकती है।

लक्ष्य की तारीख तय किए बिना न बनाएं निवेश योजना

निवेश शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि रकम की आवश्यकता कब पड़ेगी। निकट भविष्य में इस्तेमाल होने वाले पैसे और 20-25 साल बाद चाहिए रकम के लिए एक जैसी रणनीति नहीं अपनाई जानी चाहिए। दो-तीन साल में किसी लक्ष्य के लिए पैसा चाहिए तो निवेश में जोखिम का स्तर सीमित रखना जरूरी हो सकता है। दूसरी तरफ लंबी अवधि के लक्ष्यों में निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार बाजार से जुड़े विकल्पों पर विचार कर सकता है। निवेश की शुरुआत केवल रिटर्न की तलाश से नहीं होनी चाहिए। परिवार की आकस्मिक जरूरतों के लिए अलग रकम रखना भी वित्तीय योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नौकरी में बदलाव, अचानक बड़ा खर्च या अन्य आपात स्थिति में यह फंड आर्थिक दबाव कम कर सकता है।

10 साल में बनाया जा सकता है बड़ा लक्ष्य

नौकरी या कारोबार शुरू करने के शुरुआती वर्षों में आय भले ही सीमित हो, लेकिन इसी समय नियमित निवेश की आदत विकसित करना फायदेमंद हो सकता है। शुरुआत छोटी **SIP** से की जा सकती है और आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाई जा सकती है। 10 साल बाद घर की डाउन पेमेंट, उच्च शिक्षा या अन्य बड़े खर्च के लिए रकम जुटानी है तो आज से ही अनुमान लगाना चाहिए कि भविष्य में कितने पैसे की जरूरत होगी।

20 साल में बढ़ाया जा सकता है निवेश

लंबी नौकरी अवधि में आमतौर पर आय में बदलाव की संभावना रहती है। वेतन बढ़ने या अतिरिक्त आय होने पर निवेश को भी उसी अनुपात में बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। इसे नियमित एसआईपी साथ अतिरिक्त निवेश के जरिए भी किया जा सकता है। लंबी अवधि में बाजार में तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिल सकती हैं। इसलिए निवेशक को केवल थोड़े समय के उतार-चढ़ाव को देखकर अपना लंबी अवधि का लक्ष्य बदलने से बचना चाहिए।

पूरा पैसा एक जगह लगाने से बचें

निवेश पोर्टफोलियो में अलग-अलग परिसंपत्ति वर्गों का संतुलन जोखिम को समझने में मदद करता है। दिए गए उदाहरण में इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे विकल्पों का मिश्रण दिखाया गया है। लेकिन हर व्यक्ति के लिए इनका अनुपात समान नहीं हो सकता। निवेश का वितरण व्यक्ति की उम्र, आय, वित्तीय लक्ष्य, समयावधि और जोखिम सहने की क्षमता के आधार पर तय होना चाहिए। लक्ष्य करीब आने पर जोखिम वाले निवेश का अनुपात कम करने की जरूरत भी पड़ सकती है। लंबी अवधि का निवेश करने के बाद समय-समय पर यह देखना चाहिए कि निवेश लक्ष्य के मुताबिक आगे बढ़ रहा है या नहीं।

निवेश के 6 जरूरी मंत्र

- जल्दी शुरुआत करें : कम उम्र में निवेश शुरू करने से लंबी अवधि का फायदा मिलेगा।
- लक्ष्य तय करें : घर, शिक्षा, रिटायरमेंट जैसे हर लक्ष्य के लिए समयावधि तय करें।
- एसआईपी को नियमित रखें : छोटी रकम से शुरुआत करके आय बढ़ने के साथ निवेश बढ़ाया जा सकता है।
- चक्रवृद्धि का लाभ लें : लंबे समय तक निवेश रहने पर रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने का असर बढ़ता है।
- पोर्टफोलियो में विविधता रखें : इक्विटी, डेट, गोल्ड आदि में जोखिम क्षमता के अनुसार संतुलन बनाया जा सकता है।
- समय-समय पर समीक्षा करें : आय, उम्र, लक्ष्य और जोखिम क्षमता बदलने पर निवेश योजना में भी बदलाव करें।

निवेश से पहले जरूर देखें

- कितने समय के लिए पैसा लगाना है?
- लक्ष्य के लिए कितनी रकम चाहिए?
- जोखिम उठाने की क्षमता कितनी है?
- आपातकालीन फंड तैयार है या नहीं?
- निवेश की समय-समय पर समीक्षा हो रही है?



महिलाओं और छोटे शहरों ने बदला म्यूचुअल फंड का ट्रेंड

- बी-30 शहरों के म्यूचुअल फंड निवेश में इक्विटी की हिस्सेदारी 65.9%
- महिलाओं के पोर्टफोलियो में भी 5 साल में 40% से बढ़कर 65% हुआ हिस्सा

समझदारी
बिजनेस डेस्क

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश का नक्शा तेजी से बदल रहा है। कभी इक्विटी म्यूचुअल फंड को बड़े शहरों और शेयर बाजार की अच्छी समझ रखने वाले निवेशकों का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। महिलाएं और छोटे शहरों-कस्बों के निवेशक तेजी से इक्विटी म्यूचुअल फंड की ओर बढ़ रहे हैं। इससे न केवल म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार बढ़ रहा है, बल्कि देश में निवेश की आदतों में भी बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, महिला निवेशकों के म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में इक्विटी की हिस्सेदारी मार्च 2020 में करीब 40% थी, जो मार्च 2025 में बढ़कर 65% हो गई। यानी पांच साल में महिलाओं के पोर्टफोलियो में इक्विटी का हिस्सा 25 प्रतिशत अंक बढ़ा। इसी अवधि में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग के एयूएम में इक्विटी की हिस्सेदारी 27% से बढ़कर 45% हुई। इसका मतलब यह नहीं है कि हर महिला निवेशक अब आक्रामक तरीके से शेयर बाजार में पैसा लगा रही है। इसका बड़ा संकेत यह है कि महिला निवेशकों के बीच इक्विटी को लंबे समय के निवेश के एक विकल्प के तौर पर स्वीकार्यता बढ़ी है। यह बदलाव वित्तीय निर्णयों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की ओर भी इशारा करता है।

छोटे शहरों में इक्विटी का बढ़ता भरोसा

निवेश के इस बदलते ट्रेंड का दूसरा बड़ा पहलू बी-30 यानी टॉप-30 शहरों के बाहर के शहरों और कस्बों से जुड़ा है। जुलाई 2026 तक **B**30 लोकेशंस के म्यूचुअल फंड एयूएम में इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीम्स की हिस्सेदारी 65.9% रही। इसके मुकाबले टी-30 यानी बड़े शहरों में यह हिस्सा 39.8% था। यह आंकड़ा खासा महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ है कि छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच इक्विटी आधारित योजनाओं की पैठ बढ़ी है। हालांकि कुल म्यूचुअल फंड एयूएम में टी-30 शहरों का योगदान अभी भी बड़ा है, लेकिन बी-30 में इक्विटी की ऊंची हिस्सेदारी बताती है कि म्यूचुअल फंड उद्योग का विस्तार अब महानगरों से आगे निकल रहा है। डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन केवाईसी, मोबाइल आधारित निवेश और एसआईपी जैसे आसान विकल्पों ने छोटे शहरों के निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड तक पहुंच आसान की है। पहले निवेश के लिए बैंक शाखा या वित्तीय सलाहकार पर निर्भरता ज्यादा थी।

पांच साल में तीन गुना से ज्यादा हुआ इक्विटी एयूएम

इक्विटी म्यूचुअल फंड की बढ़ती स्वीकार्यता का असर उसके कुल एयूएम में भी दिखाई देता है। अगस्त 2021 से अगस्त 2026 के बीच इक्विटी म्यूचुअल फंड का एयूएम 12.3 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 39.2 लाख करोड़ रुपये हो गया। यानी पांच साल में यह तीन गुना से ज्यादा बढ़ा। इसी अवधि में इक्विटी फोलियो की संख्या भी 7.3 करोड़ से बढ़कर 18.9 करोड़ हो गई। यहां एयूएम और फोलियो के अंतर को समझना जरूरी है। एयूएम बताता है कि कुल कितनी रकम प्रबंधित हो रही है, जबकि फोलियो निवेश खातों की संख्या को दर्शाता है। फोलियो में बढ़ोतरी यह बताती है कि निवेशकों का आधार भी व्यापक हुआ है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि बाजार में गिरावट के दौरान भी फोलियो बढ़ते रहे। दिसंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच इक्विटी एयूएम 30.6 लाख करोड़ से घटकर 27.4 लाख करोड़ रुपये हुआ, लेकिन इक्विटी फोलियो 15.7 करोड़ से बढ़कर 16.2 करोड़ हो गए।

रिटर्न देखकर निवेश का फैसला न करें

इक्विटी म्यूचुअल फंड में बढ़ती भागीदारी उत्साहजनक आंकड़ा हो सकती है, लेकिन निवेशकों के लिए इसका अर्थ यह नहीं है कि इक्विटी में पैसा लगाना हर व्यक्ति के लिए उपयुक्त है। इक्विटी में बाजार जोखिम होता है और रिटर्न निश्चित नहीं होता। 31 अगस्त 2026 तक पांच साल की अवधि में निफ्टी 50 टीआरआई का सीएजीआर 8.32% रहा, जबकि इक्विटी फंड कैटेगरी का औसत रिटर्न 12.84% रहा। लेकिन यह पिछले प्रदर्शन का आंकड़ा है, भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं।

एसआईपी में बढ़ता पैसा, स्मॉल कैप में तेजी निवेशकों के लिए खतरे की घंटी या अवसर?

- अगस्त में एसआईपी निवेश पहली बार 32 हजार करोड़ के पार
- स्मॉल कैप फंडों में 7,973 करोड़ रुपये पहुंचे
- निवेश बढ़ाने के बजाय लक्ष्य और जोखिम क्षमता के हिसाब से पोर्टफोलियो तय करें
- एसआईपी बंद न करें, लेकिन आंख मूंदकर पैसा बढ़ाना भी समझदारी नहीं

सावधानी
बिजनेस डेस्क

भारतीय निवेश बाजार में एसआईपी पर भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। अगस्त 2026 में निवेशकों ने म्यूचुअल फंडों में एसआईपी के जरिए रिकॉर्ड 32,297 करोड़ रुपये लगाए। साथ ही योगदान करने वाले एसआईपी खातों की संख्या भी 10 करोड़ के पार पहुंच गई। दूसरी ओर, स्मॉल कैप फंडों में अगस्त के दौरान 7,973 करोड़ का निवेश आया। मिडकैप फंडों में भी करीब 6,989 करोड़ रुपये का प्रवाह रहा। यानी निवेशकों की दिलचस्पी ज्यादा जोखिम वाली इक्विटी श्रेणियों में भी बनी हुई है। यह आंकड़ा देखकर पहला सवाल स्वाभाविक है। क्या स्मॉल कैप में इतनी तेजी और निवेश का बढ़ता प्रवाह बाजार में जरूरत से ज्यादा उत्साह का संकेत है? इसका सीधा जवाब हां या नहीं में देना सही नहीं होगा। रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को अपने-आप में खतरे की घंटी नहीं माना जा सकता। एसआईपी निवेश का मतलब यह भी है कि लोग नियमित रूप से बाजार में पैसा लगा रहे हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव को समय के साथ औसत करने की कोशिश कर रहे हैं। एएमएफआई भी एसआईपी को नियमित और अनुशासित निवेश की पद्धति बताता है।

सवाल स्मॉल कैप नहीं, सही अनुपात

स्मॉल कैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से छोटी कंपनियां होती हैं। इनमें भविष्य में तेजी से बढ़ने की क्षमता हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी बड़े हो सकते हैं। इसलिए स्मॉल कैप फंड में निवेश का सवाल केवल यह नहीं है कि अभी इसमें पैसा जा रहा है या नहीं। सवाल यह है कि निवेशक के पूरे पोर्टफोलियो में इसका हिस्सा कितना है। मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने



10,000 रुपये की एसआईपी करता है। यदि वह पूरी रकम केवल स्मॉल कैप फंड में लगा देता है, तो उसका पोर्टफोलियो बाजार की तेज गिरावट के समय ज्यादा उतार-चढ़ाव देख सकता है। इसके विपरीत, वही निवेशक अपने लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के अनुसार लार्ज कैप, फ्लैक्सी कैप, मिड कैप, स्मॉल कैप, या हाइब्रिड श्रेणियों का संतुलन बनाता है तो जोखिम को अलग तरीके से संभाला जा सकता है।

एसआईपी का रिकॉर्ड निवेशकों को क्या बताता है?

अगस्त में एसआईपी योगदान 32,297 करोड़ रुपये रहा, जो अब तक का रिकॉर्ड है। जुलाई में यह 31,961 करोड़ रुपये और जून में 31,781 करोड़ था। यानी लगातार तीन महीनों से एसआईपी प्रवाह 31 हजार करोड़ से ऊपर रहा। अगस्त तक वित्त वर्ष 2026-27 में एसआईपी के जरिए 1.58 लाख करोड़ से ज्यादा जमा हो चुके थे। आंकड़े बताते हैं कि निवेशकों का एक बड़ा वर्ग बाजार की रोजाना चाल के बजाय नियमित निवेश पर भरोसा कर रहा है। लेकिन यहां भी सावधानी जरूरी है। एसआईपी बाजार में नुकसान से सुरक्षा की गारंटी नहीं देता। जिस फंड में एसआईपी चल रही है उसका मूल्य गिरता है, तो निवेशक के निवेश का मूल्य भी घट सकता है। लंबे समय में नियमित निवेश का फायदा बाजार के अलग-अलग स्तरों पर यूनिट खरीदने से हो सकता है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त समय और अनुशासन जरूरी है।

तेजी देखकर एसआईपी बढ़ाना जरूरी नहीं

स्मॉल कैप फंडों में लगातार पैसा आने से कई निवेशकों को यह लग सकता है कि अभी ज्यादा रकम लगाने का सही समय है। यही वह जगह है जहां निवेशक को सावधान होना चाहिए। पिछला प्रदर्शन भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं है। अगर किसी श्रेणी ने कुछ समय में अच्छा प्रदर्शन किया है तो केवल उसी आधार पर उसमें निवेश का हिस्सा बढ़ाना जरूरी नहीं। निवेश का फैसला लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर होना चाहिए। अगर किसी निवेशक का लक्ष्य 15-20 साल दूर है और वह बाजार में बड़ी गिरावट सहने की क्षमता रखता है तो उसके लिए इक्विटी में ज्यादा हिस्सा अलग हो सकता है। लेकिन कुछ साल में घर, बच्चों की पढ़ाई या किसी अन्य बड़े खर्च के लिए पैसा चाहिए तो अत्यधिक अस्थिर श्रेणी में बड़ा निवेश जोखिम बढ़ा सकता है।

नए निवेशक सबसे बड़ी गलती कहां करते हैं?

तेजी के समय निवेशक अक्सर रिटर्न देखकर फंड चुनते हैं। किसी स्मॉल कैप फंड ने पिछले कुछ वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया तो उसमें एसआईपी शुरू कर दी। फिर बाजार गिरने पर घबराकर एसआईपी बंद कर दी। इससे एसआईपी की मूल भावना ही कमजोर हो जाती है। दूसरी गलती है एक ही श्रेणी के कई फंड खरीद लेना। पांच अलग-अलग स्मॉल कैप फंड रखने का मतलब जरूरी नहीं कि पोर्टफोलियो ज्यादा विविध हो गया। कई फंडों के पोर्टफोलियो में समान कंपनियां हो सकती हैं। तीसरी गलती है बाजार की तेजी में एसआईपी की रकम अचानक बहुत ज्यादा बढ़ा देना। एसआईपी की रकम बढ़ाने का फैसला आमदनी, वित्तीय लक्ष्य और जोखिम क्षमता में बदलाव के आधार पर होना चाहिए, केवल बाजार की तेजी देखकर नहीं।

निवेशक क्या करें?

- **पहला :** एसआईपी बंद न करें, लेकिन उसकी समीक्षा जरूर करें। अगर निवेश लंबी अवधि के लक्ष्य के लिए है और फंड तथा जोखिम स्तर उपयुक्त हैं तो केवल बाजार की चाल देखकर एसआईपी रोकना जरूरी नहीं।
- **दूसरा :** स्मॉल कैप का हिस्सा जांचें। पूरे पोर्टफोलियो में स्मॉल कैप कितना है, यह देखें। जरूरत से ज्यादा हो गया है तो नए निवेश को दूसरी श्रेणियों में मोड़ने पर विचार किया जा सकता है।
- **तीसरा :** लक्ष्य के हिसाब से निवेश करें। रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा, घर या आपातकालीन जरूरत हर लक्ष्य की समयावधि अलग है। उसी हिसाब से जोखिम लेना चाहिए।
- **चौथा :** आपातकालीन फंड अलग रखें। शेयर बाजार या इक्विटी म्यूचुअल फंड को अचानक आने वाले खर्च के लिए इस्तेमाल करने की योजना नहीं बनानी चाहिए।
- **पांचवां :** बाजार को समय देने के बजाय समय को बाजार में दें। लंबी अवधि के निवेश में अनुशासन महत्वपूर्ण है। बाजार कब ऊपर जाएगा या कब नीचे आएगा, इसकी भविष्यवाणी करने के बजाय निवेश की अवधि और परिसंपत्ति-वितरण पर ध्यान देना ज्यादा व्यावहारिक है।

रिकॉर्ड एसआईपी खतरा नहीं, चेतावनी जरूर है

रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को बाजार में बुलबुले का प्रमाण मानना जल्दबाजी होगी। भारत में म्यूचुअल फंड उद्योग का विस्तार भी हुआ है और निवेशकों की संख्या बढ़ी है। अगस्त 2026 के अंत में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग का एयूएम करीब 87.08 लाख रुपये करोड़ था। लेकिन रिकॉर्ड प्रवाह निवेशकों के लिए एक दूसरी तरह की याद दिलाता है। निवेश बढ़ रहा है तो वित्तीय समझ भी उसी गति से बढ़नी चाहिए। स्मॉल कैप में पैसा बढ़ रहा है, एसआईपी रिकॉर्ड बना रही है और नए निवेशक बाजार से जुड़ रहे हैं। ऐसे समय में सही सवाल यह नहीं होना चाहिए कि "कितना ज्यादा रिटर्न मिलेगा?", बल्कि यह होना चाहिए कि "मेरे लक्ष्य के लिए कितना जोखिम उचित है?"

एसआईपी ने बदली निवेश की आदत

म्यूचुअल फंड में बढ़ती भागीदारी के पीछे एसआईपी की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। नियमित छोटी रकम से निवेश शुरू करने की सुविधा ने इक्विटी को उन लोगों के लिए भी सुलभ बनाया है, जो एकमुश्त बड़ी रकम निवेश नहीं कर सकते। लेकिन एसआईपी का मतलब यह नहीं कि नुकसान का जोखिम खत्म हो जाता है। एसआईपी केवल निवेश करने का तरीका है। जिस फंड या परिसंपत्ति में पैसा लगाया गया है, उसके प्रदर्शन के अनुसार निवेश का मूल्य ऊपर-नीचे हो सकता है।

बिजनेस साइट

रायपुर में सीआईआई का 'एमएसएमई कॉन्क्लेव' 28-29 सितंबर को

वित्त, कारोबार में आसानी और एआई पर होगा मंथन



रायपुर। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) छत्तीसगढ़ की ओर से 28-29 सितंबर को होटल कोर्टयार्ड बाय मैरियट, रायपुर में एमएसएमई कॉन्क्लेव 2.0 का आयोजन किया जाएगा। कॉन्क्लेव की थीम 'नवाचार और सतत औद्योगिक विकास के माध्यम से एमएसएमई का सशक्तिकरण' रखी गई है। इसमें नीति निर्माता, वरिष्ठ अधिकारी, बैंकर, उद्योग संगठन, तकनीकी विशेषज्ञ और उद्यमी शामिल होंगे। 28 सितंबर को उद्घाटन सत्र में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा अध्यक्षीय संबोधन और उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन उद्घाटन संबोधन देंगे। वहीं सीएसआईडीसी अध्यक्ष राजीव अग्रवाल विशेष संबोधन करेंगे। सीएसआईडीसी की ओर से रैम्प कार्यक्रम पर प्रस्तुति भी दी जाएगी।

सीआईआई छत्तीसगढ़ राज्य परिषद के अध्यक्ष बजरंग गोयल ने कहा कि प्रदेश को 8.23 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। बड़ी परियोजनाओं के लिए स्थानीय सप्लायर्स की जरूरत होगी। ऐसे में एमएसएमई को वित्त, तकनीक और कारोबार में सुगमता के लिहाज से तैयार करना जरूरी है। पहले दिन एमएसएमई वित्तपोषण, व्यापार में सुगमता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग और एसएमई से बड़ी कंपनी बनने के सफर पर चार सत्र होंगे। सीआईआई छत्तीसगढ़ एमएसएमई पैनल के संयोजक आदित्य मूंदड़ा ने बताया कि कॉन्क्लेव में ऋण, अनुपालन और नई तकनीक से जुड़े व्यावहारिक मुद्दों पर चर्चा होगी।

सीआईआई छत्तीसगढ़ राज्य परिषद के उपाध्यक्ष आनंद सिंघानिया ने उद्यमियों से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। 29 सितंबर को टीपीएम और काइज़ेन विद एआई पर प्रशिक्षण होगा। शुल्क 2 हजार रुपए प्लस जीएसटी है।

पुराना कर्ज चुकाने के लिए नया लोन लेने की आदत खतरनाक

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

महीने की शुरुआत में सैलरी आती है और कुछ ही दिनों में उसका बड़ा हिस्सा ईएमआई में चला जाता है। फिर महीने के अंत में किसी जरूरी खर्च के लिए पैसे कम पड़ते हैं। ऐसे में क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन या किसी डिजिटल लोन एप से रकम लेकर पुरानी ईएमआई चुका देना आसान रास्ता लगता है। समस्या तब शुरू होती है, जब यह तरीका एक बार की मजबूरी से निकलकर हर महीने की आदत बन जाता है। एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेना व्यक्ति को कर्ज से बाहर नहीं निकालता, बल्कि कई मामलों में उसे और गहरे कर्ज में धकेल सकता है। पुरानी ईएमआई चुकाने के लिए नया लोन लेने पर तत्काल भुगतान तो हो जाता है, लेकिन नई देनदारी भी जुड़ जाती है। अगले महीने पुरानी ईएमआई के साथ नए लोन की ईएमआई या क्रेडिट कार्ड का भुगतान भी करना पड़ता है।

एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मामला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्त भी चुकानी है। यदि फिर पैसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रैप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।



असली खतरा ब्याज के साथ बढ़ता बोझ है

नया लोन लेने में सिर्फ मूल रकम नहीं चुकानी होती। उसके साथ ब्याज और कई मामलों में अन्य शुल्क भी जुड़े होते हैं। खासकर क्रेडिट कार्ड के बकाया को लंबे समय तक चुकाने पर लागत काफी बढ़ सकती है। यानी 10 हजार रुपये की कमी पूरी करने के लिए लिया गया कर्ज केवल 10 हजार रुपये की देनदारी नहीं रहता। ब्याज और शुल्क के कारण भविष्य में भुगतान इससे ज्यादा हो सकता है।

परिवार के बजट पर असर

ईएमआई बढ़ने का सीधा असर मासिक बजट पर पड़ता है। किराना, बिजली-पानी, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, यात्रा और दूसरे जरूरी खर्चों के लिए उपलब्ध रकम कम होने लगती है। इसके बाद बचत प्रभावित होती है। पहले व्यक्ति निवेश के लिए पैसा निकालना बंद करता है, फिर आपातकालीन फंड का इस्तेमाल कर सकता है और अंततः छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी क्रेडिट कार्ड या लोन का सहारा लेना शुरू कर सकता है।

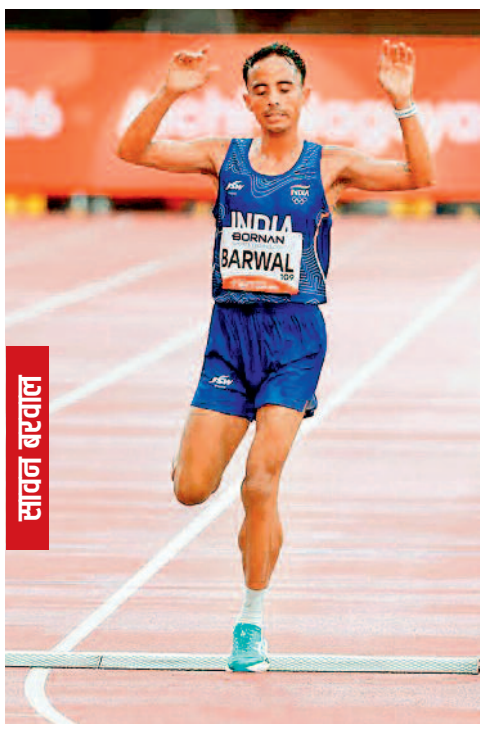
बचत और निवेश भी रुक जाते हैं

मान लीजिए किसी व्यक्ति को हर महीने 5 हजार रुपये एसआईपी में निवेश करने थे। लेकिन लगातार बढ़ती ईएमआई के कारण वह एसआईपी बंद कर देता है। दूसरी तरफ, कर्ज पर ब्याज का भुगतान जारी रहता है। लंबी अवधि में इसका असर बड़ा हो सकता है। निवेश बंद होने से भविष्य के लक्ष्य प्रभावित होते हैं और कर्ज की लागत अलग से बढ़ती रहती है। इसलिए किसी व्यक्ति की वित्तीय स्थिति को केवल यह देखकर नहीं समझा जा सकता कि उसकी सैलरी कितनी है। यह भी देखना जरूरी है कि सैलरी का कितना हिस्सा कर्ज चुकाने में जा रहा है।

अतिरिक्त आय न समझें

क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल सुविधा के लिए किया जा सकता है, लेकिन इसकी लिमिट को अपनी अतिरिक्त आय समझना बड़ी गलती हो सकती है। अगर हर महीने पूरा बिल चुकाने के बजाय लगातार बकाया आगे बढ़ाया जा रहा है तो व्यक्ति अपनी भविष्य की आय पहले ही खर्च कर रहा है।

बरवाल की ऐतिहासिक जीत, मैराथन में 44 साल के सूखे को किया खत्म



स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| नागोया

सावन बरवाल ने एशियाई खेलों में पुरुषों की मैराथन फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर अप्रत्याशित रजत पदक जीता, जो इस स्पर्धा 44 साल बाद भारत का पहला पदक है। भारत ने पिछली बार मैराथन में पदक 1982 के एशियाई खेलों में जीता था। सेना के 28 वर्ष के खिलाड़ी बरवाल ने 2 घंटे 11 मिनट 37 सेकंड में 42.195 किलोमीटर की मैराथन पूरी की।

वह स्वर्ण पदक जीतने वाले जापान के इचिताका यामाशिता से 48 सेकंड पीछे रहे, जिन्होंने दो घंटे 10 मिनट 49 सेकंड का समय निकाला। चीन के पेइयू फेंग 2 घंटे 12 मिनट 13 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। एशियाई खेलों में मैराथन में इससे पहले 1982 में दिल्ली में होसुर कुक्काप्पा सीतारन ने भारत को कांस्य पदक दिलाया था। बरवाल एशियाई खेलों में मैराथन में पदक जीतने वाले चौथे भारतीय भी बन गए।

महिला टीम को राइफल थ्री पोजिशंस में रजत



नागोया। भारत की तिलोत्तमा सेन, विदर्सा विनोद और आशी चौकसी की तिकड़ी ने शनिवार को महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में रजत पदक जीता और तिलोत्तमा व्यक्तिगत स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही। भारतीय टीम ने 1763 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन ने 1773 अंक लेकर खेलों के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। व्यक्तिगत फाइनल में तिलोत्तमा ने अहम मौके पर 9.4 स्कोर किया, जिससे पदक करीब से हाथ से निकल गया। विदर्सा 327.4 अंक लेकर पांचवें स्थान पर रही। तिलोत्तमा फाइनल में पहले 25 शॉट के बाद आगे चल रही थी और 30 शॉट के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई।

रणजी ट्रॉफी : छत्तीसगढ़ की नई टीम तैयार, अनुज संभालेंगे कप्तानी

एजेंसी ▶▶| नागोया

रणजी ट्रॉफी 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ की सीनियर पुरुष टीम घोषित कर दी गई है। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की चयन समिति की बैठक में पहले चार मुकाबलों के लिए 19 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। टीम की कमान रायपुर के अनुज तिवारी को सौंपी गई है। टीम में प्रदेश के अलग-अलग जिलों के खिलाड़ियों के साथ तीन प्रोफेशनल क्रिकेटरों को भी शामिल किया गया है। छत्तीसगढ़ की टीम रणजी ट्रॉफी के ग्रुप-बी में अपना अभियान शुरू करेगी। पहला मुकाबला 11 से 14 अक्टूबर तक राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ होगा। इसके बाद टीम 18 से 21 अक्टूबर तक चंडीगढ़ में पंजाब से भिड़ेगी। तीसरा मैच 26 से 29 अक्टूबर तक रायपुर में आंध्र के खिलाफ और चौथा मुकाबला 2 से 5 नवंबर तक रायपुर में हैदराबाद के खिलाफ खेला जाएगा।



- 19 सदस्यीय टीम में रायपुर के 5 खिलाड़ी, 3 प्रोफेशनल क्रिकेटर शामिल
- राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ 11 अक्टूबर से अभियान शुरू

रायपुर से सबसे ज्यादा पांच खिलाड़ी

19 सदस्यीय टीम में रायपुर के पांच खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें कप्तान अनुज तिवारी के अलावा आयुष पांडे, मोहम्मद सोहेल, प्रतीक यादव और संधिया हुरकट शामिल हैं। इसके बाद राजनांदगांव और बीएसपी से दो-दो, सुरगुजा से दो, भिलाई से दो और बस्तर से दो खिलाड़ी टीम में हैं। बिलासपुर से एक खिलाड़ी शामिल है। टीम में तीन प्रोफेशनल खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें धर्मेंद्र सिंह जडेजा, जयंत यादव और संदीप एस. वारियर शामिल हैं। टीम सूची में मयंक वर्मा और राहुल प्रधान दो विकेटकीपर के रूप में शामिल किए गए हैं।

जोशना-सेंथिलकुमार ने जीता कांस्य पदक



भारत ने शनिवार को यहां एशियाई खेलों की स्क्वाश प्रतियोगिता में अपना दबदबा बनाया तथा युवा सनसनी अनाहत सिंह ने जहां महिला एकल में जापान की विश्व में छठे नंबर की खिलाड़ी सतोमी वातानाबे को 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया वहीं अभय सिंह भी पुरुष एकल के खिताबी मुकाबले में पहुंचने में सफल रहे। भारत की 18 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने सेमीफाइनल में 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की। अनाहत ने यह मैच 9-11, 11-13, 12-10, 11-6, 11-3 से जीता और इस तरह से इसी साल के शुरू में जापानी खिलाड़ी से मिली हार का बदला चुकता कर दिया।

गोला फेंक : रजत पदक पर थमी तूर की कोशिश

भारत के तजिंदरपाल सिंह तूर की एशियाई खेलों की गोला फेंक स्पर्धा में लगातार तीन स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश शनिवार को रजत पदक के साथ खत्म हुई। बारिश के कारण मुश्किल परिस्थितियों से जूझते हुए तूर ने 20.64 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया और दूसरे स्थान पर रहते हुए लगातार तीसरा एशियाई खेल पदक हासिल किया। ईरान के मोहम्मदरेजा तैयबीसे ने एशियाई खेलों का रिकॉर्ड तोड़ा और 20.81 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस तरह उन्होंने 2018 में तूर के बनाए 20.75 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। सऊदी अरब के मोहम्मद टोलू ने 20.48 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। पंजाब के एथलीट तूर ने कहा, 'मैं स्वर्ण पदकों की हैट्रिक का लक्ष्य लेकर चल रहा था।



दौड़ : प्राची ने 400 मीटर में जीता कांस्य

नागोया। प्राची चौधरी ने महिला 400 मीटर दौड़ के फाइनल में 53.21 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक अपने नाम किया। बहरीन की सलवा नासेर ने 49.20 सेकंड के इन खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। ईरान की जहरा जारेई मनौजान ने 52.38 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। फाइनल में शामिल एक अन्य भारतीय धाविका किरण पहल 53.41 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। प्राची ने अब अपना ध्यान चार गुणा 400 मीटर रिले पर केंद्रित कर लिया है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक जीतकर उन्होंने अपनी क्षमता साबित कर दी है। उन्होंने कहा, 'यह पदक मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि लोग लगातार मुझसे कहते रहे हैं कि मैं केवल रिले स्पर्धाओं में ही पदक जीत सकती हूं। आज मैंने साबित कर दिया है कि मैं व्यक्तिगत 400 मीटर स्पर्धा में भी पदक जीत सकती हूं, और वह भी एशियाई खेलों में।



यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
भारत सरकार का उपक्रम
Union Bank of India
A Government of India Undertaking

क्षेत्रीय कार्यालय- रायपुर, प्लॉट नं. 71, सेक्टर- 24
अटल नगर, नया रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़-492018
परिशिष्ट-IV ए [नियम 6(8) के परंतुक को देखें]

अचल संपत्ति की बिक्रय हेतु बिक्री सूचना

ई-नीलामी बिक्री सूचना: बैंक में बंधक रखे अचल संपत्तियों का, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत, प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के सहपठित धारा 8 (6) के तहत विक्रय किया जाना है।

सर्वसाधारण, विशेष रुप से ऋणी एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जिनका **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया** के प्राधिकृत अधिकारी ने **सांकेतिक/भौतिक कब्जा** लिया है, **"जैसा है, जहां है और जैसा है, जो है"** के आधार पर दिनांक **13/10/2026** समय **(प्रातः 12.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक)** पर नीलाम किया जावेगा, जिसका विवरण नीचे दिए अनुसार है। आरक्षित मूल्य एवं बयाना राशि संपत्ति के विरुद्ध नीचे दर्शाये गये तालिका में उल्लेख किया गया है।

क्र.	उधारकर्ता एवं जमानतदार/शाखा का नाम	सपत्तियों का विवरण	बकाया राशि (रु.)	आरक्षित मूल्य अमानत राशि बोली वृद्धि राशि
01	**विवेक दास मानिकपुरी पुत्र रामु दास मानिकपुरी** शाखाः सिंधिया नगर	**स्वामित्व श्री विवेक दास मानिकपुरी** ख. नं. 40/36, प. ह.नं. 24, मौजा- डुंग (बेलदार पारा), नया पारा वार्ड नं. 01, दुर्ग, आरएनएम-दुर्ग-1, तह. मिस्ट दुर्ग (छ.ग.) क्षेत्रफल 1305 वर्ग फुट में स्थित दो मंजिला आवासीय भवन, भूमि और प्लॉट नं. 10 का (भाग)।	₹ 22,56,783.52 + 30/04/2026 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 25.00 लाख ₹ 2.50 लाख ₹ 0.25 लाख
02	**निधि गुप्ता** शाखाः राजनांदगांव मुख्य	**निधि गुप्ता** के नाम पर एलआईजी-142, अटल योजना छ.ग. हाउसिंग बोर्ड, मानकी हाउसिंग कॉलोनी, तोरणकट्टा मुख्य मार्ग, ग्राम- मानकी, जिला- राजनांदगाँव, क्षेत्रफल 564.14 वर्गफीट में स्थित एक मंजिला आरसीसी छत वाला आवासीय मकान।	₹ 7,29,106.05 + 31/08/2025 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 6.00 लाख ₹ 0.60 लाख ₹ 0.06 लाख
03	**मेसर्स पंजाब ऑटो, श्री हरजीत सिंह दुआ, श्री जसप्रीत कौर दुआ** शाखा- पण्डरी यूएमएफबी	**श्रीमती जसप्रीत कौर दुआ** के नाम पर ऑर्चिड ब्लॉक नं. 1, भूतल, ग्रीन अर्थ सिटी, ग्राम- अमलेश्वर, पाटन, दुर्ग, छत्तीसगढ़, क्षेत्रफल- 584.22 वर्गफीट में स्थित आवासीय संपत्ति फ्लैट नं. 106.	₹ 25,82,000.00 + 31.08.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 12.00 लाख ₹ 1.20 लाख ₹ 0.12 लाख

उपरोक्त संपत्तियों पर ऋणभार का विवरण, जैसा कि बैंक को ज्ञात है - ज्ञात नहीं है।

ई-नीलामी की तिथि व समयः 13/10/2026, सुबह 12.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक।

पंजीकरण, लॉगिन एवं बोली नियमों के लिए देखें ऑनलाइन ई-नीलामी वेब पोर्टल/वेबसाइट https://baanknet.in के माध्यम से आयोजित की जाएगी, किसी भी विस्तृत पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें: क्र. 01 के लिएः श्री समीर होता/ 8018337533, क्र. 02 के लिएः श्री कौशिक मिश्रा/ मोबा. 8528201355. एवं क्र. 03 के लिएः श्री अभिषेक तिवारी/ मोबा. 9993069992.

उधारकर्ताओं और गारंटरों को सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) और नियम 9(1) के तहत वैधानिक 15 दिनों की बिक्री नोटिस के रूप में भी माना जा सकता है।

दिनांकः 26.09.2026, प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

HONDA

Shine 100 DX
SOLID MILEAGE



डबल धमाका

मात्र ₹100* में होंडा SHINE 100 DX

₹100 डाउन पेमेंट | ₹100 रुपये प्रतिदिन EMI

PRICE HIKE

कीमतें बढ़ने से पहले खरीदें और बचत का लाभ उठाये

अक्टूबर 2026 से दो-पहिया वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी



Digital Meter
Average Mileage Indicator | Live Mileage Indicator | Range Indicator

5-Step Adjustable Rear Suspension | Tubeless Tyres | Stylish Chrome Plating | Wider Fuel Tank

*Terms and Conditions apply. The feature shown in the creative may not be available in all variants. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

CUSTOMER BENEFIT ₹ 10000*

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122052, India; Website: www.honda2wheelersindia.com; Customer Care: customercare@honda.hmsi.in

होंडा अधिकृत विक्रेता : रायपुर : ए सिटी होंडा - 9785823333, ग्रैंड होंडा - 0771-4033794, वरूण होंडा - 0771-4005901, जी.के. होंडा - 8058254444, आरंग: वी श्री होंडा - 9893728947, भिलाई: आन होंडा (पॉवर हाऊस): 0788-4013336, 9584378238, जुनवानी रोड (फरीद नगर मैदान के सामने) - 6269092899, नंदिनी रोड (बैंक ऑफ बडौदा के पास) - 6269090005, हाऊसिंग बोर्ड (एकता चौक) 6269090006, कोहका (रूंगटा रोड) 6269090004, नेहरू नगर (नेहरू नगर चौक) 8518020999, दुर्ग: श्री सांईराम होंडा (स्टेशन रोड) - 0788-4017246, 8458882333, रिसाली (कृष्णा टाकीज रोड) - 0788-4067690, 8823050333, बोरसी (एसबीआई बैंक के पास) - 0788-4058968, 8823050444, राजनांदगांव: अंशदीप होंडा - 07744-223100, मनराज होंडा - 07744-223333, महासमुंद: श्री आर्यन होंडा - 9425204997, दल्लीराजहरा: श्री शुभ होंडा - 7587764225, 9406082344, बालोद (गंजपारा)- 9425564232, बलौदा बाजार: किरण होंडा - 7049518181, कवर्धा: प्रथा होंडा- 7400550099, बेमेतरा : श्री रामा होंडा - 7824222521, धमतरी: श्री श्याम होंडा- 07722-233255, जगदलपुर: वाहेगुरू होंडा - 8435090001, कोंडागांव: दंतेश्वरी होंडा- 8517909999, कांकेर : शिवनाथ होंडा - 9644059600, 8720008800, 7970005301 For Bulk / Institutional enquiries, please write us at : institutionalsales@honda2wheelersindia.com Embassy



सपनों जैसा देश, लग्जरी कारें, महल जैसे घर, हर इंसान की दो करोड़ सालाना कमाई... इस देश का हर व्यक्ति अमीर!

सोचिए आप किसी ऐसी जगह पर पहुंच जाएं, जहां पर सिर्फ लम्बोर्गिनी, रॉल्स रॉयस, डिफेंडर जैसी कारें नजर आएं। घर ऐसा हो, जैसे किसी राजा का पैलेस या विला हो। पानी में उतरो तो सिर्फ लग्जरी शिप ही दिखें... तो आपको भी यह कोई सपने जैसा ही लगेगा, लेकिन यह हकीकत है। भूमध्य सागर में इटली और फ्रांस के बीच बसे मोनाको नामक इस देश की एक और खास बात है कि यहां पर किसी भी नागरिक को इनकम टैक्स नहीं देना होता है।

हर व्यक्ति की सालाना 2 करोड़ की इनकम

यूरोपीय महाद्वीप में स्थित यह एक छोटा सा देश है, जिसकी आबादी करीब 40 हजार है और क्षेत्रफल 1.95 वर्ग किलोमीटर है। इस छोटे से देश के हर तीसरे व्यक्ति की नेटवर्थ 10 लाख डॉलर यानी 8,34,59,100 रुपये से अधिक है। यहां के प्रत्येक नागरिक की औसत सालाना कमाई 2 करोड़ रुपये मानी जाती है।

बड़े-बड़े दिग्गज इस देश के निवासी

अपने खूबसूरत नजारों और कैसिनो के लिए दुनियाभर में मशहूर मोनाको को फॉर्मूला वन रेसर लुई हेमिल्टन, टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच और ब्रिटिश रिटेल टाइकून सर फिलिप ग्रीन समेत कई मशहूर हस्तियों ने अपना ठिकाना बनाया है। यहां की अर्थव्यवस्था ज्यादातर टूरिज्म पर निर्भर है।



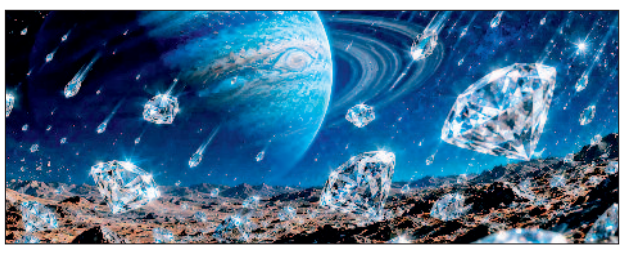
अमीरों की राजधानी कहलाता है ये देश

इस देश को 'अमीरों की राजधानी' भी कहते हैं, क्योंकि यहां आबादी के हिसाब से दुनिया के सबसे ज्यादा अमीर रहते हैं। मोनाको में दश सिटी हैं, जनिमें से सिर्फ 1 शहर में 5000 से ज्यादा अमीर लोग रहते हैं। यहां की 40 हजार अबादी में से केवल 10 शहर के लोग ही मोनाको के मूल निवासी माने जाते हैं, बाकी दूसरे देशों से आकर बसे अमीर लोग हैं।

लोगों को क्यों पसंद आता है ये देश

यह देश लोगों को कमाई और रहने के लिए लिहाज से ज्यादा पसंद आता है, क्योंकि यहां के लोगों को इनकम टैक्स नहीं देने होते हैं और कंपनियों पर भी टैक्स दूसरे देशों के मुकाबले कम भुगतान करना होता है। मोनाको के रियल एस्टेट बाजार को दुनिया के सबसे महंगे बाजारों में शुमार किया गया है।

यहां सच में होती है हीरों की बारिश आसमां से गिरते हैं लाखों हीरे



नई दिल्ली। अगर कोई कहे कि किसी ग्रह पर बारिश में पानी नहीं बल्कि हीरे गिरते हैं, अनगिनत हीरे, तो क्या आपको इस बात पर यकीन होगा? लेकिन ये बात बिल्कुल सच है। हीरों की बारिश वास्तव में होती है। आइए, जानते हैं कि हीरों की बारिश कहां होती है और कब होती है।

कहां होती है हीरों की बारिश : यूरेनस और नेपच्यून को आइस जायंट कहा जाता है। इन ग्रहों के वायुमंडल में मीथेन की अच्छी-खासी मात्रा मौजूद है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ग्रहों के भीतर गहराई में दबाव लाखों गुना अधिक और तापमान हजारों डिग्री तक पहुंच जाता है। इन परिस्थितियों में मीथेन के अणु टूट जाते हैं और उनमें मौजूद कार्बन अलग होकर अत्यधिक दबाव में हीरे के क्रिस्टल में बदल जाता है। ये हीरे ग्रह के भीतर नीचे की ओर गिरते हैं, जिसे डायमंड रेन कहा जाता है।

वैज्ञानिकों ने कैसे किया इसका परीक्षण?

शोधकर्ताओं ने हमारी पृथ्वी पर ही लेजर की मदद से यूरेनस और नेपच्यून जैसी परिस्थितियां तैयार कीं। प्रयोग में प्लास्टिक (जिसमें कार्बन और हाइड्रोजन होते हैं) को अत्यधिक दबाव और तापमान में रखा गया, जिससे सूक्ष्म (नैनो) हीरों का निर्माण हुआ। इस प्रयोग ने इस सिद्धांत को मजबूत किया कि इन ग्रहों के भीतर वास्तव में हीरे बन सकते हैं।

क्या वहां हीरों की मोटी परत भी हो सकती है?

कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि लगातार बनने और नीचे गिरने वाले हीरे ग्रहों के अंदर बड़ी मात्रा में जमा होकर हीरों की मोटी परत बना सकते हैं। हालांकि, इसकी पुष्टि अभी संभव नहीं है क्योंकि इंसान इन ग्रहों के अंदर तक नहीं पहुंच सका है।

क्या पृथ्वी पर भी हो सकती है हीरों की बारिश?

नहीं, पृथ्वी पर ऐसा होना संभव नहीं है क्योंकि यहां का वायुमंडल, तापमान और दबाव यूरेनस व नेपच्यून जैसे ग्रहों से बिल्कुल अलग है इसलिए पृथ्वी पर पानी, बर्फ या ओले तो गिर सकते हैं, लेकिन हीरों की बारिश नहीं हो सकती।





लंच ब्रेक में महिला की बदली किस्मत, 20 मिनट में 19 करोड़ की बन गई मालकिन

नई दिल्ली। कब किसकी किस्मत पलट जाए, यह कोई नहीं जानता है। ऐसा ही कुछ एक महिला के साथ हुआ है। सिर्फ लंच ब्रेक पर बाहर जाने से महिला की पूरी जिंदगी बदल गई। ऑफिस के तनाव से ब्रेक पर गई अमेरिकी महिला करीब 19 करोड़ रुपये से अधिक (2 मिलियन डॉलर) की मालकिन बनकर लौटी। बड़ी बात रही है कि महिला इतना कुछ हासिल करने के बाद भी चुपचाप लंच खत्म करके वापस ऑफिस में काम पर लग गई, जैसे कुछ हुआ ही नहीं हो। जानकारी के मुताबिक, अमेरिका में वर्जीनिया की रहने वाली महिला ऑफिस में काफी परेशान थी. जिसके बाद उसने लंच के टाइम बाहर जाकर कुछ खाने को सोचा। ऑफिस से बाहर निकलकर महिला एक दुकान पर गई और लॉटरी में किस्मत आजमाने लगी। महिला ने 'लव फूड मार्ट' पर जाकर 20 डॉलर का प्लैटिनम 7s स्क्रैच-ऑफ़ टिकट खरीदा। जब उसने कार्ड को स्क्रैच किया तो पता चला कि उसने सबसे बड़ा जैकपॉट जीत लिया है।

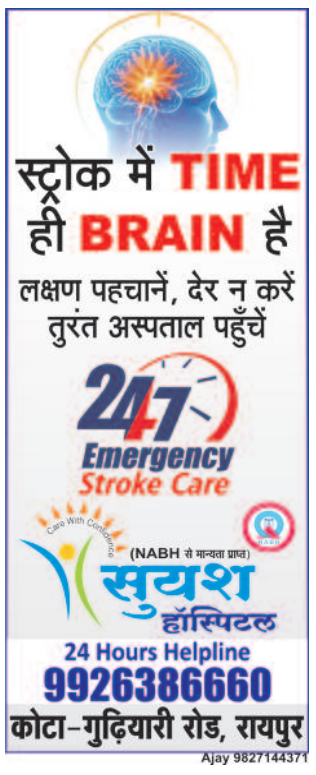


19 करोड़ जीतने के बाद रही नॉर्मल

रिपोर्ट के अनुसार, महिला ने लॉटरी में 2 मिलियन डॉलर (19 करोड़ रुपये से अधिक) जीत लिए पर इस दौरान महिला ने बिना किसी हंगामा या जश्न मनाए चुपचाप काम पूरा करने के लिए ऑफिस पहुंची। उसने 2 मिलियन डॉलर का टिकट अपने पास रखा, काम पर लौटीं और अपनी ड्यूटी पूरी की। अपना इनाम लेते समय वर्जीनिया लॉटरी अधिकारियों को महिला ने बताया, मुझे काम पर वापस जाना था और ऐसा व्यवहार करना था जैसे कुछ हुआ ही न हो।

महिला ने अपनी पहचान गुप्त रखी

महिला ने प्राइवेसी कानूनों के तहत अपनी पहचान गुप्त रखने का भी फैसला किया। जब इनाम की रकम लेने का समय आया, तो महिला को दो विकल्प दिए गए। पहला वह 30 वर्षों में सालाना भुगतान के रूप में पूरे 2 मिलियन डॉलर ले सकती थीं। दूसरा- एकमुश्त नकद भुगतान ले सकती थीं।













हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रम्हवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com